दैनिक
भोपाल की धड़कन
सांध्य प्रकाश
वर्ष 54/ अंक 304/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, मंगलवार 17 जून 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

इंदौर समेत 15 जिलों में मानसून पहुंचा
अब तक 19 जिलों में आया, एक सप्ताह में पूरे एमपी को कवर करेगा

भोपाल। इंदौर समेत मध्यप्रदेश के 15 जिलों में मंगलवार को मानसून ने दस्तक दे दी। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम प्रदेश में अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, देवास, हरदा, खंडवा, बैतूल, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला और डिंडौरी जिलों में पहुंच गया।

इससे पहले सोमवार को बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर और खंडवा में मानसून पहुंचा था। इस तरह मानसून ने 2 दिन में प्रदेश के 19 जिलों को कवर कर लिया है। इधर, मंगलवार सुबह करीब 11 बजे छिंदवाड़ा में तेज बारिश हुई। ग्रामीण इलाकों- जुन्नारदेव, बिछुआ, नवेगांव में भी पानी गिरा।

मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 2 दिन में मानसून भोपाल में दस्तक दे सकता है। वहीं, सबसे आखिरी में ग्वालियर-चंबल में पहुंचेगा। मौसम विभाग की मानें तो एक सप्ताह में मानसून पूरे प्रदेश को कवर कर लेगा। इससे पहले प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर रहेगा। कहीं-कहीं भारी या अति भारी बारिश भी हो सकती है।

आज इन जिलों में गिरेगा पानी

मौसम विभाग ने मंगलवार को जिन जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है, उनमें भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, रीवा, सीधी, सिंगरौली, पन्ना, दमोह, मंडला, बालाघाट, सिवनी, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, सीहोर, शाजापुर, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, धार, अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, मंदसौर, श्योपुर, शिवपुरी, अशोकनगर, गुना, राजगढ़, आगर-मालवा, सतना, मैहर, मऊगंज, कटनी, जबलपुर, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी और नीमच शामिल हैं। यहां हवा की रफ्तार 40 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा तक हो सकती है।

सांध्यप्रकाश विशेष

साइप्रस की महिला नेता कौन हैं, जिन्होंने पीएम मोदी के छू लिए पैर, भारतीय परंपरा में स्वागत की हर तरफ तारीफ

निकोसिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दो दिवसीय साइप्रस दौरा खत्म हो चुका है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी का ऐतिहासिक स्वागत हुआ, लेकिन सबसे भावुक करने वाला क्षण उस समय आया जब वहां की एक महिला नेता ने उनके पैर छू लिए। निकोसिया शहर के दौरे पर नगर परिषद की सदस्य मिकाएला किथ्रियोटी म्लापा ने भारतीय प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए उनके पैर छूकर सम्मान प्रकट किया। यह पल सोमवार को उस समय देखने को मिला, जब प्रधानमंत्री मोदी साइप्रस के राष्टपति निकोस के साथ देश की ऐतिहासिक सीजफायर लाइन क्षेत्र का दौरा कर रहे थे।

सोशल मीडिया पर आया वीडियो- यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी, जो पूर्व में कई बार महिलाओं को उनके पैर छूने से विनम्रता से रोक चुके हैं, इस बार भी म्लापा को आशीर्वाद देते हुए हाथ जोड़ते नजर आए। भाजपा प्रवक्ता सीआर केसवन ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर लिखा, %पहले पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने पीएम मोदी के चरण छूकर सम्मान व्यक्त किया था और अब साइप्रस की नगर परिषद की सदस्य मिकाएला द्वारा किया गया यह कार्य भारतीय संस्कृति, परंपरा और सभ्यता की वैश्विक प्रशंसा का प्रतीक है। पीएम मोदी ने भारत की शक्ति के साथ-साथ उसकी प्रतिष्ठा और गौरव को भी वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाई दी है।

एअर इंडिया की सैन फ्रांसिस्को.मुंबई फ्लाइट में खराबी, कोलकाता में यात्रियों को उतारा

कोलकाता। सैन फ्रांसिस्को से मुंबई जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण यात्रियों को मंगलवार सुबह कोलकाता एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा। फ्लाइट नंबर AI180 सैन फ्रांसिस्को से आई थी जो कोलकाता होते हुए मुंबई जा रही थी। बोइंग 777-200LR (वर्ल्डलाइनर) विमान सोमवार व मंगलवार की दरमियानी रात को तय समय पर 12ः45 बजे कोलकाता पहुंचा। इसे 2ः00 बजे मुंबई के लिए रवाना होना था।

विमान के बाएं इंजन में तकनीकी खराबी के कारण कोलकाता से टेकऑफ में देरी हुई। इसके बाद करीब 5ः20 बजे कैप्टन ने यात्रियों को विमान से उतरने को कहा। उन्होंने कहा कि फ्लाइट सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है।

इंडिगो विमान की नागपुर में इमरजेंसी लैंडिंग, बम की धमकी का आया था कॉल

नागपुर। कोच्चि से दिल्ली जा रही इंडिगो एयरलाइंस की एक फ्लाइट में मंगलवार को बम की धमकी से हड़कंप मच गया. सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता के चलते विमान की नागपुर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई, जहां सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और विमान की जांच की गई.

विमान पर बम की धमकी मिलने के बाद तय प्रोटोकॉल के तहत तुरंत आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें यह पुष्टि हुई कि धमकी गंभीर थी क्योंकि उसमें फ्लाइट का नंबर तक स्पष्ट तौर पर दिया गया था. उस समय तक फ्लाइट कोच्चि से उड़ान भर चुकी थी, जिसे सुरक्षा कारणों से नागपुर एयरपोर्ट की ओर मोड़ दिया गया. फिलहाल विमान और यात्रियों की जांच जारी है.

यूएई में भारतीय डॉक्टर ने एअर इंडिया दुर्घटना पीड़ितों की सहायता के लिए भेजे 6 करोड़ रुपए

दुबई/अहमदाबाद। संयुक्त अरब अमीरात में रह रहे भारतीय चिकित्सक डॉ. शमशीर वायलिल ने पिछले सप्ताह अहमदाबाद में हुई एअर इंडिया विमान दुर्घटना से प्रभावित मेडिकल छात्रों और चिकित्सकों के परिवारों के लिए छह करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता की घोषणा की है।

बता दें कि गुरुवार को अहमदाबाद से लंदन जा रहा यह विमान बी जे मेडिकल कॉलेज के छात्रावास परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद बोइंग 787-8 दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। हादसे में उड़ान एआई.171 में सवार 242 लोगों में से केवल एक जीवित बचा था। इसके अलावा, इसकी चपेट में आने से दुर्घटना स्थल पर पांच एमबीबीएस छात्रों सहित 29 अन्य लोगों की भी मौत हुई थी।

खामेनेई के करीबी सैन्य कमांडर को इजरायल ने मार डाला, मिली थी वारटाइम चीफ की जिम्मेदारी

तेल अवीव/तेहरान। इजरायल और ईरान के बीच चल रहे भीषण संघर्ष के बीच इजरायली रक्षा बलों ने मंगलवार को ईरान के एक और सैन्य कमांडर को मार गिराने का दावा किया है। अली शादमानी ईरानी सेना का प्रमुख कमांडर था, जिसे खामेनेई का बेहद करीबी माना जाता था। बता दें कि अली शादमानी को हालिया जंग शुरू होने के बाद, महज चार दिन पहले ही वारटाइम चीफ ऑफ स्टाफ की जिम्मेदारी मिली थी। मंगलवार को इजरायली सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट ने शादमानी के मारे जाने का दावा किया। इजरायल ने एक्स पर लिखा, 5 दिनों में दूसरी बार, ढ्ढष्ठस्न ने ईरान के वारटाइम चीफ ऑफ स्टाफ, शीर्ष सैन्य कमांडर को मार गिराया है। पोस्ट में बताया गया कि खुफिया जानकारी के आधार पर ईरान के सबसे वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और खामेनेई के सबसे करीबी सलाहकार अली शादमानी को इजरायली वायु सेना ने तेहरान में घुस कर मारा।

सोनम की मेंटल हेल्थ रिपोर्ट आ गई, उसे पूरी तरह स्वस्थ पाया गया, वह पुलिस को बरगलाने में लगी!

इंदौर। हनीमून पर अपने पति राजा की हत्या के आरोप में गिरफ्तार सोनम रघुवंशी को सोमवार को मानसिक स्वास्थ्य की जांच के लिए 'मेघालय इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेस' ले जाया गया। पुलिस के अनुसार, सोनम की मानसिक जांच की गई और वह मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ पाई गई। बताया जा रहा है कि शातिर सोनम लगातार पूछताछ से मानसिक रूप से परेशान हो गई है। अब वह नाटक कर रही है या उसे वास्तव में कोई मानसिक परेशानी है, इसका चेकअप करवाने के लिए उसे लाया गया था। मेंटल हेल्थ की समस्या आने की समस्या की आशंका के बाद उसे शिलांग पुलिस मेडिकल चेकअप के बाद तत्काल मेघालय इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हैल्थ न्यूरोसाइंस लेकर गई। बताया गया कि मेडिकल चेकअप के दौरान सोनम मेंटली डिस्टर्ब लगी।

जी-7 सम्मेलन: कनाडा पहुंचे पीएम मोदी ने बताईं प्राथमिकताएं

टोरंटो। दुनिया की कुछ सबसे बड़ी आर्थिक शक्तियों के नेता ग्रुप ऑफ सेवन (जी-7) शिखर सम्मेलन के लिए कनाडा के रॉकीज पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इसमें शामिल होने के लिए कनाडा पहुंच गए हैं। सम्मेलन पर इस्राइल-ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से छेड़े गए व्यापार युद्ध का साया मंडरा रहा है। जी-7 की बैठक में एक संयुक्त बयान जारी किए जाने की उम्मीद है जिसमें इस्राइल और ईरान से तनाव कम करने, संयम बरतने और आपसी मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आग्रह किया जाएगा।

कनाडा पहुंचने पर पीएम मोदी की पहली प्रतिक्रिया

जी-7 देशों के शिखर सम्मेलन में शामिल होने कनाडा पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर तस्वीर शेयर कर लिखा, %जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा के कैलगरी पहुंचा। शिखर सम्मेलन में अलग-अलग देशों के नेताओं से मुलाकात करूंगा। साथ ही महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर अपने विचार साझा करूंगा। वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं पर भी जोर दूंगा

भारतीय समुदाय के लोगों ने पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया

भारतीय जनता पार्टी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कनाडा में जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे। भारतीय समुदाय के लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।विश्व मंच पर भारत के उचित स्थान प्राप्त करने पर भारतवंशियों के नारे, जयकारे और तिरंगे लहराना हर भारतीय के गर्व को दर्शाता है।

कनाडा से अमेरिका वापस रवाना हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने कनाडा पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वदेश रवाना हो गए हैं। उन्होंने इस मंच से इतर एक बयान में पश्चिम एशिया की अशांति और इस्राइल और ईरान के बढ़ते टकराव के बीच तेहरान के लोगों को जगह छोड़ने की चेतावनी दी। इसके अलावा ट्रंप ने ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौता पक्का होने की बात भी कही।

मध्यप्रदेश सरकार का ऐतिहासिक फैसला

9 साल बाद कर्मचारियों की पदोन्नति को मिली मंजूरी, नई भर्तियों का रास्ता साफ

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने लंबे समय से लंबित सरकारी कर्मचारियों की पदोन्नति (प्रमोशन) का रास्ता आखिरकार साफ कर दिया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। प्रमोशन के बाद जो पद रिक्त होंगे, उन्हें नई भर्तियों के माध्यम से भरा जाएगा।

भर्ती का भी रास्ता खुलेगा- राज्य के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि प्रमोशन से जहां कर्मचारियों को उच्च पद मिलेंगे, वहीं इससे खाली होने वाले पदों पर नई भर्तियां भी की जाएंगी। इससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे और प्रशासनिक व्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार होगा।

मेरिट और सीनियरिटी का संतुलन- प्रथम श्रेणी के अधिकारियों के लिए पदोन्नति में मेरिट और वरिष्ठता (सीनियरिटी) दोनों का संतुलन रखा गया है। जिन अधिकारियों ने न्यूनतम योग्यता अंक प्राप्त किए हैं, वे प्रमोशन के पात्र माने जाएंगे।

अग्रिम डीपीसी की व्यवस्था- अब सरकार ने अग्रिम विभागीय पदोन्नति समिति की व्यवस्था भी लागू कर दी है, जिससे अगले वर्ष की रिक्तियों के लिए इस वर्ष ही चयन सूची तैयार की जा सकेगी। इससे समय पर पदोन्नति संभव हो सकेगी।

आंशिक सेवा को मिलेगा पूरा लाभ- अगर किसी कर्मचारी ने किसी वर्ष में आंशिक अवधि (जैसे 6 महीने) की सेवा की है, तो उसे भी पूरे वर्ष की सेवा माना जाएगा। इसी तरह, अगर गोपनीय प्रतिवेदन केवल आधे वर्ष के लिए उपलब्ध है, तो भी उसे पूर्ण वर्ष के लिए वैध माना जाएगा।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को राहत

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए अंक आधारित मूल्यांकन नहीं होगा। उनके लिए केवल यह देखा जाएगा कि वे प्रमोशन के लिए उपयुक्त हैं या नहीं। यह कदम उन कर्मचारियों के लिए राहत का कारण बनेगा जिनकी सीआर पूरी नहीं होती।

वरिष्ठता पर कोई नुकसान नहीं

अगर किसी कर्मचारी की गोपनीय रिपोर्ट समय पर उपलब्ध नहीं होती और उसकी पदोन्नति रुक जाती है, तो उसे बाद में प्रमोशन मिलने पर उसकी पूरी वरिष्ठता दी जाएगी। इससे कर्मचारी के कैरियर पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

प्रतीक्षा सूची से नियुक्ति की सुविधा

चयन और प्रतीक्षा सूची के माध्यम से अप्रत्याशित रिक्तियों को भरने की स्पष्ट व्यवस्था बनाई गई है। अब केवल कारण बताओ नोटिस के आधार पर कर्मचारी को प्रमोशन सूची से बाहर नहीं किया जाएगा।

आरक्षित वर्गों के लिए आरक्षण सुनिश्चित

कैबिनेट के फैसले में अनुसूचित जाति के लिए 16प्रति. और अनुसूचित जनजाति के लिए 20प्रति. आरक्षण का स्पष्ट प्रावधान रखा गया है। साथ ही, आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों को भी योग्यता के आधार पर पदोन्नति पाने का समान अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की उपस्थिति में उप मुख्यमंत्राी जगदीश देवड़ा एवं एसीएस संजय शुक्ला की मौजूदगी में मध्य प्रदेश राज्य नीति आयोग और चार संस्थाओं क्रमशः अंतरा फाउंडेशन, प्रदान, पी एच आई ए फाऊंडेशन तथा यूएन वूमेन के बीच, मंत्रालय में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

शुरुआती कारोबार में 127 अंक गिरा सेंसेक्स
निफ्टी भी फिसला,ईरान-इजरायल युद्ध से सहमा बाजार

नई दिल्ली/मुंबई। इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के मद्देनजर निवेशकों के सतर्क रुख के कारण सेंसेक्स और निफ्टी में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई।

हालांकि, पिछले सत्र में इनमें भारी तेजी दर्ज की गई थी। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह के अंत में अमेरिकी फेडरल बैंक के ब्याज दर पर फैसला लेने से पहले निवेशक सतर्क हैं। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 127.02 अंक की गिरावट के साथ 81,669.13 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 55 अंक फिसलकर 24,891.50 अंक पर रहा।

कैलाश मानसरोवर यात्रा 30 जून से होगी शुरुआत

नई दिल्ली। करीब पांच वर्षों के लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर कैलाश मानसरोवर यात्रा इस वर्ष शुरू होने जा रही है। यात्रा का शुभारंभ 30 जून से होगा और यह अगस्त तक चलेगी। इस बार यात्रा को दो मार्गों – लिपुलेख और नाथुला – से संचालित किया जाएगा।

हालांकि, इस बार यात्रियों की संख्या में कटौती की गई है। वर्ष 2019 में जहां 1580 श्रद्धालु इस यात्रा में शामिल हुए थे, वहीं इस बार केवल 750 लोगों को ही अनुमति दी गई है।

लिपुलेख मार्ग से केवल 250 यात्री जाएंगे- लिपुलेख रास्ते से इस वर्ष केवल पांच जत्थे भेजे जाएंगे, जिनमें प्रत्येक में 50-50 यात्री शामिल होंगे।

कांग्रेस और नेहरू परिवार सदैव भारत रत्न- डॉ भीमराव अंबेडकर के विरोधी रहे : वीडी शर्मा

भोपाल। कांग्रेस की बाबा साहब विरोधी मानसिकता को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने प्रेस वार्ता में कहा कि कांग्रेस 23 जून से बाबा साहब को लेकर तीन दिवसीय जनजागरण अभियान चलाने जा रही हैज मैं कांग्रेसियों से कहना चाहता हूॅं कि बाबा साहब अंबेडकर के खिलाफ कांग्रेस द्वारा किये गये अपमान और नेहरू-गांधी परिवार सहित अपने अन्यब नेताओं के बाबा साहब विरोधी कार्यों के लिए उन्हेंह माफी अभियान चलाकर उपवास रखना चाहिए और पूरे देश से बिना शर्त माफी मांगना चाहिए। इतिहास साक्षी है कि कांग्रेस और नेहरू परिवार सदैव भारत रत्न- डॉ भीमराव अंबेडकर के विरोधी रहे हैं।

इस दौरान भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल भी मौजूद रहे। शर्मा ने कहा कि यह वहीं परिवारवादी दल है जिन्होंदने जीते जी तो बाबा साहब का अपमान किया ही, मरणोपरांत भी उनके विचारों के साथ अन्यादय किया। आज मध्यपप्रदेश में पुनः वर्ग संघर्ष बढाने के लिए यही अंबेडकर और संविधान विरोधी कांग्रेस अपनी रानजीतिक रोटियां सेंकने के लिए नोटंकी कर रही है।

जिस कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर को 1952 के लोकसभा चुनाव और 1954 के उपचुनाव में हरवाया, जिस कांग्रेस ने बाबा साहब को देश के कानून मंत्री के पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया, जिस महान सपूत को कांग्रेस पार्टी ने भारत रत्न तक नहीं दिया, जिस कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहब का एक भी स्मारक नहीं बनने दिया, वो कांग्रेस पार्टी आज बाबा साहब अंबेडकर के नाम पर मध्याप्रदेश में प्रेस वार्ता कर रही है। कांग्रेस को इस पाखंड को बंद कर देना चाहिए।

जब भी कोई बड़ा नेता जाता है, तो उनकी विरासतों को संजोया जाता है और उनकी स्मृतियाँ बनाई जाती हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहब की एक भी स्मृति बनाने की अनुमति नहीं दी।

बाबा साहब के जन्मस्थान मध्यप्रदेश में उनकी एक स्मृति निर्माण का काम भाजपा के मुख्यमंत्री श्री सुंदरलाल पटवा के कार्यकाल दौरान हुआ था, और स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने उसका उद्घाटन किया था। पूर्व प्रधानमंत्री श्री चंद्रशेखर ने दिल्ली स्थित अंबेडकर सेंटर के लिए स्थान की स्वीकृति दी थी, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने उसे बनने नहीं दिया।

भारतीय समाज के विकृत स्वरूप

लगातार पत्नियों के द्वारा अपने पतियों की हत्या किया जाना यह भारतीय समाज के विकृत स्वरूप को दर्शाता है।

क्या यह समस्या एक दिन में पैदा हुई है-

इस सामाजिक दुर्दशा की नींव समाज ने 1990 के आसपास रखना शुरू कर दी थी

जब विज्ञान ने हमें भ्रूण परीक्षण की सुविधा प्रदान की।

पहली सामाजिक गलती ??

जब लोगों ने भ्रूण परीक्षण के द्वारा बेटियों की हत्या करना शुरू की। और बेटियों की जन्म दर घटना शुरू हो गई। और स्त्री पुरुष का अनुपातिक स्तर खराब हो गया।

दूसरी सामाजिक गलती।

ग्लोबलाइजेशन का दौर शुरू हुआ। समाज में युवाओं में पश्चिमी सभ्यता का प्रभाव तेजी से पढ़ाना प्रारंभ हुआ।

बेटियों को अकेले बाहर पढ़ने भेजा गया।

और उस आवश्यकता ने चरित्रहीनता के झंडा गाड़ना शुरू कर दिए।

मां बाप अपनी आंख बंद किए रहे। ??

अपनी मेहनत की कमाई अपनी औलादों पर लुटाते रहे।

लेकिन शहर जाकर यह नहीं देखा कि हमारे बच्चे किस माहौल में है।

और यह भी देख भी लिया तो यह सोच लिया कि हमारा लड़का लड़की ऐसा कुछ नहीं करेगा।

गार्जियन के झूठे भरोसे में औलादें बिगड़ती चली गई।??

तीसरी सबसे बड़ीगलती ??

यानी जो लड़की नौकरी नहीं कर रही है। तो उसकी नौकरी करने वाला लड़का शादी करने के लिए नहीं मिलेगा।

अब लड़की वाले मां-बाप की भी मजबूरी हो गई यदि उसे नौकरी वाला दामाद ढूंढना है।

तो उसे अपनी लड़की को नौकरी के लायक तैयार करना होगा ।

भले ही उसे अकेला बाहर भेजना पड़े??

इस तरह से इस तरह से सामाजिक गलतियां और सामाजिक मजबूरियों से बने कॉकटेल में बच्चों को चरित्रहीन बना दिया। और फिर इसी कॉकटेल पर न्यायालय की मेहरबानी हुई जिन्होंने चरित्रहीनता को नैसर्गिक आवश्यकता मानते हुए जायज मान लिया।??

तो इस तरह से पहली गलती हम लोगों की है जो गार्जियन है।

जब हमारे लड़के की नौकरी लग जाती है तो हम और हमारा पूरा परिवार नौकरी वाली लड़की क्यों चाहता है। वह क्यों नहीं सोच पाता जब कोई लड़की नौकरी करेगी तो घर कैसे संभालेगी।

दूसरे मर्दों के साथ रहेगी तो अपना चरित्र कैसे संभालेंगी।

जब हम लड़की की शादी करने जाएं तो हमको नौकरी वाला ही लड़का क्यों चाहिए क्या बिजनेस वाले भूखा मरते हैं। समाज को यह सोचना होगा कि यदि पति कमा रहा है। तो फिर घर संभालने वाली बहू ले आओ। जब हम जवान हुए तो हमारी सोच रोटी कपड़ा और मकान तक ही सीमित थी। लेकिन आज के युवा को अय्याशी के सारे साधन चाहिए।

और जब समाज में अय्याशी आएगी तो भूचाल आएगा। समाज पतन के रास्ते पर जाएगा। सुपर्णखा और रावण पैदा होंगे। जिस तरह से आज अमेरिका सबसे अधिक विकसित राष्ट्र है।

त्रेता में सबसे अधिक विकसित राष्ट्र लंका था।

चरम विकास के कारण ही त्रेता युग के लंका राज्य के पति-पत्नी

मैं सुबाहूं,रावण जैसे पुरुष और सुपर्णखा और ताड़का जैसी नारियां पैदा हुई।

और लंका का विनाश हुआ।

हम लोग भी विनाश की तरफ बढ़ रहे हैं।

आप लोगों का दिमाग सुन्न हो जाएगा।

जिन लड़कियों के रिश्ते आ रहे हैं वह लड़कियां हमारे लड़के से फोन पर बात करके बताती है।

कोई कहती है कि हम 3 साल से कोई कहती है कि हम चार साल से हार्ड कोर लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। एक आदत और है हमको सोने से पहले दो पैग लेना पड़ते है, अब हमारा ब्रेकअप हो गया है, तो हमने अब शादी का मन बना लिया है। यदि आप चाहे तो हम आपके साथ शादी कर सकते हैं। हमारे भूतकाल और हमारी आदतों के बारे में आप विचार कर लें। तो फिर बात आगे बढ़ाई जाए।

हमने उनसे कहा तुम्हारा लड़का हायर एजुकेटेड लड़की क्यों चाहता है।

जबकि उसका पैकेज एक करोड़ का है।

इसके बाद भी तुमको बहू पैकेज वाली चाहिए ।

तो बहूं दिखाई देगी ना तुम्हारे लड़के के जीवन में दांपत्य सुख दिखाई देगा।

लेकिन तुम्हारा लड़का मानेगा नहीं वह किसी गलत लड़की से भी फंस जाएगा। क्योंकि उसके जीवन में दाम्पत्य नहीं है।तो वह तो गलत निर्णय ही लेगा सही निर्णय नहीं ले पाएगा। वर्तमान समय का युवा केवल धन के पीछे भाग रहा है । यौवन के पीछे भाग रहा है अय्याशी कर रहा है।

यही सब अपराध की जड़ होते हैं।

समाज में महत्वाकांक्षा चरम पर है।

चरित्रहीनता चरम पर है।

इन धारणाओं का विकास धीरे-धीरे हुआ है।

लड़के और लड़की के पिता की कोई हैसियत

उसको निर्णय लेने का कोई अधिकार नहीं होता। वह पोस्टमैन की तरह कार्य करता है।

जो रिश्ता आता है बच्चों को बता देता है।

और जो बच्चा कहता है । सामने वालों के बाप को बता देता है। वर्तमान का गार्जियन बहुत ही कमजोर स्थिति में है।उसकी कोई हैसियत नहीं है । इसलिए न्यायालय के ऊपर आश्रित होना समझदारी नहीं है। जो पीढ़ी दाम्पत्य दुख भोग रही है उसको ही परिवर्तन करना होगा हम लोगों के हाथ में कुछ नहीं रहा।

वर्तमान समाज को भूतकाल की ओर लौटना होगा।

और नहीं तो यह जहर पीना ही होगा।

धन्यवाद !

राज्यपाल से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के नवनियुक्त जनपद सी.ई.ओ. और बी.डी.ओ. ने की सौजन्य भेंट

सेवा भाव के साथ जनसेवा ही लोक सेवक की पहचान: राज्यपाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि लोक सेवक बनकर राष्ट्र के विकास और मानव कल्याण का अवसर बिरले लोगों को ही मिलता है। सेवाभाव के साथ जनसेवा ही सच्चे लोक सेवक की पहचान है। राज्यपाल श्री पटेल पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के नवनियुक्त जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और विकासखंड अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। राजभवन के स्वर्ण जयंती सभागार में सौजन्य भेंट कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता भी मौजूद थे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रशिक्षण में मिलने वाली सीख और वरिष्ठ अधिकारियों के कार्य अनुभवों का उपयोग प्रशासनिक जीवन की चुनौतियों के समाधान में करें। उन्होंने कहा कि आप जब भी मैदानी भ्रमण पर जाए, जनता से आत्मीय व्यवहार करें उनकी समस्याओं को विनम्रता से सुनें और प्राथमिकता के साथ निराकरण करें। आमजनों की बुनियादी जरूरतों जैसे- रोटी, कपड़ा, मकान के साथ पानी और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जाए।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि विगत वर्षों में केंद्र और राज्य सरकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों से मध्यप्रदेश के विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। अब दूरस्थ इलाकों तक विकास दिखाई देता है। गरीब, वंचित और जरूरतमंदों के जीवन को बेहतर बनाने के सरकार के लक्ष्य को सफल बनाने की मूल जिम्मेदारी आप अधिकारियों की है। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों को दूरस्थ अंचलों के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना आपके पद का परम दायित्व है।राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान भोपाल की संचालक श्रीमती सरिता बाला ने पौधा भेंटकर स्वागत और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। श्रीमती बाला ने स्वागत उद्बोधन दिया। प्रशिक्षु अधिकारी सुश्री आस्था जैन और श्री रवि ने प्रशिक्षण अनुभवों को साझा किया। आभार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर सचिव श्री दिनेश जैन ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त आयुक्त श्री अनिल कोचर ने किया।

राज्यपाल से छत्तीसगढ़ में सिकल सेल के अनुभवी चिकित्सक की सौजन्य भेंट

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से छत्तीसगढ़ में सिकल सेल उन्मूलन क्षेत्र के अनुभवी चिकित्सक डॉ. ए.आर. डल्ला ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने सिकल सेल रोग, जांच, उपचार और प्रबंधन के विभिन्न आयामों पर पारस्परिक रूप से विचार विनिमय किया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के महत्वाकांक्षी संकल्प सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन 2047 के संबंध में चर्चा की। उन्होंने बताया कि राजभवन में मुख्यमंत्री, मंत्री परिषद् के सदस्यों और सिकल सेल रोग के विशेषज्ञों के साथ व्यापक स्तर पर चर्चा कर मिशन का गठन किया गया। मध्यप्रदेश में सिकल सेल उन्मूलन मिशन का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने शुभारंभ किया है। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने बताया कि मध्यप्रदेश में प्रचुर मात्रा में वनौषधि की उपलब्धता है। इस तथ्य के परिप्रेक्ष्य में सिकल सेल नियंत्रण प्रयासों में आयुष औषधियों की उपयोगिता के परीक्षण का प्रयास भी किया जा रहा है। प्रयास है कि जनजाति समुदाय को जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से आयुष दवाएं कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाईयां उपलब्ध हो। प्रदेश में तीव्र गति से चल रहे सिकल सेल स्क्रीनिंग कार्य, निःशुल्क जाँचे, रक्ताधान, औषधि वितरण आदि कार्यों की जानकारी दी। राज्यपाल श्री पटेल ने बताया कि राजभवन द्वारा प्रदेश के समस्त रेडक्रॉस जिला ईकाइयों को सिकल सेल जाँच, उपचार और आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई गई है। पेसा ग्राम पंचायत के माध्यम से जनजाति समुदाय में सिकल सेल जन जागृति का व्यापक स्तर पर प्रसार हुआ है। प्रदेश में रोग उन्मूलन के संबंध जन चेतना का वातावरण सकारात्मक है। पेसा ग्राम सभाओं द्वारा विवाह संबंधी जेनेटिक परामर्श भी दिया जा रहा है। ग्राम सभाओं में इस संबंध में प्रस्ताव भी पारित किए गए है। डॉ. डल्ला ने कहा कि मध्यप्रदेश में सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों के तहत किए गए कार्य और जानकारियों से अत्यंत प्रभावित है। उनके सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों के अनुभव के आधार पर उन्होंने मध्यप्रदेश को देश में सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों में अग्रणी बताया है। प्रदेश में किए जा रहे रोग उन्मूलन की दिशा में कार्य अत्यंत प्रभावी है। साथ ही देश के अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय भी है।

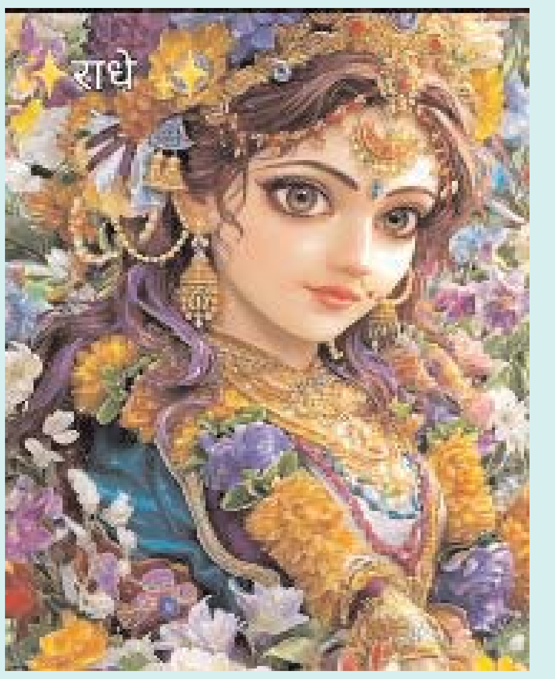

युद्ध के आध्यात्मिक समाधान

युद्ध, मानव इतिहास का एक दुखद हिस्सा रहा है, जो भौतिक, सामाजिक और भावनात्मक स्तर पर विनाश लाता है। लेकिन आध्यात्मिक दृष्टिकोण से युद्ध को देखने पर हमें इसके गहरे कारणों और समाधानों का एक नया दृष्टिकोण मिलता है। आध्यात्मिकता हमें सिखाती है कि युद्ध केवल बाहरी संघर्ष नहीं, बल्कि मानव मन की आंतरिक अशांति और अज्ञानता का परिणाम है।

आध्यात्मिक दृष्टि से, युद्ध का मूल कारण मानव का अपने सच्चे स्वरूप–जो प्रेम, करुणा और एकता पर आधारित है–से विचलन है। जब व्यक्ति या समूह अहंकार, लोभ, घृणा और भय जैसे नकारात्मक भावों में फंस जाते हैं, तो यह बाहरी संघर्ष के रूप में प्रकट होता है। भगवद्गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं, काम एष क्रोध एष रजोगुण समुद्भवः अर्थात् कामना और क्रोध ही संघर्ष का मूल हैं। युद्ध के आध्यात्मिक समाधान में हमें एक-दूसरे को विरोधी के रूप में देखने के बजाय एक ही चेतना के अंश के रूप में देखना होगा। विश्व के सभी धर्म इस एकता के सिद्धांत को स्वीकार करते हैं–चाहे वह वेदांत का सर्व विश्वमयं हो या बौद्ध धर्म का करुणा । युद्ध को समाप्त करने के लिए हमें शिक्षा, संवाद और प्रेम के माध्यम से मानवता को जोड़ना होगा। अंत में, युद्ध केवल तलवारों या हथियारों से नहीं, बल्कि मन की शुद्धता, प्रेम और समझ के साथ जीता जा सकता है। आध्यात्मिकता हमें सिखाती है कि सच्ची जीत वह है, जो हृदय को जीते, न कि भूमि को। विश्व शांति का मार्ग हमारे भीतर से शुरू होता है।

भोपाल में 4 महीने की भीतर 100 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की तैयारी, टेंडर जारी

भोपाल। भोपाल के कई रूटों में सिटी बसें बंद होने से शहर के यात्रियों की परेशानी बढ़ हुई है। अब नगर निगम चार महीने के भीतर 100 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की तैयारी तेज कर दी है। इससे पहले भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड एक आधुनिक मेंटेनेंस हब तैयार करेगा। राजधानी भोपाल के कई रूटों में सिटी बसें बंद होने से शहर के यात्रियों की परेशानी बढ़ हुई है। अब नगर निगम चार महीने के भीतर 100 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की तैयारी तेज कर दी है। इससे पहले भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) एक आधुनिक मेंटेनेंस हब तैयार करेगा। यहां करीब 50 ई-बसों के लिए डिपो बनाया जाएगा, जिसमें रिपेयरिंग से लेकर चार्जिंग तक की सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके लिए नगर निगम ने टेंडर जारी कर दिया है। जानकारी के लिए बता दें कि यह परियोजना केंद्र और राज्य सरकार दोनों के संयुक्त सहयोग से संचालित की जा सकेगी। नगर निगम ने भोपाल के बैरागढ़ और कस्तूरबा नगर भेल क्षेत्र में ई-बसों के डिपो बनाने की तैयारी कर ली है। अब भेल प्रबंधन द्वारा कस्तूरबा नगर से सटी लगभग 3 एकड़ भूमि नगर निगम को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है, जिससे ई-बसों के संचालन को और मजबूती मिलेगी।

इधर सोमवार को भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) सिटी बसों के 30 से अधिक ड्राइवरों और कंडक्टरों ने पिछले पांच महीनों से बकाया वेतन और लंबित लाभों की मांग को लेकर हड़ताल शुरू कर दी। हड़ताली कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें पिछले पांच महीनों से वेतन नहीं मिला है। ग्रेच्युटी और भविष्य निधि (पीएफ) का भुगतान भी लंबित है। प्रदर्शनकारी ड्राइवरों में से एक सत्यम शर्मा के अनुसार, लगभग 250-300 कर्मचारी प्रभावित हैं। शर्मा ने कहा कि हमारे पास हड़ताल के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। बार-बार अनुरोध करने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला है।

भोपाल क्रेशर संघ के महासचिव बने संजय पाराशर

भोपाल की फंदा जनपद के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कलखेड़ा के सरपंच संजय पाराशर को भोपाल क्रेशर संघ मध्य प्रदेश का महासचिव चुना गया सरपंच संजय पाराशर को महासचिव बनाए जाने के बाद आज सुबह से ही उनके मित्रो प्रशंसकों व समाज के लोगों द्वारा बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित कि गई। संजय पाराशर लगातार क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करते रहते हैं जिसके कारण उनके पंचायत क्षेत्र के लोग व प्रशंसकों का उनके प्रति स्नेह देखने में आता है। वही नियुक्ति के बाद संजय पाराशर का कहना है वो क्रेशर संघ के सभी पदाधिकारियों के साथ तालमेल बैठा कर कार्य करेंगे व संघ से जुड़े उद्देश्यों को पूरा करने के लिए प्रयासरत रहेंगे। साथ ही संघ के साथ जुड़े क्रेशर संचालकों को आने वाले किसी भी समस्याओं के निराकरण के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

फ्लाईओवर देखने पहुंचे विधायक, बोले-जल्दी पूरा करें, भोपाल के बैरागढ़ में 305 करोड़ में बन रहा रेलवे ओवरब्रिज भी देखा

भोपाल। संत हिरदाराम नगर में 305 करोड़ रुपए से बन रहे एलिवेटेड फ्लाईओवर का हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने निरीक्षण किया। वे मंगलवार सुबह फ्लाईओवर के काम को देखने पहुंच गए। पीडब्ल्यूडी अफसरों से बोले कि काम जल्दी पूरा करें। ताकि, लाखों लोगों को फायदा मिल सके। विधायक शर्मा ने बिजली के पोल की शिफ्टिंग सहित फ्लाइओवर निर्माण संबंधी निर्देश दिए। बता दें कि यह फ्लाईओवर लाऊखेड़ी सीवेज पंप से झूलेलाल विसर्जन घाट तक 3 किलोमीटर लंबा रहेगा। 19 मीटर (60 फीट) चौड़े इस एलिवेटेड डबल डेकर फ्लाई ओवर का निर्माण किया जा रहा है। यह प्रदेश का पहला डबल डेकर फ्लाईओवर ब्रिज बन रहा है।

फाटक रोड पर आरओबी को भी देखा

निरीक्षण के दौरान विधायक शर्मा ने लालघाटी ग्रेड सेपरेटर, संत नगर इंदौर रोड पर बन रहे एलिवेटेड फ्लाईओवर, फाटक रोड पर ऋह्वक्कनिर्माण, भौंरी स्थित प्रधानमंत्री आवास, गांव बैरागढ़ के प्रस्तावित सब स्टेशन सहित भोपाल बायपास पर बनने वाले 6 लेन फ्लाइओवर का भी स्थल निरीक्षण किया। पीडब्ल्यूडी, जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस के अफसर भी मौजूद थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान: जनभागीदारी से जल संरक्षण के तेजी से हो रहे है काम

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रदेश में 30 मार्च से शुरू हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच गये हैं। जिलों में अब इन कार्यों की समीक्षा की जा रही है। इसी के साथ तालाब गहरीकरण, सोखता गड्ढ़ों का निर्माण सहित अन्य कार्य जनभागीदारी से तेज गति से किये जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जल संचयन के कामों के प्रति जनसामान्य को दीवार लेखन सहित अन्य गतिविधियों से जागरूक किया जा रहा है। प्रदेश में आगामी वर्षा के मौसम को देखते हुए जल स्त्रोतों के आस-पास व्यापक पौधरोपण की योजना भी तैयार की गई है।

दीवार लेखन से किया जा रहा है जागरूक

पांढुरना जिले में कलेक्टर श्री अजय देव शर्मा के निर्देश पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के नेतृत्व में गांव-गांव में जल चौपाल का शुभारंभ पौधरोपण से किया गया एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। दीवार लेखन का कार्य भी किया गया। जल चौपाल में ग्रामीणों के बीच बैठकर कार्यकर्ताओं द्वारा उनको जल स्त्रोतों के आस-पास निरंतर साफ-सफाई रखने की समझाइश दी गई। जिले में तैयार की गई पौधरोपण की कार्ययोजना पर भी जानकारी दी गई। जनसमुदाय को क्षेत्र के आस-पास की ऐतिहासिक बावड़ी की जानकारी भी दी गई।

वाटर बॉडी को करें जियो टैग

रतलाम जिले में कलेक्टर कार्यालय में जल संवर्धन अभियान में अब तक किये गये कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री राजेश बाथम ने अभियान में चल रहे कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जल संवर्धन एवं संरक्षण के लिए अब तक जो भी काम किए गए हैं उनकी जानकारी गूगल सीट में अपडेट करें। जिले में जल संवर्धन के लिए अब तक बनाई गई सभी वाटर बॉडी की जियो टैगिंग अनिवार्य रूप से की जाये। बैठक में स्कूल भवनों, अस्पताल, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर, आँगनबाड़ी भवनों, पंचायत भवनों में बनाये गए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की जानकारी दी गई। जल संवर्धन अभियान की समीक्षा के दौरान जल संसाधन विभाग को निर्देशित किया कि जलशक्ति केन्द्रों का निरीक्षण कर जानकारी उपलब्ध करवाई जाये। पीएचई विभाग को निर्देश दिये गये कि आँगनबाड़ी केंद्र एवं स्कूलों में हैण्डपम्प के पास जल संवर्धन के लिए बनाये जा रहे रीचार्ज पिट को शीघ्र पूरा किया जाये।

जल संरक्षण के सभी कार्य बरसात के पहले पूरे हों

शहडोल कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने संभाग के तीनों जिलों में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के सभी कार्य बरसात के पहले पूरा करने के निर्देश दिये हैं। उन्होने कहा कि जल संरचनाएं, पुराने तालाबों का जीर्णोद्धार, नए अमृत सरोवरों का निर्माण, निर्मल नीर, खेत तालाब, कुओं की सफाई एवं रिचार्ज की व्यवस्था हैण्डपंपों के पास जल संरक्षण कार्य, पुरानी बावड़ियों का जीर्णोद्धार सहित सभी कार्य 20 जून तक पूरे किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि तालाबों के कैचमेंट एरिया के अवरोधों को हटाया जाए जिससे तालाबों में वर्षा का पानी पहुंच सके। जल संरचनाओं को राजस्व रिकार्ड में दर्ज किया जाए।

बावड़ी उत्सव

देवास जिले में जन अभियान परिषद ने कमलापुर में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बावड़ी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया। कमलापुर की हाथी बावड़ी ऐतिहासिक धरोहर है। बावड़ी उत्सव जल संरचना के सांस्कृतिक मूल्यों, ऐतिहासिक धरोहरों के संवर्धन एवं सहेजने का उत्सव है। कमलापुर का बावड़ी उत्सव लोकमाता अहिल्याबाई की त्रि शताब्दी के अवसर पर किया गया। जिले की तीन ऐतिहासिक धरोहरों में कमलापुर की हाथी बावड़ी भी शामिल है। कार्यक्रम में श्री हुकुम पटेल द्वारा हाथी बावड़ी के संरक्षण के कार्यों की जानकारी दी गई। जिले में प्राचीन बावड़ियां को जन सहयोग से साफ स्वच्छ करने का कार्य किया जा रहा है।

इस महिला IAS अधिकारी की CM से लेकर हर कोई कर रहा तारीफ

हैदराबाद। तेलंगाना की महिला ढ्ढस्अधिकारी पामेला सत्पथी की वहां के मुख्यमंत्री से लेकर हर कोई कर तारीफ रहा है। आखिर उन्होंने ऐसा कौन सा काम किया है जिसके लिए उनकी चौतरफा सराहना हो रही है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने करीमनगर जिले की कलेक्टर पामेला सत्पथी की खुले तौर पर प्रशंसा की है। उन्होंने कलेक्टर को इसलिए सराहा क्योंकि उन्होंने सरकारी अस्पताल में सर्जरी करवाई। ऐसा करके उन्होंने लोगों को सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर भरोसा करने के लिए प्रेरित किया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने करीमनगर जिले की कलेक्टर पामेला सत्पथी की

खुले तौर पर प्रशंसा की है। मुख्यमंत्री ने करीमनगर की कलेक्टर पामेला सत्पथी को बधाई दी। दरअसल वह सांस की समस्या से पीड़ित थीं और उन्होंने सरकारी अस्पताल में सर्जरी करवाकर मिसाल कायम की। सीएम ने कहा कि इससे लोगों में सरकारी अस्पतालों के प्रति भरोसा बढ़ा है।

स्वास्थ्5य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने भी उनकी तारीफ की। इससे पहले भी ढ्ढस् पामेला सत्पथी ने आंगनबाड़ियों और सरकारी स्कूलों के विकास के लिए काम किया है। माना जा रहा है कि उनके इस फैसले से सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली मजबूत होगी और लोगों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं मिलने का प्रोत्साहन मिलेगा।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में आधुनिक सुविधाएं, अनुभवी डॉक्टर और सेवा भाव वाले कर्मचारी हैं। उन्होंने कहा कि अब यह विश्वास होना जरूरी है कि सरकारी अस्पतालों में अच्छी चिकित्सा सेवाएं मिलती हैं। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' (ट्विटर) पर लिखा कि मैं करीमनगर जिले की कलेक्टर पामेला सत्पथी को बधाई देता हूं, जिन्होंने सरकारी अस्पताल में इलाज कराकर लोगों में यह विश्वास जगाया है।

रक्षाबंधन पर लाड़ली बहनों को 250 रूपए शगुन दिया जाएगा: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने बेलखेड़ा को शासकीय महाविद्यालय की दी सौगात

लाड़ली बहना सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को मिली 2081 करोड़ से अधिक की राशि

56.68 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के हितग्राहियों को 341 करोड़ रूपये

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि माताओं, बहनों और बेटियों को मान-सम्मान और उनका वाजिब हक दिलाने में राज्य सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। लाड़ली बहनों को आत्मनिर्भर बनाने, सुरक्षा, सम्मान, स्वाभिमान और समृद्धि प्रदान करने के लिए हमारी सरकार द्वारा हर महीने बहनों के खातों में राशि भेजकर बहनों का रक्षाबंधन मनवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगले महीने रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में लाड़ली बहनों को 250 रूपए बढ़ाकर दिया जाएगा, जिससे ताकि बहनें उत्साह पूर्वक त्यौहार मना सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को जबलपुर जिले के बेलखेड़ा गांव में राज्य स्तरीय लाड़ली बहना एवं महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की लाड़ली बहनों सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक के जरिये 2081 करोड़ रूपसे से अधिक की सम्मान एवं सहायता राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि हमारी सरकार ने विरासत से विकास का संकल्प लिया है। जबलपुर क्षेत्र महारानी दुर्गावती, रानी अवंतीबाई जैसी वीरांगनाओं की धरती है। हमारी सरकार ने इन वीरांगनाओं के नाम पर योजनाएं चलाई हैं। इनका लाभ प्रदेश की लाखों महिलाओं को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की माताओं और बहनों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाना ही हमारा लक्ष्य है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में पूरे देश सहित मध्यप्रदेश की महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की 1 करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों के खातों में लाड़ली बहना योजना की जून माह की किश्त 1551 करोड़ 44 लाख रूपये अंतरित किये। योजनान्तर्गत लाड़ली बहनों को मिलने वाली यह 25वीं किश्त है। योजना में प्रत्येक लाड़ली बहना को प्रत्येक माह 1250 रूपये की राशि उनके बैंक खाता में अंतरित की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहनों की जिंदगी को बेहतर करने मध्यप्रदेश सरकार प्रति महीने साढ़े पंद्रह सौ करोड़ रुपए अंतरित करती है। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल में 30 हजार करोड़ रूपए से अधिक की राशि बहनों को दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 56 लाख 68 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 341 करोड़ रूपए की राशि, 27 लाख से अधिक बहनों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत सिलेंडर रिफिलिंग की 39.14 करोड़ रुपए की अनुदान राशि और मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना में 6 हजार 821 श्रमिक परिवारों को 150 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि का भी सिंगल क्लिक से अंतरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के लाभार्थियों को हितलाभ वितरण करने के साथ ही करीब 22 करोड़ 44 लाख रूपये के विकास कार्यों का भी लोकार्पण और भूमि-पूजन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बरगी विधायक श्री नीरज सिंह के अनुरोध पर बेलखेड़ा में शासकीय महाविद्यालय प्रारम्भ करने और शहपुरा में अनुविभागीय राजस्व कार्यालय व शासकीय कर्मचारियों के आवास भवन के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने शहपुरा में एसडीओपी की पदस्थापना की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनों का आशीर्वाद मिल जाए तो जिंदगी धन्य हो जाती है। उन्होंने कहा कि भाई अकेले अपने घर को गौरवान्वित करता है जबकि बहनें ससुराल और मायके दोनों घरों का गौरव बनती हैं। उन्होंने कहा कि माताएं और बहने घर-परिवार के लिए समर्पण करती हैं और परिवार में बच्चों को बड़ा करने में माताओं और बहनों की भूमिका देवतुल्य होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की गौरवशाली संस्कृति रही है। हमारे यहां सात जन्मों की कसमों के साथ विवाह की रस्में होती हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गांव, पहाड़ और नगर में रहने वाले, कच्चे और टूटे छत के मकान में रहने वाले सभी लोगों को पक्का मकान देने का काम किया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजना से हमारी माताओं और बहनों की आंखों को धुएं से मुक्ति दिलाने का काम भी प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गैस रिफिलिंग के तहत प्रदेश की 27 लाख से अधिक बहनों के खाते में भी आज 39.14 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर जल जीवन मिशन के तहत अब हर घर नल से जल पहुंच रहा है इससे माताओं और बहनों को कुंए और दूर दराज के जल स्त्रोतों से पानी लाने के कष्ट से निजात मिली है। मुख्यमंत्री ने बहनों के लिए प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी कई योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सेना में भी बेटियों को बराबरी का दर्जा मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रेडीमेड गारमेंट के माध्यम से व्यवसाय करने वाली बहनों को 5 हजार रूपए अलग से देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कोदो-कुटकी खरीदने पर प्रति क्विंटल 1 हजार रुपए का बोनस देना प्रारंभ किया है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 1 करोड़ 33 लाख परिवारों को निःशुल्क खाद्यान्न देने का काम भी सरकार कर रही है। बच्चों की पढ़ाई, लिखाई की जवाबदारी सरकार निभा रही है। उन्होंने कहा कि अगले महीने मेधावी छात्रों को स्कूटी और लैपटॉप भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने सांदीपनि विद्यालयों का जिक्र करते हुए कहा कि विद्यालयों में सभी प्रकार के पाठ्यक्रमों की पढ़ाई के साथ खेलों को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर की लाड़ली बहना ÷गंगा÷ द्वारा योजना की राशि से सिलाई मशीन व किराना दुकान के माध्यम से अर्जित आय से बेहतर जिंदगी जीने का जिक्र किया। उन्होंने एक ऐसी ही लाड़ली बहना ÷सीता÷ का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सीता के बकरी पालन से उनकी जिंदगी बेहतर हो रही है। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में शामिल हुई लाड़ली बहनों का पुष्पवर्षा कर अभिवादन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव हाल ही में अहमदाबाद में हुई भीषण विमान दुर्घटना में मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। सांसद श्री आशीष दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मातृशक्ति को मजबूत करने का कार्य लगातार हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की दिशा में सिद्धि के लिए मुख्यमंत्री लगातार कार्य कर रहे है। विधायक श्री नीरज सिंह ने स्वागत भाषण में क्षेत्र के विकास कार्यों की जानकारी दी।

जनजातीय लोक नृतकों के साथ ढोल बजाया

हेलीपैड से सभा स्थल पहुंचने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का जनजातीय लोक नर्तकों ने वाद्ययंत्र बजाकर और जनजातीय लोक नृत्य कर गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय लोक नर्तकों के साथ स्वयं ढोल बजाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का साफा-पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया और कामधेनु गाय की प्रतिमा भेंट की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्या पूजन और दीप प्रज्ज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस दौरान विधायक केंट श्री अशोक रोहाणी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोटियां, जिला ग्रामीण अध्यक्ष श्री राजकुमार पटेल, नगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर, श्री विनोद गोटियां, श्री अखिलेश जैन, पूर्व विधायक श्रीमती प्रतिभा सिंह, सहित बड़ी संख्या में लाड़ली बहने और नागरिक मौजूद रहे।

हमीदिया कॉलेज के पास की मस्जिद-मजार पर विवाद, प्रिंसिपल बोलीं-अजान से पढ़ाई में डिस्टर्ब

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

हमीदिया कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. पुष्पलता चौकसे ने उच्च शिक्षा विभाग के एसीएस अनुपम राजन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कॉलेज की समस्याएं साझा कीं। प्रिंसिपल ने इस दौरान कॉलेज परिसर के पास बनी मस्जिद में होने वाली अजान को लेकर भी शिकायत की। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान अजान की आवाजें आती हैं, जिससे

छात्र-छात्राओं का ध्यान भटकता है। यह परेशानी हृश्वश्वक्ठ जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सामने आई है। प्रिंसिपल ने कहा कि मस्जिद का एक द्वार कॉलेज परिसर की ओर खुलता है। मस्जिद के गेट के की वजह से बाहर के लोगों की आवाजाही कॉलेज में बनी रहती है। इससे अनुशासन पर असर पड़ता है और सुरक्षा की दृष्टि से भी चिंता बढ़ जाती है। इसको लेकर कॉलेज प्रशासन ने मांग की है कि प्रशासन स्पष्ट करे कि यह मस्जिद कॉलेज की जमीन पर है या नहीं।

मजार से क्लासरूम तक पहुंचती माइक की आवाजें

कॉलेज के पास एक मजार भी है, जिसे स्थानीय लोग पारिवारिक बता रहे हैं। यहां भी माइक का उपयोग किया जाता है, जिसकी वजह से क्लास के दौरान पढ़ाई में समस्या आती है। प्रिंसिपल ने बताया कि लगातार आने-जाने और तेज आवाज से पढ़ाई का महौल प्रभावित हो रहा है।

कॉलेज जमीन की स्थिति साफ हो तो खेल मैदान बनेगा

प्राचार्य चौकसे ने यह भी बताया कि यदि मजार की विवादित जमीन कॉलेज की पुष्टि होती है, तो उसे खेल मैदान में परिवर्तित करने की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा कि भीड़भाड़ वाले त्योहारों पर परिसर की सुरक्षा और अनुशासन को बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

कॉलेज कुछ नहीं कर सकता, कार्रवाई शासन का जिम्मा

कॉलेज प्रशासन ने एनसीसी विंग को इस तरफ शिफ्ट किया है, ताकि छात्र कम प्रभावित हों। प्रिंसिपल चौकसे ने स्पष्ट कहा कि कॉलेज प्रशासन केवल समस्याएं उजागर कर सकता है, निर्णय और कार्रवाई का जिम्मा शासन का है।

पचमढ़ी में तीन दिवसीय सांसद-विधायक प्रशिक्षण वर्ग के समापन पर प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने छावनी परिषद स्थित अटल वाटिका में एक पेड़ माँ के नाम अभियानांतर्गत पौधारोपण किया।

सर्प-दंश से बचाव के लिए जिलों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी

भोपाल। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गृह विभाग ने वर्षाकाल के दृष्टिगत सर्पदंश की घटनाओं के नियंत्रण एवं बेहतर प्रबंधन के लिए सभी जिलों के कलेक्टर को आवश्यक तैयारी एवं जन जागरूकता सुनिश्चित करने के लिये निर्देश जारी किये हैं। सर्प-दंश स्थानीय आपदा घोषित है, इसके प्रभावी प्रबंधन के लिए हर ज़िले के लिए 23.17 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। इस राशि का उपयोग प्रशिक्षण, जन-जागरूकता, मॉक ड्रिल, उपकरण की व्यवस्था और प्रचार-प्रसार जैसे कार्यों में किया जाएगा।

वर्षा ऋतु में सांपों के प्राकृतिक आवासों में जलभराव हो जाने से वे मानव बस्तियों की ओर आ जाते हैं, जिससे सर्प-दंश की घटनाएं बढ़ जाती हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों, खेतों, नदी किनारे एवं बस्तियों की परिधियों में यह खतरा अधिक होता है। उक्त के प्रति लोगों में जागरूकता लाना, तथा प्रशासनिक सतर्कता बढ़ाना अति आवश्यक है। सभी जिलों को निर्देशित किया गया है कि वे पंचायत एवं शहरी वार्ड स्तर पर जागरूकता अभियान संचालित करें। स्कूलों, आंगनबाड़ियों और सामुदायिक स्थलों पर जागरूकता सत्र आयोजित हों। सोशल मीडिया, रेडियो, दीवार लेखन, बैनर-पोस्टर एवं लोक-प्रदर्शन (नुक्कड़ नाटक आदि) के माध्यम से सूचना का व्यापक प्रसार किया जाए। निर्देशों में कहा गया है कि सर्पदंश के प्रति संवेदनशील इलाकों में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर 'सर्प मित्र', सिविल डिफेंस वालंटियर्स एवं स्नेक-कैचर्स की टीम बनाई जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने काफिला रोक कर शंकर चाट भंडार में पी चाय

दुकानदार ब्रजेश लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री बड़े सहज और सरल, कभी सोचा नहीं था कि मेरी दुकान में चाय पीने.. आएंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार की शाम जबलपुर के बेलखेड़ा में सोमवार को राज्य स्तरीय लाड़ली बहना एवं महिला सम्मेलन में शामिल होने के बाद सड़क मार्ग से डुमना विमानतल के रास्ते में काफिला रूकवाकर अंध-मूक चौराहा स्थित शंकर चाट भंडार के स्टॉल पर चाय का आनंद लिया। इस अवसर पर सांसद आशीष दुबे, विधायक अशोक रोहाणी, जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल, नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर एवं अखिलेश जैन भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने दुकानदार ब्रजेश लोधी से कुशलक्षेम पूछीं और उनके परिवार और व्यवसाय के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री को अकस्मात् अपनी दुकान में पाकर ब्रजेश प्रफुल्लित हो उठे, उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा था कि उसकी छोटी सी दुकान में स्वयं मुख्यमंत्री चाय पीने आए हैं। ब्रजेश ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उसके जैसे छोटे दुकानदार से भी बड़ी ही आत्मीयता से मिले। ब्रजेश ने कहा कि मुख्यमंत्री से मिलकर बहुत खुशी हुई, हमारे मुख्यमंत्री बड़े सहज और सरल स्वभाव के हैं।

सायबर पुलिस ने छात्राओं/महिलाओं के लिए जारी की एडवायजरी

भोपाल। राज्य सायबर पुलिस मुख्यालय एडवाइजरी - 30 द्वारा छात्राओं/महिलाओं के अश्लील फोटो/वीडियो बनाकर यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग से बचाव के संबंध में एडवाइजरी जारी की है जिसमें कहा गया है कि वर्तमान में जालसाजों या संगठित गिरोह द्वारा छात्राओं/महिलाओं से यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग के मामले में सामने आ रहे हैं, जिनमें महिलाओं को फर्जी प्रेम-जाल में फसाकर, उनके अश्लील/अंतरंग वीडियो बनाकर यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग की जाती है। कार्य प्रणाली स्कूल/कॉलेज जाने वाली, घर से बाहर रहकर पढ़ने वाली युवतियों एवं एकल महिलाएं जालसाजों के निशाने पर हैं। जालसाज व्यक्तिनिजी स्तर पर या संगठित गिरोह बनाकर इस प्रकार की युवतियों/महिलाओं से स्कूल, कॉलेज, कोचिंग आदि या सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती करते हैं।

जालसाज महंगी जीवनशैली और लग्ज़री गाड़ियों व इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स का इस्तेमाल करते हैं, इस प्रकार दिखावे के प्रलोभन में आकर युवतियां ऐसे लोगों की बातों में आकर इनसे दोस्ती कर लेती हैं। कई बार जालसाजों के गिरोह में इनके सहयोग के लिए महिलाएं भी होती हैं। शुरू में जालसाज का व्यवहार बेहद सहयोगात्मक एवं शराफत भरा होता है, जिससे ये युवतियों का विश्वास जीत लेतेहैं। इसके बाद जालसाज युवतियों को पब, रेस्टोरेंट, होटल, ढाबा इत्यादि जगहों पर ले जाकर लक्जरी जीवन शैली एवं नशे की लत लगवाकरनशे की हालत में इनका यौन शोषण करते हैं। ऐसे स्थान अधिकतर इनके गिरोह के सदस्यों के ही होते हैं, जिनमें छुपे हुए कैमरे लगे होते हैं।जालसाज आपत्तिजनक स्थितियों की अश्लील फोटो/वीडियो बनाकर युवतियों को ब्लैकमेल करते हैं एवं गिरोह के अन्य सदस्यों से यौनसंबंध बनाने के लिए मजबूर करते हैं । पीड़िताओं को सहेलियों एवं परिचित युवतियों को इनकी बताई जगहों पर लाने के लिए मजबूर कर उनका भी जबरन यौन शोषण एवं इसी प्रकार ब्लैकमेलिंग करते हैं, जिससे कई युवतियां इनका शिकार हो जाती हैं। कुछ प्रकरण में महिलाओं पर जबरन शादी, धर्मांतरण के लिए दबाव बनाया जाता है एवं इन्हें मानव तस्करी व देह व्यापार जैसे अनैतिक कार्य में भी धकेला जा सकताहै।

सावधानियां

आपत्तिजनक/अंतरंग फोटो वीडियो अपने मोबाइल में निर्मित/संग्रहित न करें और न ही किसी को करने दें। सोशल मीडिया पर या स्कूल कॉलेज आदि में युवतियां/महिलाएं बिना पूर्ण रूप से सत्यापित किए बिना किसी भी अनजान व्यक्ति से दोस्ती न करें। किसी व्यक्ति की लक्ज़री जीवन शैली के प्रलोभन में न आए ये दिखावा भी हो सकता है एवं किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें। ऑनलाइन मित्र से एकांत में अकेले मिलने न जाएं।

5. इस प्रकार के अपराध घटित होने पर शिकायत अपने नजदीकी पुलिस थाने में या www.cybercrime.gov.in Øæ Cyber Crime Help Line (Toll Free) नम्बर 1930 पर तत्काल की जानी चाहिए।

ट्रांसजेंडरों की कांग्रेस नेता बनने में रुचि नहीं, महासचिव बनने कोई नहीं आया!

भोपाल। एक महीने से ठप पड़ी युवा कांग्रेस के चुनाव प्रक्रिया आगे बढ़ गई। चुनाव अधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष, महासचिव, जिला अध्यक्ष समेत अन्य पदों के लिए दावेदारों के नामों का ऐलान कर दिया। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के लिए 18 नाम आए। जबकि, दस्तावेजों के अभाव में एक नाम होल्ड पर है। खास बात यह है कि युवा कांग्रेस का महासचिव बनने के लिए कोई ट्रांसजेंडर नहीं आया है।

पार्टी नेता राहुल गांधी के निर्देश पर महासचिव का एक पद ट्रांसजेंडर के लिए आरक्षित रखा गया था। प्रदेशाध्यक्ष के लिए घोषित दावेदारों की सूची में सामान्य, पिछड़ा, अजा एवं अजजा वर्ग के युवा शामिल है। एक युवा नेता राजीव सिंह का दस्तावेजों के अभाव में आवेदन रोका गया है। प्रदेश अध्यक्ष के

लिए कुल 20 नाम आए थे, जिनमें से दो निरस्त हो गए हैं। जबकि एक रोका गया है।

इसी तरह महासचिव के 48 पदों के विरुद्ध 178 नामांकन मान्य किए गए हैं। 3 नाम रोके गए हैं। ट्रांसजेंडर के लिए आरक्षित एक पद एक भी नामांकन नहीं आया है। कांग्रेस को महासचिव पद के लिए ट्रांसजेंडर नहीं मिलने पर भाजपा ने चुटकी है। युवा कांग्रेस के चुनाव में कुल पंजीकृत सदस्यों की संख्या 4332 है। जिनमें सशुल्क सदस्य 3948 है। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के लिए तय दावेदारों में पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया के बेटे यश घनघोरिया का नाम भी है शामिल है। यश का नाम परफार्मर के नामों के साथ बाद में जोड़ा गया था और प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में शामिल हो गया। प्रदेश अध्यक्ष के लिए योगिता सिंह, जावेद पटेल, अभिषेक परमार, नीरज पटेल, गीता कड़वे, प्रमोद सिंह, विश्वजीत चौहान, विनय पांडे, राजवीर कुडिया, प्रियेश चौकडे, अब्दुल करीम कुरैशी, सुभांगना जामनिया, आशीष चौबे, यश घनघोरिया, देवेन्द्र सिंह दादू, स्वीटी पाटिल, शिवराज यादव, मोनिका मांडरे के नाम शामिल है। जबकि राजीव सिंह का नाम रोका गया है और डॉ दौलत पटेल का नाम निरस्त हो गया।

संपादकीय

तालिबानी मंसूबेद्ध मोरल पुलिसिंग का निर्मम चेहरा

सोशल मीडिया पर सक्रिय लोगों को ट्रोल करने और धमकी देने की घटनाओं में हाल के दिनों में चिंताजनक स्तर तक तेजी आई है। लेकिन असहमति और विरोध की सीमा यदि जान लेने की हद तक जा पहुंचती है तो किसी सभ्य और लोकतांत्रिक समाज के लिये यह गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। कहीं न कहीं देश में कठोर नियामक व्यवस्था का न होना भी ऐसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा देता है। हालिया घटनाक्रम में बंठिडा की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन कुमारी, जिन्हें कमल कौर भाभी के नाम से भी जाना जाता है, की निर्मम हत्या कर दी गई। यह हत्या हमें इस बात की याद दिलाती है कि कथित नैतिकता के नाम पर मोरल पुलिसिंग, जो कभी ऑनलाइन ट्रोलिंग तक सीमित थी, अब हिंसक आपराधिकता में बदल गई है। इस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की हत्या को अंजाम देने वाला कथित मास्टरमाइंड अमृतपाल सिंह मेहरोन, कथित तौर पर कौम दे राखे नामक एक कट्टरपंथी समूह का प्रमुख बताया जाता है। जिसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर द्वारा प्रसारित की गई सामग्री को कथित तौर पर अनैतिक कृत्य के रूप में दर्शाते हुए हत्या को सही ठहराने का प्रयास किया है। इतना ही नहीं, हत्याकांड के बाद संयुक्त अरब अमीरात भागने के बाद हत्या को सही ठहराते हुए, एक वीडियो को जारी करना, संकीर्ण मानसिकता का दुस्साहस ही दर्शाता है। निस्संदेह, यह मामला संकीर्णता के पोषक और कट्टरपंथी तत्वों की सोच से अलग नहीं है। यह उस दुराग्रही सोच की कड़ी का ही हिस्सा है, जो हिंसा और धमकियों के माध्यम से महिलाओं की अभिव्यक्ति पर सोशल पुलिसिंग के जरिये शिकंजा कसने की कोशिश में रहती है। गाहे-बगाहे देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग समूहों द्वारा ऐसे कृत्यों को अंजाम दिया जाता रहा है।

यह विडंबना ही है कि कभी ऐसे मामले पाकिस्तान व अफगानिस्तान में महिला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों को लेकर सामने आते थे। अब भारत में कथित सांस्कृतिक शुचिता व नैतिकता के नाम पर ऐसे हमले किए जा रहे हैं। एक अन्य खतरनाक घटना में, एक लोकप्रिय यूट्यूब शो में दिखाई देने वाली एक डिजिटल निर्माता अपूर्वा मुखीजा को बलात्कार और जान से मारने की ऑनलाइन धमकी दी गई। इस पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने हस्तक्षेप करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की। निस्संदेह, इन घटनाक्रमों का पैटर्न स्पष्ट है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों, विशेष रूप से महिलाओं को कथित सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के नाम पर तेजी से निशाना बनाया जा रहा है। सवाल उठता है कि उनके इन मूल्यों को कौन परिभाषित करता हैज् और किसने उन्हें इस सतर्कता को लागू करने का अधिकार दियाज्बठिंडा की दुर्भाग्यपूर्ण घटना की पंजाब महिला आयोग ने निंदा करके सही कदम उठाया है, लेकिन केवल आधिकारिक निंदा पर्याप्त नहीं है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को ऐसे मामलों को सुनियोजित अपराधों के रूप में दर्ज करना चाहिए, जो हमारे सामाजिक ताने-बाने को खतरा पहुंचाते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को भी इस दिशा में जिम्मेदारी उठानी चाहिए कि वे समय रहते सोशल मीडिया के दुरुपयोग रोकें व घृणास्पद सामग्री को अपने प्लेटफॉर्म से हटाएं। साथ ही सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वाले तत्वों पर कड़ी नजर रखें।

योग-साधना का उद्देश्य इडा एवं पिंगला को सन्तुलित करना है

योग गुरु महेश अग्रवाल

यौगिक जीवन शैली एवं चक्रो की सजगता से मनुष्य आजीवन स्वस्थ रहता है

कोई भी योगाभ्यास न तो केवल शारीरिक होता है और न केवल मानसिक। सभी योगाभ्यास बहुआयामी होते हैं और हमारी सम्पूर्णता एवं सामंजस्य सम्बन्धी जटिलताओं को दूर करने में हमारा मार्गदर्शन करते हैं।

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से निःशुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है, वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है । योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर योग साधकों को सेवा कार्यों के लिए हमेशा प्रेरित किया जाता है एवं योग आसन प्राणायाम के अभ्यास से कैसे हम स्वस्थ रहें एवं हमारी तीनों प्रमुख नाड़ियाँ एवं चक्रो की सजगता का अनुभव करें इसका अभ्यास बताया जाता है

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि रोगों का उदगम कहाँ से होता है योगी पुरुष रोग और अस्वस्थता को नाड़ियों से प्राण के सहज प्रवाह या अवरुद्ध प्रवाह के परिप्रेक्ष्य में ही देखते हैं। यदि किसी बिन्दु पर प्राण का प्रवाह बाधित होता है तब वहाँ बीमारी होगी। जब किसी बिन्दु पर शक्ति को अधिकता या कमी होगी तो उसके परिणाम स्वरूप भी अस्वस्थता होगी। जब हमारे अन्दर प्राण का सन्तुलित एवं सुनियोजित वितरण होगा तब स्वास्थ्य एवं सुखमयता का प्रादुर्भाव होगा। उच्चतम स्वास्थ्य को बनाये रखने में और उसे पुनर्स्थापित करने में योग अत्यन्त प्रभावशाली होता है, मुख्यतः इसलिये कि योग के अभ्यास प्राणशक्ति के पुनर्वितरण एवं उसे सुमेलित करने के उद्देश्य से ही निर्दिष्ट होते हैं। शक्ति-प्रवाह के अवरोधन एवं असन्तुलन का प्रादुर्भाव, जिसका प्रत्यक्षीकरण विभिन्न प्रकार की शारीरिक बीमारियों में होता है, किसी एक कोशिका में हो सकता है। अतएव इसका कारण भौतिक, भावनात्मक मानसिक, पराभौतिक या आध्यात्मिक हो सकता है। बीमारियों के सही लक्षण इस बात पर निर्भर होंगे कि कौन-सी नाड़ी अवरुद्ध है। इसकी पहचान हो जाने से यह स्पष्ट हो जायेगा कि किस प्रकार हमारी विभिन्न व्याधियों एवं शारीरिक कष्टों की जड़ में मानसिक या भावनात्मक उथल-पुथल है या अवहेलना है या आन्तरिक जीवन की कोई कुण्ठा है।

योग गुरु अग्रवाल नें सुषुम्ना नाड़ी के बारें में बताया कि जब इडा, पिंगला एवं अन्य सभी लघु नाड़ियाँ पूरी तरह से परिष्कृत हैं, अर्थात् जब सभी अवरोध और प्रतिरोध हटा दिए गये हैं, जब प्राण-शक्ति का प्रवाह अबाध और समन्वित है उस समय एक तीसरी नाड़ी क्रियाशील होती है। यह है सुषुम्ना नाड़ी, आध्यात्मिक शक्ति वाहिनी।

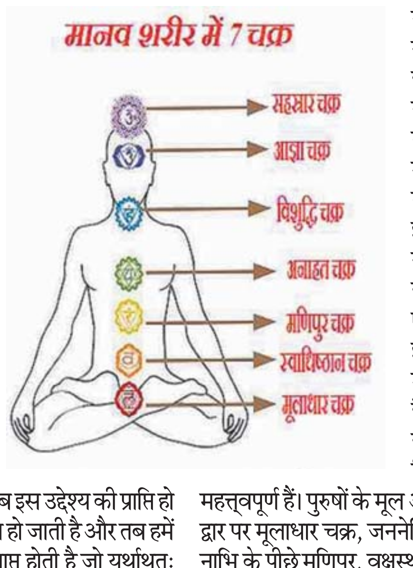

योग-साधना का उद्देश्य इडा एवं पिंगला को सन्तुलित करना है। मानसिक एवं जीवनी शक्तियों को सन्तुलित करना, ग्राह्यात्मक एवं सृजनात्मक ऊर्जाओं का सन्तुलन करना और पूरे व्यक्तित्व का अक्षरशः सन्तुलित विकास करना होता है। जब इस उद्देश्य की प्राप्ति हो जाती है तब सुषुम्ना नाड़ी क्रियाशील हो जाती है और तब हमें एक सूक्ष्म एवं अति प्रवल शक्ति प्राप्त होती है जो यर्थाथतः सृजनात्मक आध्यात्मिकता होती है। जब अनुभवातीत सजगता कुण्डलिनी शक्ति के रूप में सुषुम्ना में प्रवाहित होती है तब हम चेतना की व्यापक अवस्था का अनुभव करते हैं और वह हमें आध्यात्मिक अन्तर्ज्ञान और ज्योति प्रदान करती है।

योग गुरु अग्रवाल नें हमारे शरीर में स्थित शक्ति चक्र के बारें में बताया कि जैसे-जैसे सुषुम्ना में शक्ति के प्रवाह की वृद्धि होती है हमारी अतिभौतिक ऊर्जा केन्द्रों की, जिन्हें हम चक्र कहते हैं, अधिकाधिक क्रियाशीलता से हमारे व्यक्तित्व के विभिन्न आयाम प्रस्फुटित होने लगते हैं। हमारा पराभौतिक शरीर-तन्त्र यह प्रकट करता है कि जब सुषुम्ना नाड़ी सीधी और सही उच्चतम शिखर तक प्रवाहित होती है तब इडा और पिंगला प्रवाहित नहीं होतीं। हम मान सकते हैं कि इडा और पिंगला, दोनों सुषुम्ना की मुख्य धारा की सहायक धारायें हैं और ये दोनों सहायक धारायें घुमावदार, टेढ़ी-मेढ़ी राह, मेरुदण्ड के पूरब से पश्चिम और पश्चिम से पूरब पकड़ती हैं।

पिंगला नाड़ी प्रायः बायीं ओर मुड़ती है और इसके ठीक विपरीत इडा दाहिनी ओर मुड़ती है जिससे कि इडा और पिंगला दोनों रास्ते में कई महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर एक-दूसरे से आकर मिल जाती हैं। उनके मिलन के ये बिन्दु ठीक वहाँ होते हैं, जहाँ ये दोनों नाड़ियाँ मेरुदण्ड को पार करती हैं, और इस प्रकार एक क्षण के लिये ये सुषुम्ना में विलीन हो जाती हैं।

यदि हम नाड़ियों की धारणा नदियों के रूप में कर सकें तो कुण्डलिनी योग के रहस्यपूर्ण चक्रों की अवधारणा भी सम्भव है। ये चक्र ऐसे भँवर हैं जिनमें शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक शक्तियाँ समाहित होती हैं। चक्र ऐसे चार स्थान हैं जहाँ इडा, पिंगला तथा सुषुम्ना की नदियों का संगम होता है। पुच्छ अस्थि के नीचे, नाभि के पीछे, हृदय के पीछे तथा कण्ठ के पीछे। मूलाधार में स्थित इनके उत्पत्ति केन्द्र तथा मध्य- मस्तिष्क में स्थित इनके अन्तिम छोर को इनमें सम्मिलित कर दें तो इस प्रकार छः संगम हुए जहाँ नाड़ियाँ एक-दूसरे में प्रवाहित होती हैं। इन सभी संगम बिन्दुओं पर शक्ति का एक-एक भँवर होता है जिसे चक्र कहते हैं। शरीर में छोटे-छोटे हजारों चक्र होते हैं, किन्तु ये छः सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं। पुरुषों के मूल आधार और स्त्रियों के गर्भाशय द्वार पर मूलाधार चक्र, जननेन्द्रिय के ठीक पीछे स्वाधिष्ठान, नाभि के पीछे मणिपुर, वक्षस्थल के पीछे अनाहत, कण्ठ के पीछे विशुद्धि तथा मध्य मस्तिष्क में आज्ञा चक्र होता है।

शरीर के सामने प्रत्येक चक्र का एक %प्रवर्तन बिन्दु% होता है। जब हम इस बिन्दु पर ध्यान करते हैं तो यह हमें चक्र के प्रति जागरूक होने में सहायता करता है। प्रत्येक चक्र एक सुनिश्चित स्नायु गुच्छों और एक विशेष ग्रन्थि के माध्यम से शरीर के स्नायु तन्त्र और अन्तःस्रावी तन्त्र को प्रभावित करता है। इन शारीरिक पूरकों के माध्यम से ये चक्र शरीर के सभी अवयवों को ऊर्जान्वितत करते हैं। ये चक्र कुछ मानसिक अभिवृत्तियों से भी सम्बद्ध होते हैं और इस प्रकार शरीर तथा मन के बीच एक सेतु का काम करते हैं। मूलतः सघन शक्ति के पिण्ड ये चक्र प्राणों के भण्डारण, संवर्द्धन एवं वितरण का केन्द्र होते हैं। इनकी पूर्ण कार्यशीलता हमारे शारीरिक आरोग्य तथा आध्यात्मिक रहस्यों के अनावरण के लिए महत्त्वपूर्ण है। कभी-कभी चक्रों को पद्म या कमल भी कहते हैं। प्रत्येक पद्म में पंखुड़ि?यों की संख्या भिन्न होती है।

चक्रों के उत्तरोत्तर जागरण के द्वारा हमारी क्षमताओं का प्रस्फुटन करना योग का अन्तिम लक्ष्य है ताकि प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य, प्रसन्नता एवं आत्मज्ञान प्राप्त हो। अतिचेतन अवस्था की इस अनुभूति को ही समाधि कहते हैं, जो कुण्डलिनी के मूलाधार से प्रारम्भ होकर सुषुम्ना से होते हुए सहस्त्रार तक पहुँचने पर होती है। शिव और शक्ति का संयोग, एक ही शरीर में पुरुष और स्त्री का मिलन, योगियों के अनुसार हमारे अस्तित्व की सर्वोच्च अवस्था है, जो सच्ची मानवता की भावप्रवण अवस्था में तुच्छ भिन्नताओं के तिरोहण का द्योतक है।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि जैसे स्नायुतंत्र और मस्तिष्क के बीच व्यवहार का एक संबंध होता है, वैसे ही व्यवहार का एक संबंध सूक्ष्म शरीर में स्थित चक्रों का मस्तिष्क के साथ होता है। उन्होंने उदाहरण दिया कि शरीर का व्यवहार मस्तिष्क द्वारा नियंत्रित होता है। मस्तिष्क स्नायुतंत्र को आदेश देता है-हाथ हिलाओ। मस्तिष्क का आदेश स्नायुतंत्र में आता है, हाथ हिलते हैं, हाथ हिलने के बाद स्नायुतंत्र से संदेश जाता है कि हाथ हिल गया है। जैसे मस्तिष्क और स्नायुतंत्र के संबंध के कारण शरीर में हलचल होती है, उसी प्रकार सूक्ष्म शरीर में स्थित चक्रों और मस्तिष्क के सम्पर्क और संबंध के कारण जीवन में विभिन्न अवस्थाओं का अनुभव भी होता है।

सभी चक्रों में इच्छा, क्रिया और ज्ञान शक्ति निहित है, लेकिन जब मूलाधार की जागृति होती है, तब जीवन में जो असुरक्षा की भावना है, उसे पार करने का सामर्थ्य मनुष्य प्राप्त करता है। मूलाधार चक्र को जागृत करके असुरक्षा, भय और निराशा जैसी भावनाएँ, जो मनुष्य को हमेशा प्रभावित करती हैं, उनके दुष्परिणामों को पार किया जा सकता है।

उसके बाद आता है स्वाधिष्ठान चक्र। जब सुख की खोज बाहर में होती है तो यह मानकर चलिए कि आपका स्वाधिष्ठान चक्र संसार से जुड़ा है, और जब सुख की खोज अंदर में होती है तो यह मानकर चलिए कि स्वाधिष्ठान चक्र का जो वैकल्पिक मार्ग है, उसका आपने चयन किया है, अपनी अंतरात्मा में सुख की खोज करने के लिये। अनाहत चक्र अपनत्व की भावना को जन्म देता है। जब हम अपनी संतान को देखते हैं, तब जिस अपनत्व की भावना का अनुभव होता है, वह अनाहत चक्र की अभिव्यक्ति है। जब अपने आराध्य को देखकर अपनत्व की भावना उत्पन्न होती है, वह भी अनाहत चक्र की अनुभूति है। संतान को देखने पर जो अनुभूति होती है वह भौतिक, सांसारिक और स्वार्थ से जुड़ी है जबकि परमात्मा की अनुभूति उच्च, निष्काम और आध्यात्मिक है। इस प्रकार अलग-अलग चक्र हमारे जीवन और मानसिकता को प्रतिदिन प्रभावित करते रहते हैं। मनुष्य के मूड, मनुष्य की प्रवृत्तियाँ चक्रों में उत्पन्न होती हैं, और वहाँ उत्पन्न होकर फिर मन में प्रकट होती हैं। जब वे मन में प्रकट होती हैं तो आपकी चेतना की परिधि में दिखलाई देती हैं। जैसे खाना बनता है रसोई के अंदर, लेकिन आदमी खाता है उसे टेबल-कुर्सी पर बैठकर, वैसे ही हमारे इस शरीर के भीतर खाना बनता है चक्रों में, लेकिन उसका भोग होता है मन में। मन हमलोगों का डायनिंग टेबल है। चक्र रूपी रसोई में बनता है अन्न, फिर आता है मन में। मन में उस अन्न को खाकर कभी दस्त होती है तो कभी कब्जियत। जैसे शरीर में दस्त या कब्जियत होती है, वैसी ही मन में भी होती है। शरीर की इन व्याधियों को तो दूर करने के उपाय हैं, लेकिन मन की दस्त या कब्जियत को दूर करने के लिये इन्हीं चक्रों को योग और ध्यान के द्वारा शांत एवं स्थिर करने का प्रयास किया जाता है। उसके पश्चात् फिर जीवन में एक सुंदर चरित्र की अभिव्यक्ति होती है।

धर्म के आवरण में दरिंदिगी: कुछ तो गड़बड़ है

निर्मल रानी

हमारे देश में जितना अधिक धर्म का ढिंढोरा पीटा जा रहा है अधर्म भी उतनी ही तेज़ी से बढ़ता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से ऐसे मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। ख़ासतौर से जब से आसाराम,स्वामी चिन्मयानंद,गुरमीत राम रहीम,स्वामी नित्यानंद,दाती महाराज, रामपाल, आसाराम के कुपुत्र नारायण साईं, भीमानंद महाराज उर्फ़ शिवमूरत द्विवेदी,राम शंकर तिवारी उर्फ़ स्वामी परमानंद व आशु भाई महाराज जैसे स्वयंभू संतों व डेरा संचालकों से जुड़े मामले सामने आये व इनमें से कई को बलात्कार व यौन शोषण के मामले में जेल जाना पड़ा तब से तो %धर्म क्षेत्र% में इसतरह के कुकर्मों की गोया झड़ी सी लग गयी। देश में न जाने कितने साधु वेश धारी मंदिर के पुजारी या किसी न किसी रूप में धर्म क्षेत्र से जुड़े लोग यौन हिंसा के शर्मनाक मामलों में पकड़े जा चुके हैं।

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दीपक वर्मा नामक एक बलात्कारी को थाना आलमबाग़ के अंतर्गत पुलिस ने सूर्योदय से पूर्व ही सुबह सवेरे मुठभेड़ में मार गिराया ,यह व्यक्ति भी धर्म का चोला ओढ़े रहता था। स्वयं को माता का भक्त प्रदर्शित करने वाला यह कुकर्मी माता रानी के जागरण समारोहों में झांकियां सजाने व झांकियां निकालने का काम किया करता था। इस ने चंद्रनगर मेट्रो स्टेशन के नीचे से ढाई-तीन साल की बच्ची को, जो अपने पिता के साथ लेटी हुई थी,चुपके से उसका अपहरण कर उसे उठा लगाया। बाद में इस व्यक्ति ने उस बच्ची के साथ बड़ी ही बेरहमी के साथ दुष्कर्म किया था। मासूम बच्ची अभी भी गंभीर अवस्था में इलाज करा रही है। पुलिस ने माता भक्त इस आरोपी पर एक लाख का इनाम भी घोषित कर दिया था। उसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और गत वीरवार को देर रात थाना आलमबाग क्षेत्र के मवैया के निकट एनकाउंटर में ढेर कर दिया।

भारत जैसे धर्म प्रधान देश में में यौन शोषण के मामलों का तेज़ी से बढ़ना अत्यंत चिंता का विषय है। हालाँकि देश में यौन शोषण को लेकर काफ़ी कड़े क़ानून भी बने हुये हैं फिर भी यह एक प्रमुख सामाजिक समस्या बनी हुई है। ख़ासकर धर्म क्षेत्र में कुकर्मियों व अधर्मियों का प्रवेश कर जाना धार्मिक सीख व शिक्षाओं पर भी सवाल खड़े करता है। एक अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक 22 मिनट में एक बलात्कार का मामला दर्ज होता है। इसमें वह मामले शामिल नहीं हैं जो भयवश या लाज वाश अथवा सुलह सफ़ाई के बाद या फिर सामाजिक कलंक या कमज़ोर क़ानूनी व्यवस्था के कारण दर्ज नहीं होते और वह सरकारी रिकार्ड में नहीं आ पाते। अन्यथा यह आंकड़े और भी चौंकाने वाले हो सकते हैं। वैसे तो दक्षिण अफ़्रीक़ा,स्वीडन,संयुक्त राज्य अमेरिका, इंग्लैंड, मिस्र,फ़्रांस व इथियोपिया जैसे देश भी महिला शोषण व बलात्कार जैसे मामलों में बदनाम देशों की सूची में शामिल हैं। परन्तु इनमें से कोई भी देश धर्म का उस स्तर पर ढिंढोरा नहीं पीटता जितना भारत में देखने को मिलता है। स्वयं को धर्म प्रधान प्रदर्शित करने वाले भारत जैसे देश में बेशक यह एक अत्यंत गंभीर व संवेदनशील मुद्दा है।

कहीं आश्रमों,मंदिरों व चर्चों में यौन शोषण के मामले सामने आते हैं जहाँ महंत, पुजारी,पादरी जैसे धर्म के आवरण में छुपे लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगता है। जैसे कुछ समय पूर्व कानपुर में एक पीड़िता को पहले नशीला लड्डू खिलाया गया फिर उसका यौन शोषण कर घटना का वीडियो बनाकर उसे धमकाया गया। चार महीने बाद गोविंद नगर थाने में शिकायत तो दर्ज ज़रूर हुई, लेकिन परन्तु चूँकि महंत, पुजारी, और अन्य रेपिस्ट प्रभावशाली थे इस कारण उनके विरुद्ध पुलिस ने देर से कार्रवाई की। इसी तरह मई 2025 में आगरा के एक मंदिर में 5 साल की बच्ची के साथ बलात्कार की घटना चर्चा में रही। इस मामले में पुलिस ने शुरू में आरोपी को छोड़ दिया था लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद उसे फिर से गिरफ़्तार किया गया। इसी तरह अप्रैल 2025 में सीतापुर में एक मंदिर के पुजारी पर नाबालिग़ लड़की के साथ दुष्कर्म करने और एक पत्रकार की हत्या का आरोप लगा था। ऐसे ही सतना के नादन थाना क्षेत्र में एक कथा वाचक नारायण स्वरूप त्रिपाठी ने तीन नाबालिग़ बहनों को काल सर्प दोष की पूजा करने के बहाने अपने कमरे में बुलाकर उनका बलात्कार किया। पीड़िता बहनों के परिजनों की शिकायत पर नादन थाना पुलिस ने उसे गिरफ़्तार किया। इसी तरह कुछ समय पूर्व दिल्ली के द्वारका में बाबा मसानी नामक एक %राक्षस % को पुलिस ने गिरफ़्तार किया। इसने पहले तो एक महिला से पांच लाख रूपये मांगे।

ऐसे ही केरल में कैथोलिक चर्च से जुड़े यौन शोषण के मामले चर्चा में रहे। एक नन ने जालंधर के रोमन कैथोलिक चर्च के बिशप पर 14 बार यौन शोषण का आरोप लगाया था । 2019 में तो पोप फ्रांसिस ने भी स्वीकार किया था कि भारत, लैटिन अमेरिका, इटली, और अफ़्रीका में बिशप और प्रीस्ट द्वारा ननों का यौन शोषण हुआ है। पटना में 2017 में एक पादरी पर दो महिलाओं के साथ बलात्कार और धर्म परिवर्तन के नाम पर यौन शोषण का आरोप लगा। इसी प्रकार दिसंबर 2024 में संभल, उत्तर प्रदेश, में एक मस्जिद के मौलाना साजिद और उसके भाई पर 13 साल की बच्ची के साथ बलात्कार की कोशिश और तीन घंटे तक बंधक बनाने का आरोप लगा। पुलिस ने दोनों को गिरफ़्तार किया।

हृदय विदारक हादसा

गुजरात में बोइंग विमान दुर्घटना ने उठाए सवाल

गुजरात स्थित अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास एयर इंडिया के विमान की भयावह दुर्घटना ने पूरे देश को दुख और गम में डुबो दिया। हाल के वर्षों में हुई यह बड़ी दुखद दुर्घटना हवाई यात्रा से जुड़े जोखिमों पर नये सिरे से गंभीर मंथन की जरूरत को बताती है। निश्चित रूप से यह हादसा नागरिक उड्डयन के लिये भी एक बड़ा झटका है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में शामिल है। आज भारत दुनिया के अग्रणी विमानन बाजारों में शुमार है। विडंबना यह है कि अभी दो महीने पहले ही नई दिल्ली में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो यानी एएआईबी में अत्याधुनिक डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया था। करीब नौ करोड़ रुपये की लागत से बनी इस प्रयोगशाला को केंद्र सरकार ने विमानन सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया था। जिसका मकसद हवाई दुर्घटनाओं की पहचान करना और जवाबदेही सुनिश्चित करना था। ताकि सुरक्षा उपायों को लेकर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिये तंत्र में सुधार किया जा सके। अब विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो को गुरुवार को बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के दुर्घटनाग्रस्त होने की जांच का काम सौंपा गया है। एएआईबी के पास अब यह पता लगाने की जिम्मेदारी होगी कि गुरुवार को हुई दुर्घटना के असल कारण क्या थे। बल्कि निकट भविष्य में हवाई यात्राओं को सुरक्षित बनाने के लिए भी सुझाव दिए जा सकेंगे। इसके अंतर्गत ब्यूरो बोइंग के सुरक्षा रिकॉर्ड और परिचालन निरीक्षण की भी गहराई से जांच करेगा। निश्चित रूप से परिचालन प्रक्रिया कड़ी जांच के दायरे में होगी। उल्लेखनीय है कि तकनीकी खामियों के चलते बोइंग के कई अन्य 787 ड्रीमलाइनरों की सुरक्षा प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाये जाते रहे हैं। हाल के वर्षों में कई व्हिसल ब्लोअर्स ने 787 ड्रीमलाइनर के सुरक्षा उपायों को लेकर गंभीर चिंताए जताई थीं। जिसके बाद यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन यानी एफएए ने ड्रीमलाइनर विमान के उत्पादन और असेंबली प्रक्रियाओं की गहन जांच की थी।

उल्लेखनीय है कि बोइंग की सुविधाओं के एफएए द्वारा ऑडिट करने पर निर्माण की प्रक्रिया में अनियमितताओं और कंपनी की सुरक्षा संस्कृति में खामियों का पता चला था। बल्कि व्हिसल ब्लोअर्स ने तो यहां तक भी आरोप लगाए थे कि बोइंग की कार्यप्रणाली में खामियों को उजागर करने के लिए उन्हें बदले की कार्रवाई का सामना भी करना पड़ा था। उल्लेखनीय है कि रिपब्लिक एयरवेज के सीईओ ब्रायन बेडफोर्ड, जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा एफएए का प्रमुख नियुक्त किया गया है, ने बुधवार को कहा था कि वर्ष 2018 और 2019 में दो बोइंग 737 मैक्स दुर्घटनाओं से जुड़ी एक प्रमुख सुरक्षा प्रणाली की विफलता के बारे में कुछ वास्तविक व गंभीर सबक सीखे गए हैं, जिसमें 346 लोगों की मृत्यु हो गई थी। निश्चित रूप से अहमदाबाद विमान हादसे के बाद भारतीय अधिकारियों को अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ गंभीर विमर्श करना चाहिए। उससे मिले इनपुट गुजरात दुर्घटना की गहन जांच करने में सहायक साबित हो सकते हैं। बहरहाल, अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 के हादसे ने सैकड़ों परिवारों को गहरे जख्म दे दिए हैं। हादसे में दो सौ से अधिक लोगों के मरने की पुष्टि हो चुकी है, वहीं एक व्यक्ति के जीवित बचने को कुदरत का करिश्मा माना जा रहा है। दूसरी ओर रिहाइशी इलाके में विमान के गिरने से हुई क्षति भी दुखद है। उस समय छात्र लंच कर रहे थे। जिसमें कई छात्र भी घायल हुए हैं। जिनमें कई की हालत गंभीर है। निश्चय ही यह विमान हादसा हवाई यात्राओं से जुड़ी चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की जरूरत को बताता है। हवाई हादसे के कारणों की हकीकत जांच के बाद सामने आएगी लेकिन यदि हवाई यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक हुई है, तो उसकी जवाबदेही तय करने की जरूरत है।

ईरान-इजरायल युद्ध से दुनिया के सामने नई चुनौती

ललित गर्ग

इजरायल ने ईरान के 'परमाणु कार्यक्रम ठिकानों' पर अचानक हमला करके न सिर्फ दुनिया को चौंका दिया है बल्कि पश्चिमी एशिया के पूरे क्षेत्र को अनिश्चितता, भय, अशांति एवं संकट के भंवर में डाल दिया है। ईरान जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल को करारा जवाब दे रहा है। जहां इस्त्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। लेकिन इन दो राष्ट्रों के संघर्ष एवं युद्ध में समूची दुनिया पीस रही है। एक और युद्ध से दुनिया में विकास का रथ थमेगा, महंगाई बढ़ेगी, तेल के दाम आसमान छूने लगेंगे, व्यापक जनहानि होगी। युद्ध कभी भी किसी के हित में नहीं होता, आखिर समझौते के लिये टेबल पर बैठना ही होता है, तो पहले ही टेबल पर क्यों न बैठा जाये? विनाश एवं सर्वनाथ करने के बाद युद्ध विराम करना कैसे बुद्धिमत्ता है?

इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक एवं विनाशकारी रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। कम से कम छह राउंड में किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। ईरान ने तो जवाबी कार्रवाई का इरादा जता ही दिया है, खुद इजरायल सरकार ने भी अपने नागरिकों से अगले कुछ दिन घरों के अंदर रहने और खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेने को कहा है। इजरायली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13 प्रतिशत बढ़ गईं। दुनिया के शैयर बाजार धराशायी हो गये हैं। पहले रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमाम, कुछ समय भारत-पाक और अब इजरायल-ईरान के बीच युद्ध की स्थितियां बनना विश्व युद्ध की संकटपूर्ण स्थितियों को बल दे रही है। संशय से भरा हुआ आदमी प्रेम एवं मानवीयता से खाली होता है। पारस्परिक स्नेह, सद्भाव, सौहार्द और विश्वास के अभाव में उसका संदेहशील मन सदैव युद्ध, हिंसा, सुरक्षा के साधन जुटाने में संलग्न रहता है। उसका मन कभी निर्भय नहीं होता, वृत्तियां शान्त नहीं होतीं, संग्रह उसके सुख, संतोष और शांति को सुरसा बन लील जाता है। जिसने परमाणु-शस्त्रों के निर्माण और फैलाव से विश्व को तनाव और संत्रास का वातावरण दिया, अनिश्चय और असमंजस की विकट स्थिति दी, उसने विश्व शांति के धरातल छिन लिया है। इन

विनाशकारी स्थितियों में मानवीय सहृदयता, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व की भावना को कैसे अक्षुण्ण रखा जा सकता है? अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव कर तीसरी दुनिया को विकास के समुचित अवसर और साधन देने की संभावनाएं कैसे बलशाली बन सकती है? मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देना वर्तमान की बड़ी जरूरत है। क्योंकि वर्तमान युद्ध की जटिल से जटिलतर होती परिस्थितियों को देखें तो यह पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और समग्र वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक समय है। यदि अन्य देश भी इस संघर्ष में खेमेबाजी का शिकार होकर जुड़ते गए तो यह खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। अच्छी बात यही है कि अभी तक तो ऐसा कुछ नहीं हुआ है।

दुनिया में पहले से ही काफी उथल पुथल मची हुई है। अरब देश संघर्ष लंबा खिंचने पर क्या रूख अख्तियार करते हैं। मुस्लिम देशों की जनता में यह सोच पहले से है कि यहूदी सरकार मुस्लिमों पर अत्याचार कर रही है। ऐसे में उनके लिए भी अपनी जनता की भावनाओं को नियंत्रित करना आसान नहीं होगा। वहीं इजरायल के सामने भी एक बड़ी चुनौती है कि अगर उसने संघर्ष शुरू किया है तो वह ईरान के खतरे को हमेशा के लिए खत्म करे। ऐसे में इजरायल का सैन्य अभियान लंबा चल सकता है। वह लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध को जारी रख सकता है। इसके लिए ईरान की सत्ता में बदलाव या राजनीतिक नेतृत्व को खत्म करना होगा। यहां अमेरिका का समर्थन अहम होगा। बेहतर होगा दुनिया को भारी नुकसान से बचाने के लिये पूतिन एवं ट्रंप युद्ध की आग बुझाने की कोशिश करें। ईरान पर इजरायल के हमले ने पहले से युद्धरत एवं अस्थिर दुनिया को अधिक वैश्विक संघर्ष की ओर ढकेल दिया है। ईरान भी अपनी पूरी क्षमता के साथ इजरायल पर मिसाइलों से हमला कर रहा है। उधर, इजरायल इस बात पर अड़ा है कि जब तक वह ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता और मिसाइलों के जखीरे को खत्म नहीं कर देता है तब तक हमले जारी रहेंगे। अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा। आगे चलकर इसमें अमेरिका, चीन और रूस जैसी बड़ी शक्तियां शामिल हो सकती हैं।

इजरायल ईरान को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है। खासकर उसे लगता है कि अगर ईरान ने परमाणु बम बना लिया तो उसके लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। यह खतरा इजरायल के साथ अन्य देशों के लिये भी होगा। इसलिए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कह रहे हैं कि हम ईरान को परमाणु बम नहीं बनाने देंगे। जो आपरेशन शुरु किया है, उसे लक्ष्य हासिल होने तक जारी रखेंगे। ईरान का परमाणु शक्ति बनना एक बड़ा खतरा है, इस बड़े खतरे को समाप्त करना ही ऑपरेशन राइजिंग लायन का लक्ष्य है। इसी समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आना भी इजरायल के बेहतर मौका लेकर आया और यहां अमेरिका का समर्थन अहम हो गया है। इजरायल और ईरान के बीच सैन्य तनाव बढ़ने से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं, तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो इसके जटिल परिणाम सामने आते हैं और सभी जीवन-निर्वाह की चीजों के दाम बढ़ जाते हैं। जिससे भारतीय रूपया कमजोर होने, मुद्रास्फीति बढ़ने और देश की वित्तीय स्थिति पर दबाव पड़ने का खतरा भी है। भारत अपनी जरूरतों का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है, ऐसी घटनाओं का महंगाई से लेकर व्यापार संतुलन, रोजगार से लेकर जीवन-निर्वाह तक के महत्वपूर्ण संकेतकों पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष भारत के हितों को चोट पहुंचाने वाला है। आर्थिक हित के साथ दोनों देशों के साथ भारत के सामरिक तथा रणनीतिक हित भी जुड़े हुए हैं। भारत को संतुलित रवैया अपनाना होगा, क्योंकि ईरान हमारा पुराना मित्र है, जो कश्मीर मुद्दे को लेकर इस्लामिक देशों के संगठन तक भारत का साथ देता रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

सरकार की नीति अस्पष्ट: विजय बाबू

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम सहित प्रदेश के कई जिलो में तीसरी फसल के रूप में मूंग की फसल व्यापक क्षेत्रफल में ली जा रही है जो कि मध्यप्रदेश की आर्थिक सम्पन्नता में किसानों की भागीदारी का प्रमाण है बीते दोनों सरकार द्वारा मूंग को जहरीली बताकर खरीदी करने से इनकार किया गया जिससे उत्पन्न किसानों की पीड़ा को देखते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिले के किसान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा बनखेड़ी के पांसी घाट से प्रारंभ कर सात दिवसीय किसान अधिकार यात्रा संपूर्ण जिले में निकली गई किसान अधिकार यात्रा अपने अंतिम दिवस आज कृषि उपज मंडी इटारसी पहुंची जहां पर किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विजय बाबू चौधरी ने कहा कि सरकार को मूंग खरीदी का निर्णय लेना पड़ा जिसके लिए हम सब सरकार के आभारी है तथा हम ह्रदय से धन्यवाद ज्ञापित करते है परंतु प्रदेश सरकार की अनुचित,अस्पष्ट नीति एंव मंशा के कारण किसानों के मन में असंतोष,भय एंव संशय का वातावरण निर्मित हुआ है नर्मदापुरम जिले के प्रमुख किसान नेता पुष्पराज पटेल ने कहा कि सरकार हमारी मांगों पर संज्ञान लेकर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर स्थिति स्पष्ट करें।खरीदी शीघ्र प्रांरभ कर खरीदी की सीमा कम से कम प्रति एकड़ पांच क्विंटल निर्धारित की जाए।

तथा खरीदी केंद्र ग्रामीण सीमा से अधिकतम पांच किलोमीटर से अधिक दूरी पर न हो एंव तुलाई बड़े कांटे पर की जाए तथा यह भी सुनिश्चित की जाए खरीदी केंद्र पर बारिश से बचनें की पर्याप्त व्यवस्था हो उक्त बिंदुओं पर शीघ्रतापूर्वक विचार करें अन्यथा हमें आंदोलन की राह पुनः पकड़नी पड़ेगी।नुक्कड़ सभाओं का संचालन कर रहे राकेश दुबे ने कहा कि खेतों की मोटर की बिना जांच-पड़ताल कर बढ़ाये बिल कम कियें जाए एंव किसानों पर लगाए मुकदमें बापिस लिए जाए

बिजली बिल बसूली को सामूहिक जिम्मेदारी मानकर अवैध रूप से काटी गई ग्रामों की विजली की आपूर्ती तत्काल प्रभाव से बहाल की जाए। यात्रा अगले पड़ाव पर कृषि उपज मंडी बनापुरा पहुंची जहां पर सिवनी मालवा के पूर्व प्रत्याशी अजय पटेल ने कहा कि यह हम सबके संगठित प्रयास की जीत है।वरिष्ठ कांग्रेसी पंडित गोपाल शर्मा ने कहा कि अभी यह लड़ाई खत्म नहीं हुई है आगे हमें और चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। पूर्व जिला पंचायत सदस्य राधेश्याम पटेल ने कहा की हमें अपनी फसलों के दाम लेने के लिए सड़कों पर आना पड़ेगा। सेवादल के जिला अध्यक्ष जितेंद्र सोलंकी ने कहा कि जब-जब किसानों पर कोई भी आफत आएगी तो कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता आपकी लड़ाई लड़ने को हमेशा तैयार रहेंगे।किसान अधिकार यात्रा जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंची जहां पर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सोपा गया जिसमें जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवाकांत पांडे सेवादल के जिला अध्यक्ष जितेंद्र सोलंकी नगर कांग्रेस कमेटी इटारसी के अध्यक्ष मयूर जायसवाल नर्मदापुरम नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी पूर्व अध्यक्ष राकेश शर्मा प्रदीप दुबे मधुसूदन यादव कपिल यादव सहित अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

माता-पिता फर्जी, उनकी नौकरी फर्जी, मौत भी फर्जी फिर भी 6 को मिली असली अनुकंपा नियुक्ति

रीवा जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया। यहां पिछले एक साल में 6 लोगों को अनुकंपा नियुक्ति दी गई। हैरानी की बात यह है कि उनके माता-पिता जीवित थे और उन्होंने कभी भी राज्य के स्कूल शिक्षा विभाग में काम नहीं किया। इन नियुक्तियों के लिए फर्जी दस्तावेज बनाए गए, जिसमें 'फर्जी माता-पिता' की मृत्यु दिखाई गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घोटाले के सामने आने के बाद, रीवा के संभाग आयुक्त ने पिछले तीन वर्षों में अनुकंपा के आधार पर की गई सभी नियुक्तियों की जांच के आदेश दिए। यह जांच रीवा, सतना, सीधी और सिंगरौली जिलों में होगी।

रीवा के संभाग आयुक्त बीएस जामोद ने बताया कि उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग में पिछले तीन सालों में अनुकंपा के आधार पर हुई सभी नियुक्तियों की जांच के आदेश दिए हैं। जिले के एसडीएम जांच का नेतृत्व करेंगे। स्कूल शिक्षा विभाग और कोषालय विभाग के एक-एक अधिकारी टीम के सदस्य होंगे। उन्हें 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट देने को कहा गया है। रिपोर्ट के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। इसके साथ ही रीवा के जिला शिक्षा अधिकारी को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया।

पिछले एक साल में 36 अनुकंपा नियुक्तियां सामने आई, सभी को नोटिस दिए गए। कागजात सहित जिला शिक्षा कार्यालय बुलाया गया, लेकिन 10 नहीं पहुंचे। उनके कागजात जांचे तो 6 पूरी तरीके से फर्जी निकले। वहीं 4 अभी संदिग्ध हैं। यह सारे मामले सिर्फ एक साल में दी गई अनुकंपा नियुक्ति के हैं। खुलासे के बाद अब पुराने प्रकरण भी संदेह के घेरे में हैं।

छह आरोपियों के खिलाफ केस

एफआईआर के अनुसार, छह आरोपियों हीरामणि रावत, ओम प्रकाश कोल, सुषमा कोल, विनय कुमार रावत, उषा देवी और एक अन्य ने जाली दस्तावेजों का उपयोग कर अनुकंपा के आधार पर नौकरी हासिल की। जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में तैनात एक क्लर्क, प्रसन्नधर द्विवेदी, जो अनुकंपा के आधार पर भर्ती के लिए जिम्मेदार था, पर भी धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है।

ऐसे मामले पहले भी आ चुके

जानकारी के अनुसार, इन छह लोगों के अलावा, पहले भी ऐसा एक मामला सामने आया था। इसके बाद, अधिकारियों ने रीवा में पिछले एक साल में अनुकंपा नियुक्ति वाली सभी नौकरियों का सत्यापन किया।।रीवा संभाग के आयुक्त बीएस जमोद ने कहा कि ये नियुक्तियां मेरे कार्यकाल के दौरान हुईं और मैंने ही अनियमितता का पर्दाफाश किया।

मृतकों ने सरकारी नौकरी नहीं की

रीवा के जिला शिक्षा अधिकारी एसएल गुप्ता के मुताबिक, उन्होंने पिछले एक साल के सभी मामलों की जांच करवाई। तब पता चला कि छह और मामले मिले हैं। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति को मृत दिखाया गया, उसने न तो सरकार के लिए काम किया और न वह नौकरी पाने वालों का असली माता-पिता था। सारे रिकॉर्ड जाली थे।

कोलारस के पूर्व विधायक का कांग्रेस से इस्तीफा

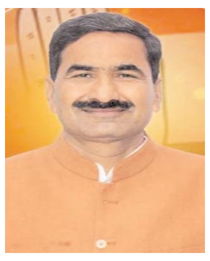

कोलारास। मध्य प्रदेश कांग्रेस में एक बार फिर से हलचल मचा देने वाला घटनाक्रम देखने को मिला है। दरअसल, शिवपुरी जिले की कोलारस विधानसभा से पूर्व विधायक और कद्दावर नेता वीरेंद्र रघुवंशी ने सोमवार को अचानक कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पत्र साझा कर इस्तीफे की जानकारी देते हुए इसका कारण 'स्वास्थ्य ठीक न होना' बताया है।

लेकिन, इस्तीफे के साथ वीरेंद्र रघुवंशी द्वारा बताए गए कारण को लेकर सियासी गलियारों में हलचल इसलिए भी मच गई है, क्योंकि महज एक दिन पहले ही रघुवंशी ने एक महत्वपूर्ण पार्टी बैठक की जानकारी सोशल मीडिया द्वारा साझा की थी। ये बैठक 16 जून को कोलारस के होटल फुलराज में आयोजित होने वाली है। यह बैठक कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत शिवपुरी जिले के नए जिला अध्यक्ष के चयन को लेकर बुलाई गई है, जिसमें केंद्रीय और प्रदेश पर्यवेक्षक समेत कांग्रेस के दिग्गज नेता आमंत्रित हैं। ऐसे में रघुवंशी का ठीक इसी बीच पार्टी से इस्तीफा देना कई सवाल खड़े कर रहा है। सियासी गलियारों में चर्चा है कि, क्या ये वाकई सिर्फ स्वास्थ्य का मामला है या फिर कांग्रेस के अंदरूनी संघर्ष और गुटबाज़ी से उपजी नाराज़गी की एक कड़ी?

राजनीतिक गलियारों में कई अटकलें: स्थानीय राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि रघुवंशी लंबे समय से संगठन में उपेक्षा का सामना कर रहे थे। सूत्रों का यहां तक दावा है कि, पार्टी में उनके सुझावों की अनदेखी और नए नेतृत्व के साथ टकराव ने उन्हें हाशिए पर ला दिया था। ऐसे में अटकलें ये भी लगाई जा रही हैं कि, अब रघुवंशी किसी अन्य राजनीतिक दल की ओर रुख कर सकते हैं, हालांकि इस पर अभी तक उन्होंने कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि, वीरेंद्र रघुवंशी कोलारस क्षेत्र में प्रभावशाली नेता माने जाते हैं और उनका कांग्रेस से यूं अचानक अलग होना पार्टी के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। अब देखना यह है कि कांग्रेस इस घटनाक्रम पर क्या प्रतिक्रिया देती है और रघुवंशी का अगला कदम क्या होता है?

जनगणना में नया ट्विस्ट, इस बार होगा कुछ बिलकुल अलग और ख़ास

भोपाल। भारत में जनगणना और जातिगत जनगणना की अधिसूचना जारी कर दी गई है, जिससे यह प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। पहली बार दोनों जनगणनाएं साथ होंगी और अंतिम चरण फरवरी 2027 से शुरू होकर 1 मार्च तक पूर्ण होगा।

भारत की कुल जनसंख्या कितनी है? इसमें हिन्दू, मुसलमान और अन्य धर्मों के लोगों की हिस्सेदारी क्या है? विभिन्न जातियों की सामाजिक स्थिति कैसी है? इन तमाम सवालों के जवाब जल्द ही सामने आने वाले हैं। केंद्र सरकार ने देशव्यापी जनगणना को लेकर औपचारिक घोषणा कर दी है। गृह मंत्रालय ने सोमवार को इसकी अधिसूचना जारी कर दी है, जिसके बाद जनगणना की तैयारियों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अधिसूचना जारी होते ही जनगणना की प्रक्रिया औपचारिक रूप से आरंभ हो जाती है। इस बार जनगणना और जातिगत जनगणना एक साथ कराई जाएगी। सूत्रों के अनुसार, 16 जून को अधिसूचना जारी होते ही दोनों प्रक्रियाएं तुरंत शुरू की जाएंगी। वहीं, जनगणना का दूसरा और अंतिम चरण फरवरी 2027 में आरंभ होकर 1 मार्च तक पूरा किया जाएगा।

1 मार्च से जारी होंगे आंकड़े

जनगणना की तैयारियों के तहत विभिन्न एजेंसियां फरवरी 2027 तक अपने-अपने कार्यों में सक्रिय हो जाएंगी। इस दौरान स्टाफ की नियुक्ति, प्रशिक्षण, फॉर्मेट तैयार करना और घर-घर जाकर आंकड़ों का संग्रह जैसी प्रक्रियाएं शामिल होंगी। इसके बाद 1 मार्च से जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराए जाने लगेंगे।

खुद दर्ज कर सकेंगे अपनी जानकारी

2022 में जनगणना अधिनियम में किए गए संशोधन के बाद नागरिकों को यह सुविधा मिली है कि वे ऑनलाइन माध्यम से स्वयं और अपने परिवार से जुड़ी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। यह देश की पहली डिजिटल जनगणना के रूप में आयोजित की जाएगी। इसके लिए भारत के महापंजीयक (ह्त्रन्नद्ध) द्वारा 'सेल्फ एन्यूमरेशन पोर्टल' नामक एक विशेष वेब पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से नागरिक अपने परिवार के सभी सदस्यों की जानकारी दर्ज कर सकेंगे और आवश्यकतानुसार उसमें संशोधन भी कर पाएंगे। हालांकि, जनगणना की प्रक्रिया शुरू होने से कुछ दिन पहले यह पोर्टल अस्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा ताकि अंतिम आंकड़ों का संकलन किया जा सके।

डिजिटल इंडिया की ओर जनगणना का नया कदम

इस बार की जनगणना कई दृष्टि?यों से विशेष रहने वाली है, क्योंकि इसमें नागरिकों को एक नया और महत्वपूर्ण विकल्प दिया जा रहा है। यह विकल्प है सेल्फ एनुमरेशन का, जिसके तहत लोग अब स्वयं अपनी और अपने परिवार की जानकारी ऑनलाइन देख सकेंगे और उसमें आवश्यक अपडेट भी कर सकेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को जनगणना की तैयारियों की समीक्षा की। गृह मंत्रालय ने बताया कि 2027 में प्रस्तावित यह जनगणना पूरी तरह डिजिटल स्वरूप में होगी। डेटा संग्रहण और ट्रांसमिशन को पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लिए कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं, जिससे नागरिकों की जानकारी गोपनीय बनी रहे।

जन स्वाभिमान यात्रा ने 319 वन अधिकार दावों की सूची जनपद सीईओ को सौंपी

मंडला/मवई। अपने निर्धारित समय पर जन स्वाभिमान यात्रा मवई ब्लॉक मुख्यालय पर पहुंची। जहां कि ग्रामीणों ने गर्मजोशी से यात्रा कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता विवेक पवार और मंशाराम मरावी का स्वागत किया।इस अवसर पर मवई क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा लगाए गए वन अधिकार दावों पर अपनी बात रखी और एक सूची तैयार की गई।इस तरह से 319 व्यक्तिगत दावों की सूची तैयार हुई।बाद में जनपद सी ई ओ को यह सूची सौंपी गई।जन संघर्ष मोर्चा धरती आबा बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस 9 जून से रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस 24 जून तक बालाघाट-मंडला-डिंडोरी जिले में जन स्वाभिमान यात्रा पर है।यात्रा के मवई ग्राम पहुंचने पर ग्रामीणों की समस्याओं पर चर्चा हुई।यहां जन स्वाभिमान यात्रा की बैठक में बलिदानी पुरुषों से प्रेरणा लेकर समुदायों के बीच भी नैतिक,सामाजिक और मानवीय मूल्यों के विकास के लिए जिम्मेदारी उठाने का आव्हान किया गया।ग्राम सठिया में वन विभाग द्वारा कराए गए कार्य की महीनों से लंबित मजदूरी का मामला भी यात्रा में उठा।वन विभाग की तानाशाही के खिलाफ यात्रा में ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त किया।बैठक को बालाघाट जिला पंचायत के सदस्य मंशाराम मरावी ने संबोधित करते जागरूकता और संगठन को मजबूती पर जोर दिया।सामाजिक कार्यकर्ता चरण परते ने वन अधिकार दावों की दिक्कतों को साझा किया। रुक्मणि सुरेश्वर ने ग्रामीणों की कमियों पर चर्चा करते हुए उन्हें दूर करने के आव्हान किया।जबलपुर से पहुंचे किसान संगठन के रामनारायण कुरोरिया ने शासन की जंगल और जमीनों को छीनने वाली जन विरोधी नीतियों को उजागर करते संगठित रहने का आव्हान किया।

नगर पालिका ने मानसून पूर्व की नालों सघन सफाई

नपाध्यक्ष पंकज चौरे ने रखी सफाई व्यवस्था पर पूरी नजर

सांध्य प्रकाश, इटारसी । मानसून के आगमन से पहले नगर पालिका परिषद ने शहर के सभी प्रमुख नालों की सघन सफाई का कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिया है। परिषद का लक्ष्य है कि मानसून की पहली बारिश से पहले सभी नालों की पूरी तरह से सफाई सुनिश्चित की जा सके, ताकि जलभराव और संबंधित समस्याओं से नागरिकों को निजात मिल सके।

नगर पालिका परिषद के अध्?यक्ष पंकज चौरे ने आज इसी क्रम में वार्ड 33 में वार्ड 32 में दोपहर में नालों की सफाई का निरीक्षण किया। उन्?होंने निर्देश दिए कि यदि जेसीबी चलाने के लिए कुछ अतिक्रमण तोडने पर जाएं तो वह तोडें जाएं। निरीक्षण के दौरान वॉ 33 में पार्षद प्रतिनिधि रमेश धूरिया, वार्ड 32 में पार्षद श्रीमती कीर्ति संजय दुबे मौजूद थीं।

नगरपालिका अध्?यक्ष पंकज चौरे ने बताया कि शहर में जलभराव की समस्या को रोकने के लिए यह अभियान बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने जानकारी दी कि सफाई के दौरान नालों से निकलने वाले कचरे, प्लास्टिक, और गाद को तुरंत हटाया जा रहा है, ताकि नालों में किसी भी प्रकार की रुकावट न रहे। विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है जहां पिछले वर्षों में जलभराव की समस्या अधिक रही है। सफाई अभियान में नगर पालिका के स्वच्छता कर्मचारी और आवश्यक मशीनरी जैसे जेसीबी, डंपर आदि का उपयोग भी किया जा रहा है। कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे सफाई कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतें और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करें।स्थानीय नागरिकों ने भी नगर पालिका के इस कदम की सराहना की है। उनका कहना है कि समय रहते नालों की सफाई होने से बारिश के दौरान होने वाली असुविधाओं से बचा जा सकेगा। पिछले वर्षों में कई इलाकों में नालों के जाम होने से घरों और दुकानों में पानी घुसने की समस्या आम हो गई थी।नगर पालिका परिषद इटारसी ने उम्मीद जताई है कि इस सघन सफाई अभियान से शहर में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकेगा और नागरिकों को एक सुखद मानसून का अनुभव मिलेगा। यह अभियान आने वाले कुछ दिनों तक जारी रहेगा।

भीमबेटका के इतिहास की गुफाओं में सदियों से छिपी है हमारे पूर्वजों की दास्तां

भीमबेटका की गुफाएं मध्य प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहर हैं। यहां सदियों पुरानी चित्रकला से हमारे पूर्वजों की जीवित कहानी मिलती है। जानें इस ऐतिहासिक स्थल की अहमियत और वहां की अद्भुत कला की जानकारी।

मध्य प्रदेश में एक ऐसी जगह है, जो इतिहास के साथ दिलों को भी छू जाती है। भीमबेटका की गुफाएं केवल चट्टानें भर नहीं, मानव सभ्यता (ह्वद्बड्ढ ष्द्ब1द्यद्ब5ड्डह्लद्बश्ठ्ठ) के शुरुआती युग की गवाही हैं। यहां इंसान ने अपनी भावनाओं, आशंकाओं, उत्सव और उल्लास तथा अस्तित्व की लड़ाई को उकेरा था। जब मानव ने जंगलों से निकलकर नई दुनिया की शुरुआत की, तब भीमबेटका की ये गुफाएं उसकी शरण बनीं, उसकी कहानी बनीं।

भीमबेटका न केवल मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग निगम के तहत एक प्रमुख स्थल हैं, बल्कि, ये मध्य प्रदेश के प्रमुख पिकनिक स्पॉट्स में से एक हैं। तो ऐसे में मध्य प्रदेश ट्रैवल पैकेज में आप भीमबेटका को भी शामिल कर सकते हैं। बता दें कि भीमबेटका मध्य प्रदेश जंगल सफारी के अनुभव करने से न केवल आपको प्राचीन गुफाओं की अद्भुत चित्रकला देखने का मौका मिलता है, बल्कि आपको प्रकृति के करीब जाने का भी अवसर मिलता है।

जानें कहां स्थित है भीमबेटका

मध्य प्रदेश का ऐतिहासिक स्थल भीमबेटका (क्वद्धद्वद्वड्डद्गह्लद्मड्ड ष्ड्ड1द्गह्य) भोपाल से करीब 45 किलोमीटर दूर है। जब आप यहां से नर्मदापुरम (होशंगाबाद) की ओर नेशनल हाईवे 69 पर निकलते हैं तो एक अनदेखा सा रास्ता दाहिनी ओर मुड़ता है। अगर आप ध्यान न दें, तो आप इतिहास से दूर चले जाएंगे। मध्य प्रदेश पर्यटन निगम

जी हां, यही वो स्थान है, जिसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल (ह्वश्रस्ह्ल ड्डश्रह्यद्बस्र ॥द्गह्वद्बह्लड्डद्दद्ग स्ह्लद्बद्ग) का दर्जा दिया है। एक छोटी रेलवे क्रॉसिंग पार कर आप सूखे और पथरीले इलाके में पहुंचते हैं, जो तंजानिया के ओल्डुवाई गॉर्ज की याद दिलाता है।

भीमबेटका को देखकर पता चलता है कि यहां घने जंगल, झील और दलदल के बीच हमारा इतिहास 90 हजार साल पहले भी समृद्ध था। हाथी, बाइसन, गैंडा, बाघ, तेंदुए सभी इस इलाके में रहते थे। ऐसे माहौल में इंसान को सुरक्षा की जरूरत थी और ये चट्टानें उस सुरक्षा का आधार बनीं। ये गुफाएं इंसानों के आश्रय स्थल के साथ निगरानी स्थल थीं, जहां लोग जानवरों की चाल पर नजर रखकर खतरे से बचते थे।

भीमबेटका गुफाओं की असली कहानी

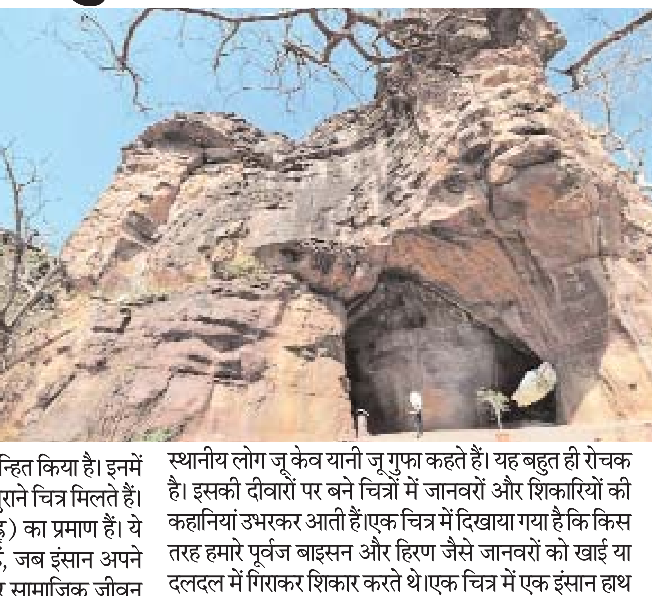

हमारे पूर्वजों को अक्सर गुफा मानव कहा जाता है, लेकिन सच तो यह है कि वे गुफाओं में पूरी तरह नहीं रहते थे। गुफाएं छोटी, संकरी और सीमित थीं। इसलिए वे प्राकृतिक छज्जों और चट्टानों के बीच बनी गुफाओं और गलियों को अपना आशियाना बनाते थे।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ٍस्ढ्ढ) ने भीमबेटका की करीब 750 गुफाओं को चिन्हित किया है। इनमें से लगभग 500 की दीवारों पर शताब्दियों पुराने चित्र मिलते हैं। ये प्राचीन चित्रकला (ٍठ्ठष्द्बद्गठ्ठह्ल ऋश्चद्य ह्ल) का प्रमाण हैं। ये चित्र जीवन के उस कालखंड की झलक हैं, जब इंसान अपने रोजमर्रा के जीवन, शिकार, नृत्य, खेल और सामाजिक जीवन को पत्थरों पर दर्ज करता था।

हमारे पूर्वजों की डायरी जैसे हैं चित्र

भीमबेटका की गुफाओं में बने चित्र एक तरह से हमारे पूर्वजों की डायरी हैं। कुछ चित्रों में शिकार करते जानवर, नृत्य करते इंसान और कुछ में दैनिक जीवन की घटनाएं साफ तौर पर नजर आती हैं। जब सूरज की किरणें ठीक कोण पर पड़ती हैं तो ये चित्र जीवंत हो उठते हैं।

पहली गुफा के प्रवेश द्वार पर हाथियों के भव्य चित्र तो सब देखते हैं, लेकिन उनके पास एक शुतुरमुर्ग जैसा पंखों वाली आकृति भी है, जो अक्सर अनदेखी रह जाती है। क्या यह कोई पशु मात्र है, या कोई शिकारी...जो जानवरों के वेश में नृत्य कर रहा है? इतिहास की इस पहेली में अभी भी कई रहस्य छिपे हैं।

भीमबेटका में उकेरी गई कला और चित्रकला की कहानी

गुफा नंबर 8 के बाहर एक विशाल पक्षी का चित्र है। इसे स्थानीय लोग जू केव यानी जू गुफा कहते हैं। यह बहुत ही रोचक है। इसकी दीवारों पर बने चित्रों में जानवरों और शिकारियों की कहानियां उभरकर आती हैं।एक चित्र में दिखाया गया है कि किस तरह हमारे पूर्वज बाइसन और हिरण जैसे जानवरों को खाई या दलदल में गिराकर शिकार करते थे।एक चित्र में एक इंसान हाथ में ढाल और बूमरैंग जैसा हथियार लिए खड़ा है। यह हथियार उस समय के ऑस्ट्रिक लोग इस्तेमाल करते थे, जो हिमयुग के वक्त ऑस्ट्रेलिया तक फैले थे। ऐसा माना जाता है कि ये हथियार वहीं पहुंचे और ऑस्ट्रेलिया के आदिवासियों ने भी इन्हें अपनाया।

शिकार से सवारी तक मानव विकास का सफर

भीमबेटका के चित्रों से पता चलता है कि हमारे पूर्वज पैदल चलते थे, शिकार करते थे। धीरे-धीरे उन्होंने हाथी और घोड़ों को पालतू बनाया।

गुफा नंबर 7 में दो घुड़सवार शिकारी भाला लिए शिकार पर निकले दिखाए गए हैं।गुफा नंबर 9 के बाहर सुंदर सफेद घोड़े और बड़े हाथी भी चित्रित हैं, जो अपने मालिक के साथ नजर आते हैं। एक चित्र में हिरण पर सैडल (झोला) बंधा हुआ है, यह तकनीक आज भी लैपलैंड के लोग अपने रेंडियर के लिए इस्तेमाल करते हैं। ये चित्र मानव सभ्यता के विकास और नवाचार की कहानी कहते हैं।

शिकारी जीवन और कबीले की रहस्यमयी परंपराएं

भीमबेटका के आदिमानव शिकारी थे। वे जानवरों के शिकार से जीवन यापन करते थे। यहां गौर करने योग्य बात यह है कि शिकार हमेशा आसान नहीं था, इसलिए वे अपने शमन (पूजारी या जादूगर) पर भरोसा करते थे। ये शमन जानवरों की खाल पहनकर, नशीले पदार्थों और प्राचीन आत्माओं की पूजा कर शिकार की सफलता सुनिश्चित करते थे। यह सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जीवनशैली थी, जो मानव की सोच की गहराई को दर्शाती है।

लाल, हरा, सफेद और गेरुआ रंग का इस्तेमाल

1957-58 में भीमबेटका की गुफाओं की खोज हुई। तब से अब तक यहां 750 से अधिक गुफाएं मिली हैं। इनमें से लगभग 500 की दीवारों पर चित्र बने हुए हैं। इन चित्रों में उपयोग किया गया रंग लाल, हरा, सफेद और गेरुआ है। इन चित्रों की उम्र करीब एक लाख साल से भी ज्यादा बताई जाती है।

...तो जनाब! मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थल भीमबेटका की ये गुफाएं, ये चित्र, ये कहानियां केवल इतिहास नहीं हैं, बल्कि मानवता की अमिट पहचान हैं। जब आप भी कभी इस धरती पर आएं, तो इन पत्थरों पर उकेरी गई इन कहानियों को देखिए, समझिए और महसूस कीजिए। यह आपके लिए सिर्फ पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक यात्रा होगी, मानव सभ्यता के उस अनमोल सफर की, जिसे आप हर कदम पर महसूस करेंगे।

भीमबेटका क्या है?

भीमबेटका एक ऐतिहासिक गुफा स्थल है, जो मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में स्थित है। यह स्थल प्राचीन मानव सभ्यता के महत्वपूर्ण प्रमाण के रूप में जाना जाता है। यहाँ पर प्राचीन शैलचित्र और चित्रकला के अद्भुत उदाहरण मिलते हैं। यह स्थल यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है। भीमबेटका गुफाएं भारतीय प्रागैतिहासिक काल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती हैं, और यह आदिम मानव सभ्यता के अध्ययन में बेहद महत्वपूर्ण हैं।

भीमबेटका गुफाएं कहां स्थित हैं?

भीमबेटका गुफाएं मध्य प्रदेश राज्य के रायसेन जिले में स्थित हैं, जो राजधानी भोपाल से लगभग 45 किलोमीटर दक्षिण में है। यह स्थल पूरी दुनिया में अपनी शैल चित्रकला के लिए प्रसिद्ध है। भीमबेटका गुफाएं विंध्य पर्वतमाला के एक हिस्से में स्थित हैं और आसपास के क्षेत्र में प्राकृतिक सौंदर्य भी बेमिसाल है।

भीमबेटका गुफाओं में कौन से प्रमुख चित्र पाए गए हैं?

मध्यप्रदेश पर्यटन की भीमबेटका गुफाओं में प्राचीन शैलचित्र पाए गए हैं, जो लगभग 30 हजार साल पुराने माने जाते हैं। इन चित्रों में मनुष्य और जानवरों के चित्र, शिकार की दृश्यावली, धार्मिक चित्र, और अन्य दृश्यांकन शामिल हैं। इन चित्रों से यह स्पष्ट होता है कि प्राचीन मानव जीवन में शिकार, समाज, और संस्कृति की कितनी गहरी छाप थी।

भीमबेटका गुफाओं की खोज कब और किसने की थी?

भीमबेटका गुफाओं की खोज 1957 में भारतीय पुरातत्वविद् वेरियर एल्विन ने की थी। हालांकि, इन गुफाओं के बारे में जानकारी पहले से स्थानीय लोग जानते थे, लेकिन वेरियर एल्विन ने इन गुफाओं के शैल चित्रों का अध्ययन और दस्तावेजीकरण किया। इसके बाद इन गुफाओं को प्राचीन मानव सभ्यता के अध्ययन में महत्वपूर्ण स्थल के रूप में माना गया।

भीमबेटका गुफाएं कब से पर्यटकों के लिए खुलती हैं?

भीमबेटका गुफाएं 2003 से पर्यटकों के लिए खुली हैं। इस स्थल को एक ऐतिहासिक और प्राचीन स्थल के रूप में विकसित किया गया है, ताकि पर्यटक इसे देख सकें और प्राचीन चित्रकला और सभ्यता के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। यहां पर पर्यटकों के लिए विभिन्न सुविधाएं भी उपलब्ध हैं, जैसे कि मार्गदर्शन, सुरक्षित यात्रा, और जानकारीपूर्ण नोटिस बोर्ड।

सांध्यप्रकाश विशेष

45 साल की सरकारी सेवा के बाद अमिताभ कांत ने लिया ब्रेक

PM ने प्रभावी जी20 शेरपा की भूमिका से उनका इस्तीफा स्वीकार किया

नई दिल्ली, एजेंसी। 45 साल की सरकारी सेवा के बाद अमिताभ कांत ने सरकारी सेवा से ब्रेक ले लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रभावी जी20 शेरपा की भूमिका से उनका इस्तीफा स्वीकार कर दिया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा में 1980 बैच के पूर्व IAS अधिकारी भारत के सबसे प्रतिष्ठित नौकरशाहों में से एक अमिताभ कांत, जिन्होंने देश के जी20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व CEO के रूप में कार्य किया, ने 45 साल के शानदार करियर के बाद सरकारी सेवा से ब्रेक ले लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 जून, 2025 से प्रभावी जी20 शेरपा की भूमिका से उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

कांत ने भारत की जी-20 की अध्यक्षता के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, विशेष रूप से 9-10 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित सफल शिखर सम्मेलन में। उन्होंने जुलाई 2022 में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के स्थान पर जी-20 शेरपा का पदभार संभाला। उन्होंने भविष्य की योजनाओं का संकेत देते हुए कहा कि वह मुक्त उद्यम, स्टार्टअप, थिंक टैंक और शैक्षणिक संस्थानों को समर्थन देकर भारत के विकसित भारत के विजन में योगदान देने के लिए तत्पर हैं। अपने लिंक्डइन प्रोफाइल पर, कांत ने अपने चार दशक लंबे करियर का विस्तृत विवरण साझा किया, जो केरल से शुरू हुआ, जहां उन्होंने प्रतिष्ठित ÷ गॉड्स ओन कंट्री ÷ पर्यटन अभियान शुरू किया और कालीकट शहर को पुनर्जीवित करने, हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे में सुधार करने और स्थानीय मछली पकड़ने वाले समुदायों को विशेष मदद करने की पहल की। औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग के सचिव के रूप में, उन्होंने व्यापार करने में आसानी, मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसे प्रमुख सुधार कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे विश्व बैंक के व्यापार करने में आसानी सूचकांक में भारत की स्थिति कुल मिलाकर 79 रैंक ऊपर उठ गई। नीति आयोग (2016-2022) के CEO के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने आकांक्षी जिला कार्यक्रम, एसडीजी स्थानीयकरण, राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन और लाइफ़स्टाइल (पर्यावरण के लिए जीवनशैली) पहल सहित परिवर्तनकारी परियोजनाओं का नेतृत्व किया। उन्होंने अटल इनोवेशन मिशन, पीएलआई योजनाओं और ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के माध्यम से भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में भी केंद्रीय भूमिका निभाई।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्रा जैसे वरिष्ठ नेताओं और ब्यूरोक्रेट्स का आभार व्यक्त करते हुए कांत ने कहा, ÷मेरे मंत्रियों-सुश्री निर्मला सीतारमण और डॉ. एस. जयशंकर और प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव श्री पीके मिश्रा- का मैं मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आभारी हूँ। मेरे सभी सहयोगियों, मार्गदर्शकों और मित्रों- आपकी प्रेरणा के लिए धन्यवाद।

घरेलू शेयर बाजार की सपाट शुरुआत; लाल और हरे निशान के बीच झूलते दिखे सेंसेक्स-निफ्टी

मुंबई। इससे पहले घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को हरियाली दिखी थी। पिछले हफ्ते के आखिरी दो कारोबारी दिनों में बीएसई बेंचमार्क में 1,396.54 अंक या 1.69त्न की गिरावट आई थी, जबकि निफ्टी में 422.8 अंक या 1.68त्न की गिरावट आई थी। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को सपाट शुरुआत देखी गई। लाल निशान पर खुला बाजार हरे निशान पर भी आया, लेकिन यह हरियाली ज्यादा देर नहीं टिकी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 127.02 अंक गिरकर 81,669.13 पर आ गया, जबकि निफ्टी 55 अंक गिरकर 24,891.50 पर पहुंचा। ऐसे ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 8 पैसे बढ़कर 85.96 पर खुला।

बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई, जबकि पिछले सत्र में इसमें तेजी दर्ज की गई थी। निवेशकों में इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के मद्देनजर सतर्कता इस गिरावट की वजह हो सकती है। विशेषज्ञों ने कहा कि निवेशक इस सप्ताह के अंत में अमेरिकी फेड की ओर से ब्याज दर के फैसले से पहले भी अलग-थलग रहना पसंद कर रहे हैं।

OUR PREDICTION CAME TRUE
WHISPERSINTHECORRIDORS.COM
WHEN WE PREDICTED INDO-PAK WAR ONE MONTH AHEAD
In May 2025, conflict erupted between India and Pakistan
(WE SAID THIS ON APRIL 06, 2025)
Pakistan to face music!
This time India is not going to be mild in actions against Pakistan. India will attack Pakistan on all fronts in coming weeks -diplomatic, economic and military.

OUR PREDICTION CAME TRUE
WHISPERSINTHECORRIDORS.COM
WHEN WE PREDICTED IRAN-US ISRAEL WAR ONE MONTH AHEAD
Trump supports Israel and US launch attacks against Iran on June 12
(WE SAID THIS ON APRIL 16, 2025)
Will the US attack Iran in June?
As per indications, if talks between Iran and US failed, there would be chances that US may attack Iran in June. Main issue between the two is the nuclear programme.

'थ्रस्ट टेक इंडिया' का इसरो के लिए सफल रॉकेट परीक्षण, युवाओं के स्टार्टअप ने भरी सपनों की उड़ान

नई दिल्ली, एजेंसी। यह उत्तर प्रदेश से रॉकेट के माध्यम से पेलोड प्रक्षेपण का पहला सफल प्रयास था। IN-SPACe के निदेशक विनोद कुमार ने इस परीक्षण को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया, जो IN-SPACe CANSAT और मॉडल रॉकेट्री इंडिया स्टूडेंट प्रतियोगिता के लिए किया गया था। यह परीक्षण छात्रों और युवाओं में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के प्रति रुचि जगाने के लिए डिजाइन किया गया है। रॉकेट और पेलोड दोनों का सुरक्षित प्रक्षेपण और रिकवरी थ्रस्ट टेक इंडिया की तकनीकी क्षमता को दर्शाता है। रविवार को इसरो ने उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में मॉडल रॉकेट लॉन्च का सफल परीक्षण किया। ÷थ्रस्ट टेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड÷ नामक एक निजी कंपनी ने मॉडल रॉकेट के लिए लॉन्चर सिस्टम सत्यापन परीक्षण के लिए ये सफल परीक्षण किया। इस सफलता के बाद अब ÷थ्रस्ट टेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड÷ कंपनी इसरो के साथ मिलकर काम करेगी।बता दें कि इसरो और भारतीय सरकार रॉकेट साइंस को लेकर दो प्रतियोगिता करने वाले हैं। इसका उद्देश्य युवाओं को इस क्षेत्र में आने के लिए प्रोत्साहित करना है। इनमें एक रॉकेट्री कॉम्पिटिशन होगी और दूसरी केनसेट। इन कॉम्पिटिशन के लिए रॉकेट और इंजन की आवश्यकता होगी और ÷थ्रस्ट टेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को इसी के लिए चुना गया था, जिसका सफल परीक्षण किया गया है।

थ्रस्ट टेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने किया सफल रॉकेट परीक्षण

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के साथ थ्रस्ट टेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड÷ ने 14-15 जून को कुशीनगर, उत्तर प्रदेश के तमकुही राज में रकाबा जंगल पट्टी सेवरही में एक मॉडल रॉकेट के लिए लॉन्चर सिस्टम सत्यापन परीक्षण के लिए सफल परीक्षण किया। इस मॉडल रॉकेट का वजन 15 किलोग्राम था। रॉकेट बॉडी और ष्टहृस्न्ञ को पैराशूट की मदद से सफलतापूर्वक नीचे लाया गया और वापस लाया गया। लॉन्चर के पैरामीटर प्रतियोगिता की आवश्यकता को पूरा करते हैं। इस परीक्ष के लिए पूरी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी और सफल परीक्षण ने थ्रस्ट टेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की योग्यता को एक बार फिर साबित किया।

अब ISRO के साथ काम करेगी ऊर्जावान युवाओं की टीम

थ्रस्ट टेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नाम के इस स्टार्टअप की नींव तीन युवाओं द्वारा 2023 में रखी गई थी। उत्तर प्रदेश में हुए रॉकेट परीक्षण में टीम के पाँच सदस्य एयरोस्पेस इंजीनियर अद्वैत सिधना और सुभद्र गुप्ता, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कन्यूनिकेशन इंजीनियर अमन अग्रवाल, टेक्निकल हैड प्रजोत गोरखे और मीडिया को-हैड कौस्तुभ कुमावत शामिल थे।

गिरावट के बावजूद यात्री वाहनों की दूसरी बार रिकॉर्ड बिक्री, मई में 2012969 वाहन बिके

नई दिल्ली, एजेंसी। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने सभी श्रेणी के कुल 20,12,969 वाहन बिके। यह मई, 2024 में बिके 19,76,674 वाहनों से 1.8 फीसदी अधिक है। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, रेपो दर में फरवरी से अब तक एक फीसदी की कटौती और सामान्य से अधिक मानसून से वाहन क्षेत्र पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

घरेलू बाजार में यात्री वाहनों (पीवी) की थोक बिक्री मई, 2025 में सालाना आधार पर 0.8 फीसदी घटकर 3,44,656 इकाई रह गई।?इस गिरावट के बावजूद यात्री वाहनों की बिक्री मई में अब तक दूसरी बार सबसे ज्यादा रही।?एक साल पहले की समान अवधि में 3,47,492 पीवी बिके थे। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने सभी श्रेणी के कुल 20,12,969 वाहन बिके।?यह मई, 2024 में बिके 19,76,674 वाहनों से 1.8 फीसदी अधिक है। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, रेपो दर में फरवरी से अब तक एक फीसदी की कटौती और सामान्य से अधिक मानसून से वाहन क्षेत्र पर सकारात्मक असर पड़ेगा। यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री में मारुति सुजुकी इंडिया सबसे आगे रही।कंपनी ने मई में कुल 1,35,962 यात्री वाहन बेचे।महिंद्रा एंड महिंद्रा ने एक साल पहले के 43,218 की तुलना में 52,431 यात्री वाहन बेचे।?ह्युंडई मोटर इंडिया की बिक्री 49,151 से घटकर 43,861 इकाई रही।? आंकड़ों के मुताबिक, दोपहिया वाहनों की बिक्री मई में सालाना आधार पर 2.2 फीसदी बढ़कर 16,55,927 इकाई पहुंच गई। मोटरसाइकिल की थोक बिक्री 10,39,156 इकाई पर लगभग स्थिर रही। स्कूटर बिक्री 7.1त्न बढ़कर 5,79,507 इकाई पहुंची। तिपहिया वाहनों की बिक्री 3.3 फीसदी घटकर 53,942 इकाई।

सोने के रेट में आई गिरावट, चांदी की कीमतों में 100 प्रति किलो का उछाल

मुंबई, एजेंसी। जून के दूसरे हफ्ते में सोने चांदी की कीमतों में उतार चढ़ाव का दौर जारी है। अगर आप आज मंगलवार को सोना या चांदी खरीदने की सोच रहे है तो पहले आज 17 जून का ताजा भाव जान लीजिए। आज सोने के दाम में 1140 प्रति 10 ग्राम की गिरावट आई है लेकिन चांदी की कीमतों में 100 प्रति किलो का उछाल आया है। नई कीमतों के बाद सोने और चांदी के भाव 1 लाख पार ट्रेंड कर रहे है।

आज मंगलवार को सराफा बाजार की ओर जारी सोने और चांदी के अनुसार आज 17 जून 2025 को 22 कैरेट सोने के दाम 92,150 , 24 कैरेट का भाव 1,00, 520 और 18 ग्राम सोने का रेट 75,400 रुपए पर ट्रेंड कर रहे है। वहीं 1 किलो चांदी का रेट 1, 09, 900 हजार रुपए चल रहा है।

18 कैरेट सोने का आज का भाव दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 75 400/- रुपये। कोलकाता और मुंबई सराफा बाजार में 75, 280/- रुपये। इंदौर और भोपाल में सोने का भाव 75, 320 चल रहा है। चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 75, 750/- रुपये पर ट्रेड कर रही है।

22 कैरेट सोने का आज का भाव भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 92, 050/- रुपये। जयपुर, लखनऊ, दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 92, 150/- रुपये। हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई सराफा बाजार में 92, 000/- रुपये ट्रेंड कर रहा है। 24 कैरेट सोने का आज का भाव भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 1,00,420 रुपये दिल्ली जयपुर लखनऊ और चंडीगढ़ सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 1,00,520/- रुपये। हैदराबाद, केरल, बैंगलुरू और मुंबई सराफा बाजार में 1,00, 370/- रुपये। चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 1,00, 370/- रुपये पर ट्रेंड कर रहा है। जयपुर कोलकाता अहमदाबाद लखनऊ मुंबई दिल्ली सराफा बाजार में 01 किलोग्राम चांदी की कीमत 1,10, 00 /- रुपये चल रही है। चेन्नई, मदुरै, हैदराबाद,और केरल सराफा बाजार में कीमत 1,20,000/- रुपये। भोपाल और इंदौर में 1 किलो चांदी की कीमत 1,10, 000/ रुपए ट्रेंड कर रही है

अन्न भंडारण में 20 लाख टन की अतिरिक्त क्षमता हासिल, तीन साल तक के लिए किया जा सकता है भंडार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 40 लाख टन क्षमता वाले स्टील साइलो का निर्माण कार्य चल रहा है, जबकि 25 लाख टन क्षमता के लिए निविदा की प्रक्रिया जारी है।

अन्न भंडारण सुविधाओं को आधुनिक बनाने के लिए केंद्र सरकार ने पिछले 11 वर्षों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत देशभर में कुल 19.5 लाख टन क्षमता वाले स्टील साइलो यानी भंडारगृह बनाए हैं। इन आधुनिक भंडारगृह की मदद से भंडारण तीन साल तक के लिए किया जा सकता है। पूरी तरह से स्वचालित और आधुनिक सुविधाओं से लैस भंडारगृहों ने अन्नों की बर्बादी को भी कम किया है। केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 40 लाख टन क्षमता वाले स्टील साइलो का निर्माण कार्य चल रहा है, जबकि 25 लाख टन क्षमता के लिए निविदा की प्रक्रिया जारी है। इस पीपीपी मॉडल के तहत लीप एग्री लॉजिस्टिक्स (बड़ौदा) प्राइवेट लि. ने भी केंद्र सरकार की ओर से 50,000 टन गेहूं के भंडारण के लिए स्टील साइलो परियोजना स्थापित की है। केंद्र सरकार के प्रयासों के तहत भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) पीपीपी मॉडल में स्टील साइलो का निर्माण कर रहा है, ताकि खाद्यान्न को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सके। अधिकारी ने कहा, पिछले 11 वर्षों से 38 स्थानों पर पीपीपी मोड के तहत 19.50 लाख टन क्षमता वाले साइलो का निर्माण किया गया है। इसके अलावा, 90 स्थानों पर 39,62,500 टन क्षमता वाले साइलो का निर्माण किया जा रहा है। ये साइलो परियोजनाएं डिजाइन, निर्माण, वित्त, स्वामित्व और संचालन (डीबीएफओओ) या डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण (डीबीएफओटी) के आधार पर बनाई जा रही हैं। इन्हें निजी स्वामित्व वाली भूमि और एफसीआई भूखंड, दोनों पर स्थापित किया जा रहा है।

कराते अकादमी के खिलाड़ियों ने जीते 3 स्वर्ण पदक, मंत्री सारंग ने दी विजेताओं को बधाई

के-10 नेशनल कराते चैम्पियनशिप

भोपाल। देहरादून में 11 से 15 जून तक आयोजित के-10 नेशनल कराते चैम्पियनशिप में राज्य कराते अकादमी के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 3 स्वर्ण पदक अर्जित है। चैम्पियनशिप के जूनियर एवं सब-जूनियर वर्ग में अकादमी के 7 खिलाड़ियों ने भागीदारी की। प्रतियोगिता में अकादमी की खिलाड़ी धरकन शाह, कल्याणी कोडोपे एवं रूशा तांबत ने स्वर्ण पदक अर्जित कर प्रदेश को गौरन्वित किया। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनकी सराहना की है। प्रतियोगिता के 53 किलोग्राम भार वर्ग की जूनियर स्पर्धा में अकादमी के खिलाड़ी धरकन शाह ने स्वर्ण पदक अर्जित किया। धरकन ने पहले राउंड में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी को 8-0 शिकस्त दी। दूसरे राउंड में राजस्थान के खिलाड़ी से 7-3 के अंतर से मुकाबला जीता। तीसरे एवं चौथे राउंड में क्रमशः हरियाणा एवं अरूणाचल प्रदेश के खिलाड़ियों को 8-0 के अंतर से परास्त कर फायनल में प्रवेश किया। फायनल राउंड में धरकन शाह ने बिहार के खिलाड़ी को 8-0 से एकतरफा परास्त कर स्वर्ण पदक अर्जित किया।

चैम्पियनशिप के 66 किलोग्राम भार वर्ग की जूनियर स्पर्धा में अकादमी की खिलाड़ी कल्याणी कोडोपे ने स्वर्ण पदक अर्जित किया। कल्याणी ने पहले राउंड में महाराष्ट्र की खिलाड़ी

को 9-0 से परास्त किया। दूसरे राउंड में राजस्थान की खिलाड़ी को 8-0 एवं तीसरे

राउंड में दिल्ली की खिलाड़ी को 8-0 से शिकस्त दी। चौथे राउंड में कल्याणी ने छत्तीसगढ़ की खिलाड़ी को 8-2 से परास्त कर स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

चैम्पियनशिप के 59 किलोग्राम भार वर्ग की जूनियर स्पर्धा में अकादमी की खिलाड़ी रूशा तांबत ने स्वर्ण पदक अर्जित किया। स्पर्धा में रूशा ने पहले राउंड में राजस्थान की खिलाड़ी को 8-0 तथा दूसरे राउंड में नागालैण्ड की खिलाड़ी को 5-0 से शिकस्त देकर क्वार्टर फायनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फायनल में रूशा ने कर्नाटक की खिलाड़ी को 8-2 से एवं सेमी फायनल मुकाबले में हरियाणा की खिलाड़ी को 6-1 से परास्त कर फायनल में प्रवेश किया। फायनल मुकाबले में रूशा तांबत ने उत्तराखण्ड की खिलाड़ी को मुकाबले में 9-0 से परास्त कर स्वर्ण पदक जीता।

पुलिस हिरासत में कैदी की मौत
पत्नि ने लगाया मारपीट का आरोप

छिंदवाड़ा। जेल में कैद आरोपी भाऊराव उईके की सोमवार की सुबह जेल में ही मौत हुई है। हालांकि जेल प्रबंधन ने उसे जिला अस्पताल लाया। जहां डॉक्टर ने भाऊराव को मृत घोषित किया।पत्नी शर्मिला उईके का आरोप है कि उनके पति को पांढुर्णा शराब ठेकेदार के लोगों ने 30 हजार पुलिस को देकर केस दर्ज किया है। जब की उनके पति कोई शराब नहीं बेचते है। बता दे कि 2 जून को मांडवी से भाऊराव को पांढुर्णा पुलिस ने कच्छी शराब के साथ गिरफ्तार किया था। जिस पर पांढुर्णा पुलिस ने 34/2 के तहत मामला दर्ज करके छिंदवाड़ा जेल भेज दिया था। जहां सोमवार को उसकी मौत हुई।

अमरवाड़ा नगरपालिका पीआईसी बैठक संपन्न

अमरवाड़ा। नगरपालिका अमरवाड़ा की प्रेसिडेंड इन काउंसिल की बैठक अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई ।बैठक में विभिन्न निर्माण कार्यों सहित नगर विकास के प्रस्ताव पारित किए गए । पारित प्रस्तावों में वार्ड 14 स्टेडियम ग्राउंड में इंडोर स्टेडियम के अधूरे कक्ष के स्थान पर खेल गतिविधि केंद्र निर्माण करने, सभी वार्डो में हाईमास्ट लाइट पोल स्थापना,वार्ड 14 में अजय सक्सेना से मैन रोड तक नाली निर्माण,वार्ड -12 में सी एल विश्वकर्मा से मैन रोड तक डामरीकृत सड़क निर्माण, वार्ड-14 में रातिभान उईके से ब्रज विश्वकर्मा तक सीसी रोड निर्माण,वार्ड-06 में चर्च के सामने पेवर्स ब्लॉक लगाने, वार्ड-03 में बायपास रोड से 100 मीटर सीसी रोड निर्माण, आईडीएसएमटी योजना से बस स्टैंड में डोम टाइप शेड निर्माण, कर्मचारियों के अर्जित अवकाश स्वीकृति के प्रस्ताव पारित किए गए ।बैठक में नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी सभापति-आरिफ़ शाह,श्रीमती संजू सूर्यवंशी,श्रीमती नीतू पटेल, श्रीमती कल्पना साहू, अर्पित श्रीवास्तव, राजकुमार बरकड़े मुख्य नगरपालिका अधिकारी रोशन सिंह बॉथम, उपयंत्री श्रुति शुक्ला , प्रभारी लेखापाल मनोज ठाकुर राजस्व प्रभारी जितेंद्र गौर उपस्थित रहे ।

किशोर सांवले बने मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष
जिला समिति ने किया पौधा रोपण

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के संभागीय निरीक्षण समिति अध्यक्ष दीपक सावनेरे ने बताया

की पूर्व जिला अध्यक्ष संजीव कपाले द्वारा शासकीय सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के कारण जिला अध्यक्ष पद से त्यागपत्र देने के उपरांत कार्यकारी अध्यक्ष को प्रभार दिया था। इसकी सूचना प्रदेश कार्यालय भोपाल को भेजी गई। अध्यक्ष पद हेतु सभी की सहमति से किशोर सांवले का नाम प्रस्तावित किया गया था जिसे प्रांत अध्यक्ष महेंद्र शर्मा द्वारा जिला अध्यक्ष पद हेतु किशोर सांवले को आगामी आदेश तक मनोनीत किया गया एवं पूर्व जिला अध्यक्ष के द्वारा नवनियुक्त जिला अध्यक्ष को प्रभार सौपा गया। श्री सावनेरे बताया कि मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के प्रांत अध्यक्ष महेंद्र शर्मा के जन्म दिवस के उपलक्ष में मप्र लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला शाखा छिंदवाड़ा के द्वारा स्थानीय मोक्ष धाम चंदनगांव में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न किया गया।

बच्चों के लिए गायत्री परिवार का शिविर 19-20 को

छिंदवाडा। गायत्री परिवार ट्रस्ट मंडल छिंदवाड़ा द्वारा बालक एवं बालिकाओं के लिए विशेष दो दिवसीय शिविर प्रज्ञा चेतना विकास शिविर दिनांक 19-20 जून को गायत्री शक्तिपीठ, मधुबन कॉलोनी, छिंदवाड़ा में आयोजित किया जा रहा है, शिविर की प्रमुख विशेषताएँ बच्चों के व्यक्तित्व विकास एवं मानसिक संतुलन हेतु विशेष गतिविधियाँ, ग्रेटनेस लाइफ मैनेजमेंट, उन्नत योगासन प्रशिक्षण, कला कौशल विकास, सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्य कार्यक्रम, स्ट्रेस, एंज़ायटी, हाइपरथायरॉइड व माइंड बैलेंस थेरेपी, ब्रेन बैलेंस प्रोग्राम होगी इस शिविर का आयोजन चार सत्रों में किया गया ।

लावारिश पशु को मारी अज्ञात वाहन ने टक्कर

छिंदवाड़ा। विश्व हिंदू परिषद जिला गौ रक्षा प्रमुख ऋषभ तिवारी ने बताया कि रविवार रात्रि करीब 11:30 नरसिंहपुर रोड पर लापरवाही पूर्वक अज्ञात वाहन ने गाय के बछड़े को टक्कर मार कर भाग गया सूचना मिलते ही कुंडीपुरा थाना प्रभारी मनोज बघेल, डॉ टांडेकर मौके पर पहुंचे और जनता की मदद से बछड़े को पकड़ कर उसका प्राथमिक उपचार कराया गया इस अवसर पर स्थानीय रहवासी ऋषभ सेंगर, रूपचन्द्र यदुवंशी,जय यदुवंशी,दीप पटेल उपस्थित थे।विश्व हिंदू परिषद का आरोप पशुओं की व्यवस्था मे निगम का कोई ध्यान नहीं है सिर्फ अधिकारियों के बंगले व दफ्तरों के सामने से लावारिश पशु गौ शाला पहुंचाया जाता बाकी शहर मे नगर निगम का कोई ध्यान नहीं निगम की पशुओं के प्रति विगत वर्षो से लापरवाही जारी ही है ।

भदोरिया बने कांग्रेस सेवादल नगर अध्यक्ष

सांध्य प्रकाश- इटारसी- जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अमित गुप्ता ने सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष योगेश

यादव के निर्देश एवं वरिष्ठ कांग्रेसियों की सहमति से मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवा दल यंग ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष गजानंद तिवारी की अनुशंसा पर करण भदोरिया को नगर कांग्रेस सेवा दल का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस उपलब्धि पर घनिष्ठ मित्रों सहित इटारसी नगर कांग्रेस सेवा दल, महिला सेवा दल यंग ब्रिगेड और समस्त कांग्रेस जनों ने करण भदोरिया के उज्जवल भविष्य की कामनाओं के साथ बधाई प्रेषित की । उल्लेखनीय है कि करण सिंह भदोरिया अभी वर्तमान में जिला महामंत्री के पद पर नियुक्त रहें। उनकी गहरी सक्रियता और रुचि को देखते हुए कांग्रेस ने उन्हें अध्यक्ष पद से नवाजा है ।

हेडक्वार्टर में रहें पीएचई के सभी सहायक एवं उपयंत्री: कलेक्टर
सीएम हेल्पलाइन शिकायतों को गंभीरता से लेने की हिदायत दी, सभी विभागों को ए ग्रेड में रहने के निर्देश दिए

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में समय सीमा के लंबित प्रकरणों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बैठक में सीएम हेल्पलाइन, सीएम कार्यालय, सीएम हाउस, विभिन्न आयोगों, वरिष्ठ कार्यालयों एवं न्यायालयों से जुड़े लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की। साथ ही विभिन्न समसामयिक एवं अंतर्विभागीय मुद्दों पर भी चर्चा की और महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने निराकरण योग्य सीएम हेल्पलाइन शिकायतों को भी अनावश्यक लंबित रखने पर कड़ी नाराजगी जताई। कई शिकायतें केवल निचले स्तर से जांच प्रतिवेदन प्राप्त न होने पर लंबित पाई गईं। कलेक्टर श्री सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी विभाग प्रमुख फील्ड अमले से जांच प्रतिवेदन एक सप्ताह के अंदर प्राप्त करना और शिकायत में निराकरण दर्ज कराना सुनिश्चित कराएं। भविष्य में इस तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जायेगी। ऐसे अधिकारियों की लापरवाही के कारण जिले की रैंकिंग खराब होती है। उन्होंने सभी विभागों को सीएम हेल्पलाइन शिकायतों को गंभीरता से लेने व हर माह % ए % ग्रेड में रहने के निर्देश दिए हैं। गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निराकरण के लिए विशेष प्रयास करने के लिए भी निर्देशित किया है।

प्रभारी मंत्री श्री सिंह से प्राप्त आवेदनों का जवाब एक सप्ताह में भेजने के दिये निर्देश

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि प्रभारी मंत्री श्री सिंह के जिले में दौरे के दौरान उन्हें विभिन्न आवेदन प्राप्त हुये हैं। ये आवेदन संबंधित विभागों को भेजे गए हैं, लेकिन सभी में जवाब अभी तक अप्राप्त है। सभी संबंधित विभाग एक सप्ताह के अंदर इन आवेदनों में जवाब भेजना सुनिश्चित करें। अगली टी.एल.बैठक में इस आशय का प्रमाण पत्र भी लेकर आएं।

पी.एच.ई के नवागत दोनों कार्यपालन यंत्रियों का तय किया वीकली टारगेट

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत दोनों संभागों छिंदवाड़ा एवं परासिया में नवागत कार्यपालन यंत्रियों श्री सुधांशु जैन और श्री रवि वर्मा ने पदभार ग्रहण कर लिया है। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में जल जीवन मिशन की धीमे रफ्तार को गति देने के लिए दोनों अधिकारियों के वीकली टारगेट तय किए। जून माह का कुल टारगेट 7000 एफ.एच.टी.सी.कनेक्शन का रखा गया है। साथ ही सख्त हिदायत दी कि विभाग के सभी सहायक यंत्री एवं उप यंत्रियों की उपस्थिति अपने-अपने हेडक्वार्टर में सुनिश्चित कराएं और सुबह से फील्ड पर शेष एफ.एच.टी.सी. का काम चालू हो जाए। ठेकेदारों से भी सख्ती से काम लें।

स्वस्थ लिवर अभियान का सफल क्रियान्वयन कराने के निर्देश

कलेक्टर ने प्रदेश में प्रारंभ हुए स्वस्थ लिवर अभियान का जिले में बेहतर क्रियान्वयन कराने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग की टीम और सभी एसडीएम को दिए हैं। इसकी प्रारंभिक जांच हाइट, कमर की नाप और वजन के आधार पर की जाती है। सभी आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से भी यह जांच सुनिश्चित करवाएं। इसकी डेली रिव्यू मीटिंग में भी समीक्षा की जाएगी।

सर्वसुविधायुक्त किराए के भवन में संचालितहो आंगनबाड़ी केंद्र

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि देखने में आया है कि जो आंगनबाड़ी केंद्र किराए के भवनों में संचालित किए जा रहे हैं, वहां मूलभूत सुविधाएं नहीं हैं। यदि कोई आंगनबाड़ी केंद्र शासकीय भवन की अनुपलब्धता पर किराए के कक्ष या भवन में संचालित किया जा रहा है, तो यह सुनिश्चित कराएं कि जब किराया दिया जा रहा है तो यह सर्वसुविधायुक्त ही हो। सभी एसडीएम भी इसकी समीक्षा करें।

खाद का सोसायटी के माध्यम से हो सुचारू वितरण

कलेक्टर श्री सिंह ने मार्कफेड, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक और सभी एसडीएम को निर्देश दिए हैं कि जिले में खाद का सुचारू वितरण जारी रहे। कहीं भी किसानों को कोई परेशानी नहीं हो। सोसाइटी के माध्यम से खाद का अधिकतम वितरण कराया जाए। सभी सोसाइटी में यह सुनिश्चित कराएं कि जितनी खाद उपलब्ध है, ऑनलाइन पोर्टल पर भी उतनी ही दिखे। जिससे जिले को आवश्यकता के अनुरूप लगातार रैक प्राप्त होती रहे।

जिले को एक और उपलब्धि पर बधाई दी

नीट 2025 की परीक्षा में जिले के सरकारी स्कूलों के क्वालीफाई करने वाले विद्यार्थियों की संख्या बढ़कर 55 हो गई है। जिले के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी क्वालीफाई हुए हैं, जिनका डॉक्टर बनने का सपना साकार होगा। इसके लिए कलेक्टर श्री सिंह ने स्कूल शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग की पूरी टीम को बधाई देने के साथ ही जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने समय-समय पर स्कूलों में पहुंचकर विद्यार्थियों और शिक्षकों का उत्साह बढ़ाया और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिए अपना बहुमूल्य समय और योगदान दिया। आपका यह प्रयास जिले के विद्यार्थियों के लिए %लाइफ चेंजिंग% साबित होगा। कलेक्टर ने कहा कि जेईई और नीट में मिली यह उपलब्धि, यह दर्शाती है कि संयुक्त प्रयास किए जाएं तो कुछ भी असंभव नहीं है। हमारे सरकारी स्कूलों के शिक्षकों और विद्यार्थियों में असीमित क्षमताएं हैं।

सिवनी छिंदवाड़ा सावनेर फोर लाईन सड़क बनना चाहिए
क्रांतिकारी सड़क मंत्री को आदेश देने की आवश्यकता

छिंदवाड़ा। दुर्घटनाओं में मौत की कमी करना है तो छिंदवाड़ा सिवनी एवं छिंदवाड़ा सावनेर को फोर लेन सड़क में बदलना होगा, केन्द्रीय क्रान्तिकारी मंत्री नितिन गडकरी के लिए सिर्फ आदेश करना है सरकार के पास रूपयों की कमी नही है। आंकड़ो के अनुसार 2024 में 550 दुर्घटनायें हुई जिसमें 200 से ज्यादा लोगों की जानें गई, जनवरी 25 से 31 मई2025 तक 556 दुर्घटनायें हुई जिसमें 718 घायल हुये और 218 जानें गई। छिंदवाड़ा से सिवनी एवं छिंदवाड़ा से सावनेर तक टू लेन सड़क है,

जिसे 4 लेन सड़क किया जा सकता है, फोरलेन सड़क होने से हादसे कम होगे और लोगों की जाने कम जायेगी। केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी सड़कों के निर्माण में क्रान्तिकारी मंत्री है, इन्हें सिर्फ आदेश ही देना है साल-6 माह में सड़क चौड़ी हो जावेगी, नितिन गडकरी नागपुर के हो और छिंदवाड़ा के बारे में जानते है, छिंदवाड़ा जिले की परिस्थितियां उनसे छिपी नहीं है। पूर्व में कमलनाथ सड़क परिवहन मंत्री थे तो उन्होने जिले में बाईपास सड़को का निर्माण करवाया था। जिले में पहली बार भाजपा के सांसद को जनता ने चुना है अब यदि सड़क फोर लेन बनेगी तो इसका श्रेय कमलनाथ को नहीं भाजपा को मिलेगा। छिंदवाड़ा के विकास पर इसीलिए रोक लगी है कि कही उसका श्रेय कमलनाथ को न मिले किन्तु अब परिस्थितियां बदल चुकी है केन्द्र एवं राज्य सरकारों को चाहिये कि जिले के सभी विकास कार्यो को तेजी से आगे बढाने की आवश्यकता है।

क्यो होती है दूर्घटनायें

सड़को के किनारे एक पट्टी होती है जिसमें दुपहिया वाहन चलते है, किन्तु बहुत से दुपहिया वाहन चालक सड़को के बीच चलते है और पीछे से तेज रफ्तार वाहन अपनी स्पीड कन्ट्रोल नही कर पाते और ठोस मारकर आगे बढ़ जाते है जिससे दोनों ही दुर्घटना ग्रस्त होते है। सड़क परिवहन विभाग नियमों में परिवर्तन करे एवं सड़क किनारे पट्टे थोड़े चौड़े कर जिससे दुपहिया वाहन उसके अन्दर ही चले जिससे दुर्घटनायें नही होगी और जाने बचेगी। मंत्रालय इस पर विचार कर दुपहिया वाहनों के लिए मार्ग थोड़ा चौड़ा करें जो फोर लेन में सम्भव होगा।

सिवनी बैतूल ट्रेन ईटारसी तक बढाने की मांग
बैतूल में चार घन्टे खड़ी रती है

छिंदवाड़ा। सिवनी के पूर्व सांसद डॉ. ढालसिंह बिसेन के प्रयास से पेंचव्हेली एक्सप्रेस ट्रेन नैनपुर तक बढा दी गई है और रेल्वे नई ट्रेन सिवनी बैतूल पैसेन्जर प्रारम्भ की है, यह ट्रेन पहले भी चलती थी किन्तु पेंचव्हेली को नैनपुर तक बढ़ाने से अब नई कोच में सिवनी बैतूल ट्रेन चलेगी। यह ट्रेन सेन्ट्रल रेल्वे की है। नये रैक में यह ट्रेन सिवनी से सुबह 5.30 बजे चल कर 7.10 बजे छिंदवाड़ा 11.30 बजे आमला एवं 12.35 बैतूल पहुंचेगी। छिंदवाड़ा से 4 बजे छूटेगी और 10.30 पर सिवनी पहुंचेगी। छिंदवाड़ा से बैतूल का सीधा संबंध नहीं है, इस ट्रेन को इटारसी तक बढ़ाया जा सकता है क्योकि यह ट्रेन चार घंटे बैतूल में खड़ी रहती है।

ट्रेन यदि ईटारसी तक चलती है तो इटारसी से खण्डवा लाईन एवं जबलपुर लाईन के यात्री को फायदा होगा, चूकि नया ट्रेक है इसीलिए इसके समय को आगे पीछे किया जा सकता है, छिंदवाड़ा के सांसद बंटी साहू इस संबंध में रेल मंत्री से चर्चा करनी चाहिये कि ट्रेन ईटारसी तक बढ़ा दी जाये। सिवनी, नैनपुर,बालाघाट, मण्डला के यात्रियों को फायदा होगा। क्योकि ट्रेन सिवनी में रात भर खड़ी रहेगी इसीलिए इसके समय को आगे पीछे किया जा सकता है।

21 जून को भव्य रूप में मनाया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
जिला स्तरीय कार्यक्रम ओलिंपिक स्टेडियम में होग

।छिंदवाड़ा। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के निर्देशानुसार आगामी 21 जून 2025 को 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे देश में उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। इसी क्रम में छिंदवाड़ा जिले में भी योग दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय बैठक में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आयोजन की रूपरेखा तय की गई। यह बैठक कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें जिला पंचायत सीईओ श्री अग्रिम कुमार, प्रभारी अपर कलेक्टर श्रीमती अंकिता त्रिपाठी, एसडीएम छिंदवाड़ा श्री सुधीर जैन, जिला शिक्षा अधिकारी श्री जी.एस. बघेल सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं विभिन्न संस्थाओं के योग प्रशिक्षक उपस्थित थे।इस वर्ष योग दिवस का जिला स्तरीय मुख्य आयोजन जिला मुख्यालय स्थित ओलिंपिक स्टेडियम में 21 जून 2025 को प्रातः 6:00 से 7:45 बजे तक आयोजित किया जाएगा। यदि मौसम प्रतिकूल हुआ या वर्षा हुई, तो कार्यक्रम ओलिंपिक स्टेडियम ग्राउंड के अंदर स्थित बैडमिंटन कोर्ट में संपन्न किया जाएगा। कलेक्टर श्री सिंह ने इस आयोजन में जिले के गणमान्य नागरिक,जनप्रतिनिधि, छात्र, स्वयंसेवी संस्थाएं, एनएसएस, एनसीसी कैडेट्स, शासकीय सेवक एवं आमजन सभी की सहभागिता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अधिकारियों को भी उपस्थित रहने और अधिक से अधिक महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। एनएसएस, एनसीसी एवं प्रशिक्षित कैडेट्स द्वारा विशेष योग प्रदर्शन भी किया जाएगा।

समय सारणी - शासन स्तर से निर्धारित कार्यक्रम की समय-सारणी के अनुसार प्रातः 6:00 बजे अतिथियों का आगमन व स्वागत होगा, प्रातः 6:00 से 6:30 के बीच स्थानीय जनप्रतिनिधियों का उद्बोधन, प्रातः 6:30 बजे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का उद्बोधन (भोपाल से सीधा प्रसारण), प्रातः 6:40 बजे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का उद्बोधन (विशाखापट्टनम से सीधा प्रसारण) किया जाएगा। जिसके बाद प्रातः 7:00 से 7:45 बजे तक सामान्य योग प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास किया जाएगा।

बुजुर्ग आदिवासी महिला की जमीन पर... शासकीय शिक्षक धौंस दिखाकर कर रहा कब्जा

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा में 70 वर्षीय आदिवासी बुजुर्ग महिला सुक्को बाई पति स्व रामदयाल नवरेती जो की अमरवाड़ा के वार्ड नंबर 4 की रहने वाली है, जिसकी कृषि भूमि 5 एकड़ अमरवाड़ा में स्थित है। बुजुर्ग महिला के द्वारा

विगत वर्ष 2024 में उक्त भूमि को सोंज बटाई के लिए शासकीय शिक्षक अंतलाल नवरेती एवं उसकी पत्नी कुसुम को प्रदान की गई थी और सोंज बटाई की शर्तों के अनुसार आधी फसल बुजुर्ग महिला को दिया जाना था, किंतु शासकीय शिक्षक और उसकी पत्नी के द्वारा बुजुर्ग महिला की परिस्थिति को देखते हुए उसके साथ धोखाधड़ी कर महिला को शर्त अनुसार आधी फसल नहीं दिया गया। 70 वर्षीय आदिवासी बुजुर्ग महिला के द्वारा 13 जून को अपनी कब्जे की भूमि पर मक्का की फसल की बोवनी की थी इसके बाद वह अपने घर आ गई। 14 जून को शासकीय शिक्षक अंतलाला नवरेती उसकी पत्नी कुसुम , पप्पू और उसका बेटा अंशुल ने पहुंचकर ट्रैक्टर चलाकर पीड़ित आदिवासी महिला की मक्का की फसल को नष्ट कर दिया, जिससे महिला को ?50000 की नुकसानी हुई। महिला के द्वारा घटना की शिकायत अमरवाड़ा थाना में की गई। वहीं महिला बुजुर्ग है जिसका बेटा और पति खत्म हो चुके हैं। बुजुर्ग महिला अकेली रहती है जिससे उसकी जान को खतरा भी है।लगातार शासकीय शिक्षक और उनके परिवार के लोग बुजुर्ग महिला की परिस्थितियों को देखते हुए उसकी जमीन पर कब्जा करने से आशाय से लगातार उसे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। 70 वर्षीय बुजुर्ग आदिवासी महिला के द्वारा न्याय की गुहार लगाई जा रही है।

मुनि श्री 108 महासागर महाराज संघ की आहारचार्य

अमरवाड़ा। छिंदवाड़ा में मंगल चातुर्मास के लिए मंगल विहार कर रहे आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 महासागर जी महाराज ससंघ ने सोमवार को करवडोल में आहारचार्य संपन्न होने के बाद दोपहर में छिंदवाड़ा की ओर मंगल विहार किया।

जैन श्वेतांबर समाज की चातुर्मास समिति का गठन

आष्टा। इस बार जैन श्वेतांबर समाज के श्री महावीर स्वामी गंज मन्दिर उपाश्रय में *परम पूज्य साध्वीवर्या नम्रव्रता श्री जी म. सा. आदि ठाणा* का चातुर्मास होना निश्चित हुआ है और म. सा. के प्रवेश की बेला समीप आती जा रही है। चातुर्मास सानंद, निर्विघ्न और व्यवस्थित रूप से संपन्न हो तथा समाजजनो को इसका पूरा लाभ मिले इसी आशय से दिनांक 15/06/2025 रविवार को गंज मन्दिर जी उपाश्रय में गंज मंदिरजी ट्रस्ट अध्यक्ष श्री नगीन जी वोहरा की अध्यक्षता में एक आवश्यक मीटिंग चातुर्मास समिति के गठन के एजेंडा को लेकर आयोजित की गई। जिसमे राहुल जी चतरमुथा द्वारा अध्यक्ष दंपत्ति के लिये श्री देशचंद जी वोहरा - श्रीमती भावना जी वोहरा के नाम का प्रस्ताव रखा गया। जिसे उपस्थित सभी जनो ने हर्ष से सहमति प्रदान की। तत्पश्चात मनोनीत अध्यक्ष महोदय के साथ मिलकर चातुर्मास समिति का गठन किया गया।

11 वर्ष की उपलब्धियों को लेकर भाजपा चौरई नगर मंडल की कार्यशाला

चौरई। भाजपा चौरई नगर मंडल की कार्यशाला संपन्न विकसित भारत अमृतकाल सेवा,सुशासन व ग़रीब कल्याण के मोदी सरकार के 11 वर्ष की उपलब्धियों को लेकर भाजपा चौरई नगर मंडल की कार्यशाला जिला अध्यक्ष श्री शेषराव यादव के निर्देश पर कार्यशाला प्रभारी व मुख्य वक्ता योगेन्द्र प्रताप राणा

की उपस्थिति में संपन्न हुई। श्री राणा ने कहा कि मोदी सरकार ने देश के गौरव को दुनिया में बढ़ाने के साथ देश की दशा व दिशा को विकसित भारत की तरफ़ मोड़ने का कार्य किया है मोदी सरकार देश के 140 करोड़ लोगो के जीवन स्तर को सरल करने के साथ उच्चा उठाने का काम किया है हर वर्ग के लिए योजना और हर योजना से लाभान्वित नागरिक ही भाजपा सरकार का लक्ष्य रहा है। कार्यशाला में युवामोर्चा जिला अध्यक्ष श्री योगेंद्र प्रात राणा,श्री लखन वर्मा,श्री शैलेन्द्र पटेल,मंडल अध्यक्ष मदन राय, नीलू निर्मलकर, वेदप्रकाश चौरसिया, संजय ठाकुर, चन्द्रभान सोनी जी सहित मंडल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष राजेश खटीक का जन्मदिन बड़े ही हर्षउल्लास से मनाया गया

औबेदुल्लागंज (संबाददाता)- नगर की हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष एवं कांग्रेस के युवा नेता, पार्षद राजेश खटीक का जन्म दिवस बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया इस अवसर पर नगर के महा व्यापारी संघ एवं वरिष्ठ नागरिकों,, हिंदू उत्सव समिति के सदस्यों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओ ने राजेश खटीक को पुष्पहार पहनाकर गुलदस्ता भेंट कर उनका भव्य स्वागत सत्कार करते हुऐ केक काटकर उनका जन्मदिवस मनाया इस अवसर पर मुख्य रूप से व्यापारी संघ के जगदीश चंदानी,मिंटू अरोरा, अर्जुन दास अरोरा, संजय सिंह चौहान, बबलू कहार, विजय जैन, बाला सैनी, विक्रम धाड़ी,कमल नरेश मालवीय, बंटी जोशी, संतोष गुप्ता, जीतू नेमा,संजय चौरसिया,राहुल महेश्वरी,पंकज नागरानी, राजकुमार राजपूत, मौनी नागर, परिषद की पूर्व अध्यक्ष हरप्रीत कौर बिट्टू रानी, जियो पंप के आदित्य यादव, दीपेश मीणा, शुभम खटीक, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष सोनू चौकसे आदि सहित पत्रकारों ने राजेश खटीक को शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी द्य

महिलाओं के प्रबंधन पर किया एक दिवसीय वर्कशॉप

छिंदवाड़ा। गोलापूरब जैन महिला इकाई की सदस्यों गतिविधि के अंतर्गत द्वारा स्थानीय कांच मंदिर हॉल, कोआपरेटिव बैंक के सामने, छिंदवाड़ा में महिलाओं के हार्मोनल प्रबधन विषय पर दिनांक 15 जून 2025 दिन रविवार को एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया ।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम ANKITA AJAY KATIYAR था। जो कि मेरे पासपोर्ट में दर्ज है। किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित होकर ANKITA KATIYAR W/O AYUSH TIWARI हो गया है । अतः अब मुझे मेरे सही नाम ANKITA KATIyAR W/O AYUSH TIWARI से ही जाना व पहचाना जाए।

Address :- Tulip 592 New Minal Residency VTC Huzur PO GovindPura Dist Bhopal M,P, 462023

कार्यालय नगर पालिका परिषद्
गंजबासौदा जिला विदिशा (म.प्र.)

नगर पालिका भवन, पुराना मेला ग्राउण्ड, शा. राजीव गांधी जनचिकित्सालय के पीछे, वार्ड क्र 15 गंजबासौदा

Email cmoganjbasoda@mpurban.gov.in Ph.07594-221104

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

क्रं./SWM/2025/3124. गंजबासौदा दिनांक 16.06.2025

नगर पालिका परिषद् गंजबासौदा द्वारा निम्न कार्य हेतु ई-निविदा का आमंत्रण किया गया है जिसका विवरण निम्नानुसार है -

ई-निविदा क्रं.	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत	अमानत राशि	ई-निविदा प्रपत्र का मूल्य	ई-निविदा क्रय अंतिम दिनांक
2025_UAD_429361_1	सिंग वाले मृत जानवरों को उठाकर निराकृत करने का कार्य	500000/-	5000/-	2000/-	23.06.2025

निविदा प्रपत्र क्रय, डाउनलोड, करने एवं निविदा से संबंधित समस्त शर्तों एवं जानकारी mptenders.gov.in से एवं नगर पालिका परिषद् गंजबासौदा की स्वास्थ्य शाखा से प्राप्त की जा सकती हैं। इसके बाद किसी प्रकार का संशोधन होने पर बेवसाईट पर या कार्यालय से जानकारी प्राप्त होगी संशोधन का प्रकाशन समाचार पत्र में नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् गंजबासौदा

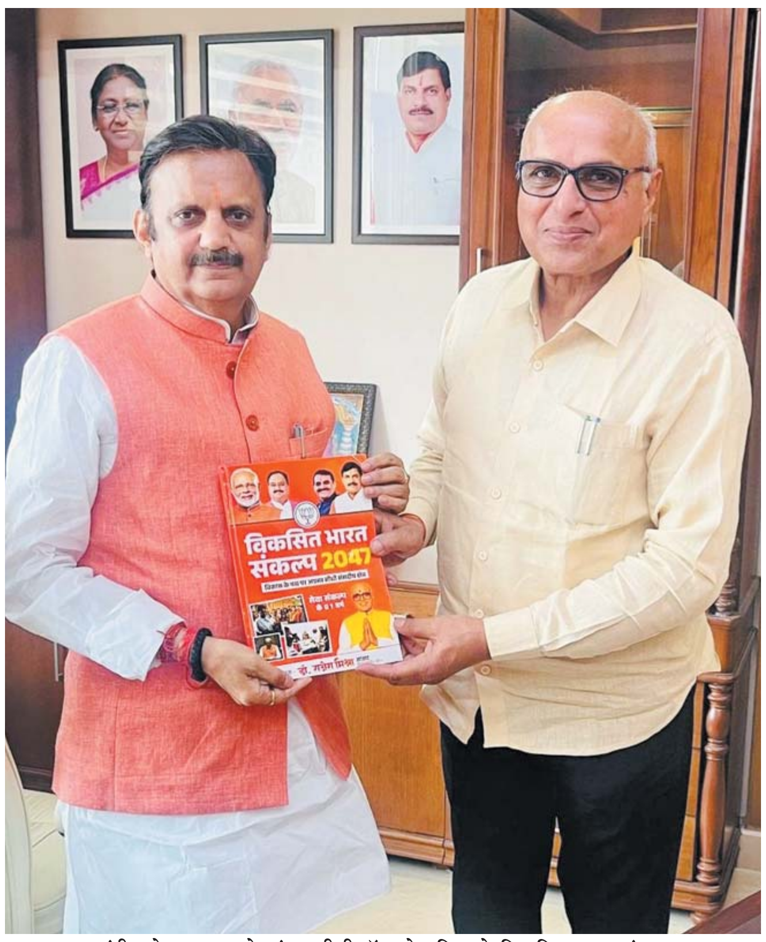

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल को सांसद सीधी डॉ. राजेश मिश्रा ने विकसित भारत संकल्प-2047 विकास के पथ पर अग्रसर सीधी संसदीय क्षेत्र, सेवा संकल्प के 1 वर्ष पुस्तक की प्रति भेंट की। पुस्तक में सीधी संसदीय क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों का विवरण सूचीबद्ध किया गया है।

भीषण जंग के बीच ईरान ने मानी भारत की बात, 10 हजार भारतीयों को बाहर निकालने की अनुमति, आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर जारी

नई दिल्ली/तेहरान। मिडिल ईस्ट में ईरान और इजरायल के बीच छिड़ी भीषण जंग ने वैश्विक चिंता बढ़ा दी है। पिछले सप्ताह से दोनों देशों के बीच लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले जारी हैं, जिससे ईरान में स्थिति गंभीर हो गई है। खबरों के मुताबिक, इजरायली हमलों में ईरान में अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

इस तनाव के बीच ईरान में फंसे लगभग 10,000 भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भारत सरकार चिंतित थी। ईरान द्वारा हवाई क्षेत्र बंद करने से भारतीयों की वापसी और मुश्किल हो गई थी। हालांकि, भारत की कूटनीतिक अपील के बाद ईरान ने बड़ा फैसला लिया है।

सोमवार को ईरान ने भारत सरकार के अनुरोध का जवाब देते हुए घोषणा की कि वह ईरान में फंसे कम से कम 10,000 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए मार्ग उपलब्ध कराएगा। ईरान ने कहा कि चूंकि उसका हवाई क्षेत्र बंद है, भारतीय नागरिक अजरबैजान, तुर्कमेनिस्तान और अफगानिस्तान के जमीनी रास्तों से अपने देश लौट सकते हैं। इधर, ईरान में भारतीय दूतावास ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा था कि वह स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और भारतीय नागरिकों, खासकर छात्रों, की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनके साथ संपर्क में है। दूतावास ने बताया, ÷कुछ मामलों में छात्रों को ईरान के भीतर सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है, और अन्य संभावित निकासी विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है।÷ दूतावास ने आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर (+98 9128109115, +98 9128109109) और ईमेल भी जारी किए हैं, ताकि भारतीय नागरिक उनसे संपर्क कर सकें।

तेहरान में हमला, दो भारतीय छात्र घायल

बता दें, तनाव के बीच रविवार रात तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास के पास एक हमला हुआ, जिसमें जम्मू-कश्मीर के दो भारतीय छात्र घायल हो गए। दोनों छात्रों की हालत स्थिर बताई जा रही है, और दूतावास उनकी स्थिति पर नजर रख रहा है। इस घटना ने ईरान में फंसे भारतीय छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं और बढ़ा दी हैं।

सादगी के प्रमोशन के लिए भोपाल पहुंची मोनालिसा, कहा- जब मैं कैमरे के सामने गई

भोपाल। 16 साल की मोनालिसा भोसले अब लाखों दिलों पर राज कर रही हैं। महाकुंभ मेले में माला बेचने वाली मध्यप्रदेश की साधारण सी लड़की आज बॉलीवुड के सफर पर है। हाल ही में मोनालिसा का पहला म्यूजिक वीडियो सादगी रिलीज हुआ है, जिसके प्रमोशन में वे जुटी हैं। इसी सिलसिले में सोमवार को मोनालिसा भोपाल पहुंची हैं। उन्हें देखने के बाद लोगों को यकीन नहीं हो रहा है कि से वहीं हैं जो धार्मिक स्थलों पर मोतियों की माला बेचती थीं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोनालिसा ने बताया कि, उनके इस नए रुप को देखने के बाद खुद उनके घर वाले भी हैरान हो गए। मोनालिसा ने यह भी बताया कि जब वह पहली बार कैमरे के सामने गई तो उन्हें कैसा लगा।

मोनालिसा की पहली फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है। लेकिन इससे पहले, एक प्रोमो शूट के दौरान मोनालिसा को कैमरे का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया, ÷मैंने पहले कभी कैमरे के सामने पोज नहीं दिया था। लाइट्स, कैमरा और इतने सारे लोगज सब देखकर मैं घबरा गई थी। दिल की धड़कन इतनी तेज थी कि लगा, अब क्या होगा।÷

मोनालिसा ने खुलासा किया कि डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने उनकी घबराहट को कम करने में बड़ी भूमिका निभाई। ÷वो मुझे बार-बार कहते थे, 'मोनालिसा, तुम वही हो जिसे लाखों लोग पसंद करते हैं। बस अपनी मुस्कान बिखेरो।' उनकी बातों से मेरा डर कम हुआ,÷ मोनालिसा ने मुस्कुराते हुए कहा। सनोज ने उन्हें कैमरे के सामने सहज होने के टिप्स दिए, जिससे मोनालिसा धीरे-धीरे कॉन्फिडेंट हो गईं।

बाबा साहब अंबेडकर और भारतीय संविधान के सम्मान में कांग्रेस का जन जागरण अभियान

भोपाल। आज मध्य प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित संयुक्त पत्रकार वार्ता को मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी श्री हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार, पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद श्री दिग्विजय सिंह और विधायक श्री फूल सिंह बरैया ने संबोधित किया। पत्रकार वार्ता में ग्वालियर उच्च न्यायालय परिसर में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति स्थापना को लेकर उत्पन्न विवाद और भारतीय संविधान के निर्माता के रूप में उनके योगदान को नकारने के प्रयासों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई।

हरीश चौधरी- ग्वालियर उच्च न्यायालय परिसर में बाबा साहब की मूर्ति स्थापना पर विवाद उत्पन्न करना दुर्भाग्यपूर्ण।एक सोची-समझी साजिश के तहत संविधान के निर्माता के योगदान पर सवाल उठाए जा रहे हैं।आरएसएस के नागपुर मुख्यालय से इस तरह के विवादों की शुरुआत हो रही है।कांग्रेस इस मुद्दे पर जनता के बीच मजबूती से अपनी बात रखेगी और बाबा साहब के सम्मान की रक्षा करेगी।

जीतू पटवारी- मध्य प्रदेश में भाजपा और आरएसएस बाबा साहब का अपमान करने की साजिश रच रहे हैं।ग्वालियर में पोस्टर के माध्यम से यह प्रचार किया जा रहा है कि बाबा साहब संविधान के निर्माता नहीं थे।बाबा साहब और संविधान के सम्मान में कांग्रेस व्यापक जन जागरण अभियान चलाएगी।

उमंग सिंघार- भाजपा और आरएसएस देश का इतिहास बदलने और वर्ग संघर्ष को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं।बाबा साहब को उनके दलित वर्ग से होने के कारण निशाना बनाया जा रहा है।कांग्रेस की नीति सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की है, जबकि भाजपा वोट के लिए समाज को बांटती है।

दिग्विजय सिंह- बाबा साहब को संविधान सभा का अध्यक्ष बनाए जाने का निर्णय गांधी जी की सलाह पर लिया गया, ताकि उत्पीड़ित वर्ग का प्रतिनिधित्व हो।बी.एन. राव केवल सलाहकार थे, न कि संविधान सभा के सदस्य। उनके नाम पर बाबा साहब के योगदान को नकारना गलत है।आरएसएस ने संविधान जलाया और तिरंगे का विरोध किया, अब बाबा साहब की मूर्ति और उनके योगदान का विरोध कर रहा है।भाजपा का मौन और दोहरा चरित्र इस मामले में स्पष्ट है।

फूल सिंह बरैया- बाबा साहब के लिए अपमानजनक शब्दों का उपयोग और संविधान को बदलने की बात दुर्भाग्यपूर्ण है।बाबा साहब ने कहा था कि संविधान अच्छा होने के बावजूद गलत हाथों में ठीक नहीं चल सकता।बी.एन. राव को संविधान का निर्माता बताकर बाबा साहब का अपमान किया जा रहा है।

कांग्रेस का संकल्प- मध्य प्रदेश कांग्रेस बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर और भारतीय संविधान के सम्मान की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी। हमारा अभियान संविधान की रक्षा और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने का संदेश देगा।

महापौर हेल्पलाइन में 16 दिन में 1728 शिकायतें

इनमें आधी पेंडिंग; भोपाल मेयर बोलीं- सबसे ज यादा सीवेज की शिकायत

भोपाल। महापौर हेल्पलाइन में जून के 16 दिन में कुल 1728 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से लगभग आधी शिकायतें पेंडिंग है। महापौर मालती राय ने कहा कि सबसे ज्यादा सीवेज की शिकायत पेंडिंग है। बारिश का मौसम होने से दिक्कतें हो सकती हैं। इसलिए अफसरों से बात की है। ताकि, शिकायतें दूर की जा सकें।

भोपाल के स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम से मंगलवार को महापौर राय ने मोबाइल पर अफसरों को कॉल करके निर्देश भी दिए। यहां महापौर ने %महापौर महिला हेल्पलाइन% की समीक्षा की और हर विभाग के जिम्मेदारों को कॉल करके पेंडिंग शिकायतों के बारे में बताया।

शिकायत करने वालों से बात भी की

समीक्षा के दौरान महापौर ने शिकायत करने वाले लोगों से बात भी की। उनसे पूछा कि उन्होंने जो शिकायत की थी, वह दूर हुई या नहीं? इसके अलावा जिम्मेदार अफसरों को भी कॉल लगाया। महापौर राय ने बताया कि 1 जून से अब तक 1727 में से 912 शिकायतों का निराकरण हो चुका है। 816 पेंडिंग है। इन्हें जल्द दूर किया जा रहा है।

इन नंबर पर कर सकते हैं शिकायत

स्ट्रीट लाइट, स्ट्रीट डॉग्स, सीवेज, सफाई समेत निगम से जुड़ी अन्य समस्याएं हैं तो आप भी निगम को कॉल करके शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए महापौर हेल्पलाइन नंबर-155304 पर कॉल करना होगा।

राजा रघुवंशी की हत्या से ठीक पहले का एक और वीडियो आया सामने तीनों आरोपी कर रहे थे फॉलो?

इंदौर। राजा रघुवंशी की हत्या से कुछ घंटे पहले का एक और वीडियो सामने आया है. ये वीडियो फोटोग्राफर देव सिंह ने ही ने पोस्ट किया है, जिन्होंने इससे पहले राजा रघुवंशी और सोनम का वीडियो शेयर किया था जिसमें सोनम सफेद टी-शर्ट में दिखाई दे रही है और राजा ने शर्ट उतार रखी है. दोनों ही वीडियो शिलॉन्ग के डबल डेकर रूट ब्रिज का है.

20 मिनट के अंतर पर दिखे राजा-सोनम और तीन लोग

वीडियो शेयर करने वाले देव सिंह ने कहा कि राजा-सोनम और तीन लोगों के कैमरे में कैद होने का अंतर 20 मिनट है. तीनों शख्स 23 मई की सुबह 9~25 रू बजे पर कैमरे में कैद हुए. वहीं राजा-सोनम सुबह 9~45 रूबजे वीडियो में कैद हुए.

देव सिंह ने अपने वीडियो को शेयर करते हुए कहा था कि उनके पास इंदौर के तीन लोगों वाला वीडियो भी है. फोटोग्राफर देव सिंह ने 23 मई को डबल डेकर रूट ब्रिज के रास्ते पर थे उसी दौरान उनके कैमरे ये दोनों ही वीडियो कैद हो गया. सोनम ने जो व्हाइट टी शर्ट पहन रखा है वो टी शर्ट पुलिस राजा के शव के पास से 2 जून को बरामद कर चुकी है.

23 मई हुई थी राजा की हत्या

मेघालय में हनीमून मनाने गए राजा रघुवंशी की 23 मई को हत्या कर दी गई. 9 जून को राजा की पत्नी सोनम, उसके प्रेमी राज कुशवाहा और तीन हत्यारों को गिरफ्तार किया गया. 9 जून को सोनम ने यूपी के गाजीपुर में सरेंडर किया था. 11 मई को राजा और सोनम की शादी हुई थी. 16 मई को सोनम और राज ने राजा की हत्या की फाइनल प्लानिंग की. 21 मई को पति-पत्नी गुवाहाटी होते हुए मेघालय पहुंचे थे.

2 जून को मिली राजा की लाश

23 मई को पूर्वी खाली हिल्स जिले के सोहरा में नोंगरियाट गांव में एक होमस्टे से निकलने के कुछ घंटों बाद ही सोनम और राजा लापता हो गए. 2 जून को राजा की लाश एक घाटी में मिली.

हत्या में इस्तेमाल हथियार बरामद

जिस जगह पर राजा रघुवंशी की हत्या की गई उस जगह को वेई सावडोंग झरना कहा जाता है. शिलॉन्ग से 65 किलोमीटर दूर सोहरा के जंगल का ये सुनसान इलाका है. इसी सुनसान का फायदा उठाकर उस दिन हत्या को अंजाम दिया गया. दोपहर 23 मई की दोपहर को करीब 1 से 2 बजे के बीच धारदार हथियार से राजा पर वार किया गया. जख्मी हालत में खाई से नीचे फेंक दिया. जिस हथियार से हमला किया गया वो पुलिस ने बरामद कर लिया है.

अटक सकता है 50 हजार कर्मचारियों का जून का वेतन: कलेक्टरों को फाइनेंस विभाग की चिट्ठी, कर्मचारी-अधिकारी की IFMIS पर e-KYC नहीं तो वेतन नहीं

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन ने कर्मचारियों का आईएफएमआईएस (इंटीग्रेटेड फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम) से ई-केवाईसी अनिवार्य कर दिया है। वित्त विभाग ने सभी कलेक्टरों से कहा है कि वे अपने जिले के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों का फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम के साथ ईकेवाईसी करा दें। जिन कर्मचारियों और अधिकारियों का ई-केवाईसी 30 जून तक नहीं होगा, उनका जून का वेतन नहीं निकाला जाएगा। विभाग के इस फरमान से प्रदेश के 50 हजार अधिकारी-कर्मचारी प्रभावित हो सकते हैं।

आयुक्त कोष एवं लेखा ने सभी कलेक्टरों को लिखे पत्र में कहा है कि राज्य शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि सभी लोक सेवकों को आईएफएमआईएस के अंतर्गत एम्प्लाई सेल्फ सर्विस प्रोफाइल के माध्यम से अपनी समग्र आईडी को आधार से लिंक करना है। इसे मैप किए जाने के बाद ही अब कर्मचारियों और अधिकारियों का वेतन निकल सकेगा। इसलिए सभी अधिकारी-कर्मचारी ई-केवाईसी सत्यापन का कार्य अभियान के रूप में करें, ताकि जिनका ई-केवाईसी नहीं हो सका है, उनका सत्यापन हो जाए और वेतन निकलने में किसी तरह की दिक्कत न हो।

सितंबर 2024 से शुरू हुई है प्रक्रिया- आईएफएमआईएस से समग्र और आधार की लिंक प्रक्रिया सितंबर से शुरू हुई है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने इसको लेकर 2 सितंबर 2024 को पहल पत्र वित्त विभाग को लिखा। इसके बाद 14 सितंबर 2024 को वित्त विभाग ने जिलों को इसके निर्देश जारी किए हैं। आयुक्त कोष और लेखा ने इसको लेकर 23 मई को भी पत्र लिखकर समग्र और आधार को आईएफएमएस से लिंक कराने के लिए रिमाइंडर भेजा था।

अब तक 90 प्रतिशत कर्मचारियों का हुआ ई-केवाईसी

मार्च 2024 की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 6 लाख 6 हजार नियमित कर्मचारी हैं। संविदा एवं स्थायी कर्मी समेत अन्य कर्मचारियों को जोड़ने पर यह आंकड़ा 7 लाख के पार होता है। ऐसे में जबकि सरकार का पहला फोकस नियमित अधिकारी-कर्मचारी हैं तो भी अभियान के दस माह में 90 फीसदी का ही सत्यापन हो सका है। अभी भी 10 प्रतिशत का ई-केवाईसी होना बाकी है।

ऐसे में 50 हजार से अधिक कर्मचारियों का 30 जून से पहले ई-केवाईसी किया जाना जरूरी है। इसके मद्देनजर आयुक्त कोष और लेखा ने कहा है कि जिन कर्मचारी-अधिकारी का आईएफएमआईएस के अंतर्गत समग्र आईडी से आधार की लिंकिंग या मैपिंग नहीं हुई है उनका वेरिफिकेशन अगले 14 दिनों में पूरा करा लिया जाए। ऐसा न होने पर ट्रेजरी से वेतन नहीं निकाला जा सकेगा।

भोपाल में देर रात 699 पुलिसकर्मियों के तबादले: एक ही थाने और संभाग में 5 साल से जमे पुलिस कर्मियों को किया इधर से उधर

भोपाल। भोपाल पुलिस कमिश्नरेट के अधीन आने वाले 37 थाने में 5 साल से अधिक समय से जमे 699 पुलिस कर्मियों की तबादला सूची देर रात जारी की गई। इसमें ऐसे पुलिसकर्मी जो एक ही संभाग में अथवा एक ही थाने में 5 साल और इससे अधिक समय से थे, उन्हें इधर से उधर किया गया है। यह सूची पीएचक्यू के आदेश के बाद जारी की गई है। ट्रांसफर हुए पुलिसकर्मियों में शहर के 30 उप निरीक्षक, 56 सहायक उप निरीक्षक, 313 प्रधान आरक्षक और 301 आरक्षक शामिल हैं। पुलिस विभाग में हुए इस ट्रांसफर को लेकर कहा जा रहा है कि एक ही थाने में लंबे से जमे होने की वजह से कई शिकायतें सामने आ रही थी जिसके चलते इस पर संज्ञान लिया गया। जिन पुलिसकर्मियों के ट्रांसफर किए गए है उनमें ऐसे पुलिसकर्मी भी शामिल है जिनका पहले भी इन थानों से ट्रांसफर हो चुका था, लेकिन बाद में फिर से ये उसी थाने में पदस्थ हो गए थे। ऐसी समस्या प्रदेश भर में सामने आई जिसके बाद पुलिस मुख्यालय ने इस व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश दिए थे, कि लंबे समय से जमे पुलिसकर्मियों को ट्रांसफर कर नए पुलिसकर्मियों को थानों में पदस्थ किया जाए। शहर के सभी थानों में ये फेरबदल किया गया है जिसमें अजाक जैसे थाने भी शामिल है।

एयर इंडिया विमान के पायलट कैप्टन सुमित सभरवाल का मुंबई में अंतिम संस्कार, पिता ने हाथ जोड़ बेटे को दी अंतिम विदाई

अहमदाबाद। अहमदाबाद में 12 जून को दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया विमान के पायलट कैप्टन सुमित सभरवाल (56) का पार्थिव शरीर मंगलवार को मुंबई लाया गया। एक अधिकारी ने बताया कि सुमित का शव लेकर एक टीम सुबह विमान से मुंबई हवाई अड्डे पहुंची। वहां से परिवारजन शव को पवई के जल वायु विहार स्थित उनके निवास पर ले गए। सुमित अपने बुजुर्ग माता-पिता के साथ मुंबई में रहते थे।

सुमित सभरवाल के सम्मान में उनके आवास के बाहर कई दोस्त, रिश्तेदार और स्थानीय लोग श्रद्धांजलि देने पहुंचे। व्यवसायी निरंजन हीरानंदानी और स्थानीय विधायक दिलीप लांडे ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सुमित के पिता पुष्करराज सभरवाल और अन्य परिजन भी श्रद्धांजलि देते नजर आए। बाद में शव वाहन चकला विद्युत शवदाह गृह के लिए रवाना हुआ।

12 जून को लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान,ढ्ढ-171, जिसमें 242 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे, अहमदाबाद में एक मेडिकल कॉम्प्लेक्स से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में एक यात्री को छोड़कर विमान में सवार सभी लोग और जमीन पर मौजूद 29 अन्य लोगों की मौत हो गई थी। ष्ठत्रष्ट के अनुसार, विमान ने रनवे 23 से 13~39 ढ्ढस्स्ञ्ज पर उड़ान भरी थी और मेडे कॉल के बाद ्रञ्जष्ट से संपर्क टूट गया था।

इंदौर नगर निगम के अधिकारी चेतन पाटिल के ठिकानों पर EOW का छापा, ऑफिस सील

इंदौर। आर्थिक अपराध शाखा ने नगर निगम के अधिकारी चेतन पाटील के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की। इस छापेमारी का मुख्य कारण वित्तीय अनियमितताएं और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप था। सुबह से ही श्वह्लङ्ख की टीम ने कार्रवाई शुरू कर दी थी, और नगर निगम परिसर के साथ-साथ अन्य स्थानों पर भी ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई।

पहले भी लग चुके हैं आरोप- चेतन पाटील कई वर्षों से नगर निगम के उद्यान विभाग में कार्यरत थे, और इस दौरान उन पर विभिन्न गंभीर आरोप लग चुके हैं। दावा है कि सालों से नगर निगम में कार्यरत पाटील ने पिछले कुछ वर्षों में अपने संपत्ति में अप्रत्याशित वृद्धि की थी, जिससे उन पर संदेह और सवाल उठने लगे थे। इसी संदर्भ में, श्वह्लङ्ख ने उनके खिलाफ छापेमारी की योजना बनाई और आज इसे अंजाम दिया।

पाटील का कार्यालय सील

EOW की टीम नगर निगम की नई बिल्डिंग में भी पहुंची और वहां स्थित पाटील के कार्यालय को सील कर दिया। इस कदम से नगर निगम में चल रही वित्तीय जांच पर एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। नगर निगम में यह पहली बार नहीं है कि किसी अधिकारी पर इस प्रकार के आरोप लगे हैं। हाल ही में कई अन्य अधिकारियों पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके हैं।